www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली,मंगलवार,29 अगस्त, 2023 | वर्ष-16 | अंक -143 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

रामाराव ने भारतीय संस्कृति व सिनेमा को किया समृद्ध : मुर्मू 02

- दिल्ली के गांवों का 115 करोड़ की लागत से होगा ... 03
- हिन्दूराव अस्पताल में हड़ताल जल्द खत्म होगी : राजा इकबाल 03
- पश्चिमी लॉबी ने पाकिस्तान चुनाव में अपेक्षित देरी पर दी... 07
- अमेरिका की वाणिज्य मंत्री चार दिवसीय यात्रा पर चीन... 07

कंटेस्टेंट होने से लेकर इंडियन आइडल को... 10

सार संक्षेप

पदोन्नति को भी नियुक्ति प्रचारित करते हैं मोदी : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन पत्र बांटते हैं और फोटो खिंचवाकर इसे भी सरकारी नौकरी देने के रूप में प्रचारित करते हैं। श्री खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रचार पर भरोसा करते हैं। स्थिति यह है कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन पत्र बांटकर उसे भी नौकरी देने के रूप में प्रचारित करते हैं।

राजस्थान में न्यूनतम मजदूरी में हुई बढ़ोतरी

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने श्रमिकों को आर्थिक सम्बल देने के लिए प्रत्येक वर्ग के लिए न्यूनतम मजदूरी की दरों में 26 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। अब अकुशल श्रमिक को 259 रुपए के स्थान पर 285 रुपए प्रतिदिन, अर्द्धकुशल श्रमिक को 271 रुपए के स्थान पर 297 रुपए प्रतिदिन , कुशल श्रमिक को 283 रुपए के स्थान पर 309 रुपए प्रतिदिन तथा उच्च कुशल श्रमिक को 333 रुपए के स्थान पर 359 रुपए प्रतिदिन मजदूरी प्राप्त होगी।

कश्मीर में ड्रग तस्करों की 2.1 करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में पुलिस ने चालू वर्ष के दौरान ड्रग तस्करों की करीब 2.1 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली। बारामूला पुलिस ने तीन आवासीय घर, करीब 90.02 लाख मूल्य के तीन निजी वाहन और लगभग 1.2 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है।

प्रख्यात कवि व लेखक जयंत महापात्रा का निधन

भुवनेश्वर। प्रख्यात लेखक एवं कवि पद्मश्री जयंत महापात्रा का रविवार रात कटक के श्रीराम चंद्र भांजा (एससीबी) मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में वृद्धावस्था जनित बीमारी के कारण निधन हो गया है। वह 95 वर्ष के थे। आधुनिक भारतीय अंग्रेजी में क्लासिक मानी जाने वाली 'इंडियन समर' और 'हंगर' जैसी कविताओं के लेखक का कल रात वृद्धावस्था जनित बीमारी के कारण निधन हो गया था। वह 95 वर्ष के थे।

अगस्त में एनसीएस पर दस लाख से अधिक रिक्तियां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर इस वर्ष अगस्त में दस लाख से अधिक रिक्तियां पंजीकृत की गई हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी।

ब्रिटेन-अमेरिका के खुफिया एजेंटों ने दिल्ली में डेरा डाला

■ गगन से धरा तक हर गतिविधि पर सीक्रेट एजेंटों की नजर ■ 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन में शिरकत करेंगे

■ जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली में 9 से 10 सितम्बर को होने वाले जी-20 सम्मेलन के लिए देश की सुरक्षा एजेंसियां से लेकर रॉ व आईबी तो चप्पे-चप्पे पर नजर रख ही रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष इसमें शिरकत करेंगे। इसलिए इन तमाम देशों की खुफिया एजेंसियों के सीक्रेट एजेंट भी दिल्ली आ चुके हैं।

सुरक्षा सलाहकार संभाल रहे कमान

भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी रॉ सभी खुफिया एजेंटों से तालमेल के लिए नोडल एजेंसी का काम रही है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खुद जी-20 सुरक्षा व्यवस्था की पूरी कमान संभल रहें है। बता दें कि अगले महीने 8 से 10 सितंबर तक जी-20 समिट को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के इतने कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं कि 28 जनवरी और 15 अगस्त को किए जाने वाले सुरक्षा इंतजाम भी फीके पड़ जाएं। जी-20 समिट में आने वाले राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा के लिए उन देशों की सुरक्षा एजेंसियां भी भारत आने लगी है।

आईबी व रॉ ने बनाया डेस्क

आईबी और रॉ में एक खास डेस्क बनाया गया है, जिसके माध्यम से अमेरिका की सीआईए, ब्रिटेन की एमआई- 6 और चीन की एमएसएस एजेंसियों के भारत में आए एजेंटों से सूचनाओं को आदान प्रदान व सुरक्षा के तालमेल का काम हो रहा है। जिन होटलों में मेहमान रुकेंगे उन तक आने जाने वाले सभी रास्तों की जानकारियां भी इन देशों की सुरक्षा एजेंसियों के साथ शेयर की जा रही है।

कई जगहों पर लगाए जा रहे एंटी-ड्रोन सिस्टम

सूत्रों के मुताबिक जी-20 सम्मेलन की सुरक्षा को लेकर आईबी दिल्ली पुलिस, नेशनल सिक्युरिटी गॉर्ड, अर्धसैनिक बलों के साथ साथ सेना के अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठक हो चुकी है। जबकि रॉ विदेश एजेंटों से तालमेल स्थापित करने का काम कर रही है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक सम्मेलन के दौरान एयरफोर्स और भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर लगातार दिल्ली के आसमान गश्त करेंगे । इन हेलिकॉप्टर में सेना और एनएसजी के कमांडो हर वक्त मौजूद रहेंगें। एनएसजी ड्रोन हमले के खतरे को देखते हुए कई जगहों पर एन्टी-ड्रोन सिस्टम लगा रही है।

पुतिन ने शामिल होने में असमर्थता जताई

प्रधानमंत्री मोदी से की बात, विदेश मंत्री को भेजेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की, जिन्होंने 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता जताई। पुतिन ने मोदी को बताया कि जी20 शिखर सम्मेलन में रूस का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा की।

दिसम्बर में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव : ममता

नीतीश व एमके स्टालिन भी समय से पहले चुनाव की कह चुके है बात

■ भाजपा ने बुक किए सभी हेलीकॉप्टर
■ लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को कोलकाता में कहा कि भारतीय जनता पार्टी अगर लोकसभा चुनाव दिसंबर में ही करा दे, तो हैरानी नहीं होगी। ममता बनर्जी से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी समय से पहले लोकसभा चुनाव की आशंका जता चुके हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस को निशाने पर लेते हुए कहा कि राज्यपाल संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, मैं इस पद का सम्मान करती हूं, लेकिन उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। ममता बनर्जी ने दावा किया कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए पहले ही सभी हेलीकॉप्टर बुक कर लिए हैं ताकि बाकी राजनीतिक दल प्रचार के लिए उनका इस्तेमाल नहीं कर सकें। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे कहा कि हमने बंगाल में माकपा के शासन को समाप्त किया, अब हम लोकसभा चुनाव में भजपा को हराएंगे। भाजपा ने पहले ही हमारे देश को समुदायों के बीच कटुता वाले देश में बदल दिया है। अगर वे सत्ता में वापसी करते हैं, तो इससे हमारा देश नफरत का देश बन जाएगा।

नूंह में 51 लोगों से हुई ब्रजमंडल यात्रा

■ पुलिस ने मंदिर ले जाकर जलाभिषेक कराया
■ बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं दिया

नूंह, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद सर्वजातीय हिंदू महापंचायत और बजरंग दल के आह्वान पर हिंदू संगठनों की पैदल ब्रजमंडल यात्रा नहीं हो सकी। पुलिस नूंह बाइपास से 51 लोगों को पुलिस सिक्योरिटी में 3 गाड़ियों में लाई। उन्होंने पहले नलहरेश्वर मंदिर में जलाभिषेक किया। फिर गाड़ियों में उन्हें फिरोजपुर झिरका के रास्ते सिंगार स्थित राधाकृष्ण मंदिर पहुंचाया गया। वहां जलाभिषेक के बाद यात्रा का समापन हो गया। हिंदू संगठनों की यात्रा को सरकार और प्रशासन ने पहले ही अनुमति देने से इनकार कर दिया था। नूंह में बाहरी लोगों को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया गया।

कर्फ्यू जैसा माहौल रहा

सोमवार को नूंह में कर्फ्यू जैसा माहौल रहा। यहां के बाजार, स्कूल-कॉलेज सब बंद रहे। धारा 144 लागू कर दी गई थी। इससे पहले नूंह यात्रा में हिस्सा लेने अयोध्या से आए संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य महाराज को प्रशासन ने गुरुग्राम सोहना टोल प्लाजा पर रोक दिया। 31 जुलाई को ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें 2 होमगार्ड समेत 6 लोगों की मौत हो गई थी।

कार्यालयों में पसरा रहा सन्नाटा

नूंह जिला प्रशासन ने सोमवार को लोगों को घरों से बाहर निकलने से मना करने पर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं, सरकारी कार्यालय खुले रहे थे, लेकिन कोई नहीं पहुंचा।

भारत के सौर मिशन की तारीख की हुई घोषणा

2 सितम्बर को लॉन्च होगा आदित्य-एल 1

■ राकेट पीएसएलवी-एक्सएल द्वारा ले जाया जाएगा
■ प्रक्षेपण देखने के लिए आम लोगों को किया आमंत्रित
■ सौर गतिविधियों पर प्रभाव का अध्ययन संभव हो सकेगा

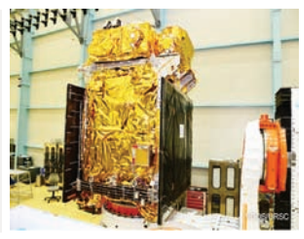

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद अब सूर्य को करीब से जानने के लिए 2 सितम्बर को पूर्वाह्न 11.50 बजे देश की पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला 'आदित्य-एल1' लॉन्च करेगा। इसरो ने कहा कि आदित्य-एल1 को भारतीय रॉकेट पीएसएलवी-एक्सएल द्वारा ले जाया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र की गैलरी से प्रक्षेपण देखने के लिए आम लोगों को पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया है।

शुरु में निचली कक्षा में किया जाएगा स्थापित

प्रारंभ में, आदित्य-एल1 को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। बाद में धीरे-धीरे इसकी कक्षा का उन्नयन किया जाएगा, और अंतत: पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर निकलकर सूर्य के करीब एल-1 प्वाइंट की ओर सफर शुरू करेगा। लॉन्च से एल1 तक की यात्रा में आदित्य-एल1 को लगभग चार महीने लगेंगे और पृथ्वी से दूरी लगभग 15 लाख किमी होगी। पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी लगभग 3.84 लाख किमी है।

इसरो ने कहा, एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को बिना किसी ग्रहण के लगातार सूर्य को देखने का प्रमुख लाभ मिलता है। इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव का अध्ययन संभव हो सकेगा।

सात पेलोड ले जाएगा आदित्य-एल1

इसरो के अनुसार, अंतरिक्ष यान विद्युत चुम्बकीय और कण और चुंबकीय क्षेत्र डिटेक्टरों का उपयोग करके फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात पेलोड ले जाएगा। एजेंसी ने बताया, विशेष सुविधाजनक बिंदु का उपयोग करते हुए चार पेलोड सीधे सूर्यमुखी होंगे और शेष तीन पेलोड लैग्रेंज बिंदु पर कणों और क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे। उम्मीद है कि मिशन से कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता, कण और क्षेत्रों के प्रसार और अन्य, भारतीय अंतरिक्ष की समस्या को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।

नीतीश का संयोजक बनने से इनकार

बोले, हम लोग सबको एकजुट कर रहे

■ विपक्षी दलों की मुंबई में होनी अगली बैठक
■ संयोजक के नाम की हो सकती है घोषणा

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एकबार फिर दोहराया कि उन्हें कुछ नहीं बनना। उन्होंने कहा कि हमलोग सबको एकजुट कर रहे हैं। पटना में पत्रकारों से चर्चा के दौरान इंडिया गठबंधन में संयोजक बनाए जाने के संबंध में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बराबर कह रहे हैं कि हमको कुछ नहीं बनना है। दूसरे लोगों को बनाया जाएगा। हमारी कोई इच्छा नहीं है। हम सबको एकजुट करना चाहते हैं । उन्होंने कहा, हमको कुछ व्यक्तिगत नहीं चाहिए। हम सबका हित चाहते हैं इसलिए कभी ये सब मत सोचिए कि हम व्यक्तिगत कुछ चाहते हैं। हमलोग तो सबको एकजुट कर रहे हैं । विपक्षी दलों की अगली बैठक मुंबई में होनी है। माना जा रहा है कि इस बैठक में संयोजक के नाम की घोषणा की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी द्वारा भारत को असली आजादी 1977 में जेपी आंदोलन के बाद मिलने के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उन लोगों की किसी बात पर हम ध्यान ही नहीं देते हैं। देश को आजादी कब मिली है। ये सबको मालूम है। उन्होंने कहा कि जिनको आजादी के बारे में नहीं मालूम है, इसका मतलब वो कितना ई-लीगल है। उन सब का कोई वैल्यू नहीं है ।

लालू बोले थे, संयोजक को लेकर नहीं कोई विवाद

पिछले दिनों गोपालगंज पहुंचे आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने साफ कर दिया था कि इंडिया का कन्वीनर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही नहीं बल्कि कोई और भी हो सकता है। लालू प्रसाद ने कहा था कि गठबंधन में संयोजक को लेकर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है।

प्रधानमंत्री ने 51 हजार युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपे

बोले, भारत जल्द शीर्ष-3 अर्थव्यवस्था में शामिल होगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 28 अगस्त को 8वें राष्ट्रीय रोजगार मेले के तहत 51 हजार 106 युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपे। देश भर में 45 जगहों पर रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने सबको बधाई दी और कहा कि भारत बहुत जल्द टॉप-3 अर्थव्यवस्था में शामिल होगा। मोदी ने कहा, देश के हर युवा का सपना है कि वो देश का प्रहरी बने। आप देश की सेवा के साथ-साथ यहां के नागरिकों की रक्षा भी करेंगे।

कांग्रेस ने बताया चेहरा बचाने की कवायद

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री द्वारा रोजगार मेले में बांटे जा रहे रोजगार पत्र को चेहरा बचाने की कवायद करार दिया है।पार्टी ने आरोप लगाया कि अपनी गिरती छवि को बचाने के लिए वह सबसे बड़े जुमले में से एक 'पीएम रोजगार मेला' लेकर आए हैं।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को बताया

अनुच्छेद 35ए ने जम्मू कश्मीर में कृत्रिम वर्ग बनाया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को बताया कि अनुच्छेद 35ए केवल जम्मू-कश्मीर पर लागू होता है, जिससे एक 'कृत्रिम वर्ग' बनता है। मेहता ने अदालत से कहा कि अनुच्छेद 35ए ने भारत के संविधान में एक नया प्रावधान बनाया है, जो केवल जम्मू-कश्मीर के 'स्थायी निवासियों' पर लागू होगा। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमनी ने सॉलिसिटर जनरल की दलील को यह कहकर मजबूत किया कि अनुच्छेद 35ए अनुच्छेद 35 का संशोधन नहीं है बल्कि यह संविधान के तहत एक नए अनुच्छेद का निर्माण है। उन्होंने कहा शुरुआत से ही अनुच्छेद 370 को एक अस्थायी प्रावधान के रूप में माना गया था।

तैयारी — आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले नेताओं को दी गई अहम जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ चुनाव में संघ के सहारे भाजपा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेसियां)। छत्तीसगढ़ में राज्य की भूपेश बघेल सरकार को हराने और 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में हुई गलती को दोहराने से बचने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। भाजपा ने देश के कई राज्यों से अपने नेताओं की फौज को प्रदेश की सभी 90 विधान सभा सीटों पर पहले ही उतार रखा है लेकिन अब पार्टी ने धरातल से मिल रहे फीडबैक के आधार पर आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले नेताओं को छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों में तैनात कर दिया है।

वैसे तो भाजपा में आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले नेताओं की भरमार है। आरएसएस से भाजपा में आने वाले कई नेता केंद्र में मंत्री हैं, कई राज्यों में मुख्यमंत्री और मंत्री है, सरकार से लेकर पार्टी संगठन में अहम पदों पर बैठे हैं। लेकिन, पार्टी संगठन में राष्ट्रीय संगठन महासचिव के पद पर नियुक्त नेता को भाजपा संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच की कड़ी माना जाता है। वर्तमान में यह जिम्मेदारी बीएल संतोष निभा रहे हैं जो आरएसएस द्वारा बुलाई गई बैठक में भाजपा की तरफ से शामिल होकर भाजपा के कामकाज की रिपोर्ट सौंपते हैं। राज्य के स्तर पर प्रदेश संगठन महासचिव भी कुछ हद तक इसी तरह की भूमिका निभाते हैं।

■ देश के कई राज्यों से नेताओं की फौज सभी 90 सीटों पर उतारी

दो प्रदेशों के संगठन महासचिवों को तैनात किया

छत्तीसगढ़ में होने वाले आगामी विधान सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा आलाकमान की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पार्टी ने अपने दो प्रदेशों के संगठन महासचिवों को छत्तीसगढ़ के अलग-अलग संभागों में तैनात कर दिया है। पार्टी आलाकमान ने झारखंड प्रदेश भाजपा के संगठन महासचिव कर्मवीर को छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग की जिम्मेदारी देकर इस क्षेत्र में आने वाले 7 जिलों की चुनावी कमान सौंप दी है। बस्तर संभाग में आने वाले 7 जिलों में छत्तीसगढ़ राज्य की 12 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटें आती हैं। इसके साथ ही पार्टी ने पश्चिम बंगाल प्रदेश भाजपा के संगठन महासचिव सतीश धोंड को बिलासपुर संभाग का दायित्व सौंपा है। बिलासपुर संभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 8 जिले आते हैं जिसमें 25 विधानसभा और 4 लोकसभा की सीटें आती हैं।

देश

उवाच

नीतीश कुमार खुली आंखों से प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं इसलिए समर्थकों से बयान दिलवाते हैं, नारे लगवाते हैं या पटना में होर्डिंग टंगवा देते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

-सुशील कुमार मोदी, भाजपा नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35.0	25.0
मुंबई	27.0	26.0
कोलकाता	33.0	28.0
चेन्नई	33.0	27.0

मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन में पांच सौ करोड़ से अधिक का घोटाला : कांग्रेस

भोपाल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने भाजपा को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेराबंदी तेज कर दी है। सोमवार को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, मप्र नेता प्रतिपक्ष डॉ.गोविंद सिंह और अन्य नेताओं के साथ मध्यप्रदेश के लोकायुक्त को प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत की है। कांग्रेस ने दोनों के खिलाफ लोकायुक्त संगठन से जांच कराकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए विवेक तन्खा ने कहा कि मप्र के महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन में 500 करोड़ से अधिक का घोटाले का आरोप है। सीएजी की रिपोर्ट में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित किए जाने वाले पोषण आहर में भारी भ्रष्टाचार किया है।

- मुख्य सचिव के संरक्षण में पोषण आहार घोटालो कर लगाया आरोप
- कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने सीएस व बेलवाल की लोकायुक्त में की शिकायत

पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्रियों से पोषण आहार के उत्पादन, वितरण में भारी अनियमिताएं पाई गई हैं। सीएजी ने आठ जिलों की रिपोर्ट में लिखा है कि कंपनियों से फेक उत्पादन, स्कूटर और ऑटो के वाहन नंबर को ट्रक का नंबर बताकर पोषण आहार का परिवहन करना बताया गया है। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि पोषण आहार मामले की स्वतंत्र विजलेंस एजेंसी से जांच कराई जाए।

पोषण आहार मामले की स्वतंत्र विजलेंस एजेंसी से कराई जाए जांच : विवेक तन्खा

लेकिन प्रदेश सरकार ने लोकायुक्त को जांच करने की जिम्मेदारी नहीं दी। कांग्रेस के इस वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह और पूर्व मंत्री तरुण भनोत शामिल रहे। विवेक तन्खा ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट में सातों कंपनियों में बेलवाल के कार्यकाल में पोषण आहार में 500 करोड़ का फेक प्रोडक्शन, फेक डिस्ट्रीब्यूशन आया है। सीएजी ने सैंपल के आधार पर यह जांच की थी। इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों की जांच कराने को कहा था, लेकिन सरकार ने जांच नहीं कराई।

कांग्रेस के निशाने पर आए सीएस बैंस

विवेक तन्खा ने कहा कि पोषण आहार मामले में आठ जिलों में करीब 500 करोड़ रुपए के घोटाले की बात सीएजी की रिपोर्ट में आई है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस इस पूरे मामले में संदेह के दायरे में इसलिए आ रहे हैं, क्योंकि मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल हैं। वे रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी हैं। आईएस बैंस 2014 में सीएम के सचिव बने और बेलवाल को आपना सीईओ बनाकर एमपी एग्रो कॉर्पोरेशन के अधीन कार्य करने वाली सातों फैक्ट्रियों को ग्रामीण विकास विभाग के दूसरे विभाग में ट्रांसफर कर दिया। यह व्यवस्था 2018 तक चलती रही। दिसंबर 2018 में कमलनाथ की सरकार बनने के बाद जब उन्हें करप्शन की भनक लगी तो कमलनाथ ने सातों कंपनियों का एमपी एग्रो में ट्रांसफर कर दिया। कमलनाथ सरकार जाने के कुछ दिन बाद ही इकबाल सिंह बैंस मुख्य सचिव बन जाते हैं और बेलवाल को दोबारा कांट्रेक्ट पर वापस रख लेते हैं। और कुछ दिनों बाद सातों कंपनियों फिर से वापस ला लेते हैं।

कश्मीर में ड्रग तस्करों की 2.1 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में पुलिस ने चालू वर्ष के दौरान ड्रग तस्करों की करीब 2.1 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली। बारामूला पुलिस ने तीन आवासीय घर, करीब 90.02 लाख मूल्य के तीन निजी वाहन और लगभग 1.2 करोड़ रुपए की नकदी बरामद की है। स्वापक ओषधि और मन:प्रभावी पदार्थ

अधिनियम (एनडीपीएस)1985 की धारा के तहत पट्टन, क्रेरी, कमलकोट उरी और नांबला उरी बारामूला में ड्रग तस्करों की संपत्ति जब्त की गई।

बारामूला पुलिस की इस कार्रवाई से नशीली दवाओं के कारोबार के वित्तीय पहलू को बहुत नुकसान हुआ है और इससे दूसरों को नशीली दवाओं की तस्करी में शामिल होने से हतोत्साहित करने में मदद मिलेगी। बारामूला पुलिस के इस कदम की आम जनता द्वारा काफी सराहना की जा रही है और वे इस बात से खुश हैं कि ड्रग तस्करों से सख्त से सख्त तरीके से निपटा जा रहा है। बारामूला पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे नशा मुक्त माहौल सुनिश्चित करने के लिए नशीली दवाओं के तस्करों के बारे में कोई भी जानकारी पुलिस के साथ साझा करें और उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की पहचान सुरक्षित रखी जाएगी।

रामाराव ने भारतीय संस्कृति व सिनेमा को किया समृद्ध : मुर्मू

नई दिल्ली/हैदराबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में स्वर्गीय एन.टी.रामाराव के शताब्दी वर्ष पर स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर मुर्मू ने कहा कि रामाराव ने तेलुगु फिल्मों के माध्यम से भारतीय सिनेमा और संस्कृति को समृद्ध किया है। उन्होंने अपने अभिनय से रामायण और महाभारत के प्रमुख पात्रों को सजीव बना दिया। उनके द्वारा निभाई गई भगवान राम और भगवान कृष्ण की भूमिकाएं इतनी जीवंत हो गईं कि लोग उनकी (एनटीआर) की पूजा करने लगे।

- राष्ट्रपति ने रामाराव के सम्मान में जारी किया सिक्का

उन्होंने कहा कि एनटीआर ने अपने अभिनय के माध्यम से आम लोगों की पीड़ा को भी अभिव्यक्त किया। उन्होंने अपनी फिल्म 'मनुशुलंता ओक्कटे' अर्थात सभी मनुष्य समान हैं के माध्यम से सामाजिक न्याय और समानता का संदेश फैलाया। राष्ट्रपति ने कहा कि एक लोक सेवक और एक जन नेता के रूप में एनटीआर की लोकप्रियता व्यापक थी। उन्होंने अपने असाधारण व्यक्तित्व और कड़ी मेहनत से भारतीय राजनीति में एक विशेष मुकाम हासिल किया। उन्होंने कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए, जिन्हें आज भी याद किया जाता है। मुर्मु ने एनटीआर पर स्मारक सिक्का लाने के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की सराहना की।

उन्होंने कहा कि उनका अद्वितीय व्यक्तित्व हमेशा लोगों विशेषकर तेलुगु भाषी लोगों के हृदय में अंकित रहेगा। इस मौके पर रामाराव के परिवार के सदस्य व आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू, भुवनेश्वरैया ननदमुरी बालाकृष्ण, विधायक वसुंदरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री दग्गुबती पुरानदेश्वरी, दग्गुबती वेंकटेश्वर राव मौजूद रहे।

सार संक्षेप

जगदीप धनखड़ ने दी ओणम की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को ओणम की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख और समृद्धि की कामना की है। ओणम की पूर्व संध्या पर उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रवादियों के नाम एक संदेश जारी किया। धनखड़ ने कहा कि ओणम एकता, फसल और सांस्कृतिक समृद्धि का उत्सव है, जो समुदायों को परंपराओं की डोर में बांधता है। उन्होंने कहा कि महान राजा महाबली की याद में मनाया जाने वाला यह त्योहार परोपकार, करुणा और बलिदान के शाश्वत मूल्यों की मार्मिक याद दिलाता है।

झारखंड में कांग्रेस नेता मुन्नम से ईडी ने की पूछताछ

रांची। झारखंड में कांग्रेस नेता संजय मुन्नम से प्रवर्तन निदेशालय के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ शुरू कर दी गई है। देवघर में चर्चित राय बंगला की जमीन खरीद मामले में भी ईडी ने कई लोगों को समन किया है। देवघर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय मुन्नम सहित कई अन्य लोगों को भी ईडी ने समन भेजा है। इस मामले में भाजपा नेता अभिषेक आनंद झा, अमरनाथ टेकरीवाल सहित अन्य लोगों से भी ईडी पूछताछ करेगी। उल्लेखनीय है कि बीते 23 अगस्त को ईडी ने मुन्नम, योगेंद्र तिवारी सहित कई अन्य लोगों के कुल 32 ठिकाने पर छापेमारी की थी।

पुंछ व राजौरी से पीटीआई के झंडे किए गए बरामद

जम्मू। इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के झंडे सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में बरामद किए गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुंछ जिले के भिम्बर गली सेक्टर में मिडिल स्कूल सरुला में गुब्बारों से बंधे झंडे देखे गए और पुलिस ने इन्हें अपने कब्जे में ले लिया। राजौरी जिले के लाम इलाके से पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज और पीटीआई के झंडे के साथ बहुरंगी गुब्बारे भी बरामद किए गए। यह पता लगाया जा रहा है कि क्या ये झंडे नियंत्रण रेखा के पार से हवा में छोड़े गए थे या पुंछ और राजौरी जिलों के भीतर कहीं से।

देश में कोरोना संक्रमण के 70 नए मामले दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में सोमवार को बीते 24 घंटों में 70 नए कोविड मामले दर्ज किए गए हैं, जिससे कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,49,97,033 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना महामारी से एक व्यक्ति की मौत हुई है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,929 हो गई। इसी अवधि में 47 लोग कोरोना से ठीक हो गए, जिससे कुल ठीक होने वालों की संख्या 4,44,63,580 हो गई।

शहीद के पिता को सौंपा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को राजभवन में शहीद नागरिक मोहम्मद उमर डार के पिता गुलाम मोहम्मद डार को सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, प्रशस्ति पत्र और एक चेक सौंपा। मोहम्मद उमर डार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। 26 मार्च, 2022 को, मोहम्मद उमर डार और उनके भाई इश्फाक अहमद डार, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस में एसपीओ के रूप में कार्यरत थे, को छत्ताबुध बडगाम में उनके घर के अंदर आतंकवादियों ने मार डाला। अधिकारी ने बयान में कहा कि उपराज्यपाल ने मोहम्मद उमर डार को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के सदस्यों की जान बचाने में उनके द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय साहस को सलाम किया। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, जीओसी 15 कोर और मोहम्मद उमर डार के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

- मनोज सिन्हा ने मोहम्मद उमर डार को की श्रद्धांजलि अर्पित

गंगा-जमुना तहजीब का प्रमाण तेलंगाना : केसीआर

हैदराबाद, 28 अगस्त (देशबन्धु)। बीआरएस पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव राव ने कहा कि तेलंगाना गंगा जमुना तहजीब का प्रमाण है। हैदराबाद में केसीआर की उपस्थिति में महाराष्ट्र बीजेपी के अल्पसंख्यक नेताओं ने बीआरएस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी अध्यक्ष केसीआर ने उन्हें गुलाबी स्कार्फ ओढ़ाकर पार्टी में शामिल किया। केसीआर ने साफ कर दिया कि बीआरएस से देश की राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन तय है। अल्पसंख्यक नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि देश में कट्टरवाद को खत्म करना और धर्मनिरपेक्षता की स्थापना करना केवल बीआरएस पार्टी के साथ ही संभव है। अल्पसंख्यक नेताओं ने कहा कि वे मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में बीआरएस सरकार को सत्ता में लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। इस अवसर पर अपने संबोधन में के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि

- महाराष्ट्र भाजपा के अल्पसंख्यक नेताओं ने की बीआरएस पार्टी की सदस्यता ग्रहण

बीआरएस से देश की राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन होना तय है : केसीआर

चुनाव आने पर लोगों को घबराना नहीं चाहिए। लोगों की आकांक्षाएं तभी पूरी होंगी जब वे एक ऐसी पार्टी और सरकार चुनेंगे जो लोगों के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि छह दशकों तक जीतने वाली पार्टियों ने जनता के लिए कुछ नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में प्रचुर प्राकृतिक संसाधन हैं, कई नदियां यहीं बहती हैं। गांवों और कस्बों में बाढ़ क्यों आती है, लोगों को इसका कारण पता लगाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि जिस भूमि पर फुले और अंबेडकर जैसे कई समाज सुधारकों और बुद्धिजीवियों ने जन्म लिया, वह पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रेरणा से देश में आमूल-चूल परिवर्तन के लक्ष्य के साथ लोगों को जुटने को कहा। मुख्यमंत्री केसीआर ने लोगों और युवाओं से इस तथ्य के बारे में सोचने का आह्वान किया कि कांग्रेस और भाजपा पार्टियों को सत्ता देने के बावजूद लोगों के जीवन में कोई बदलाव नहीं आया है। मुख्यमंत्री ने लोगों से इन पार्टियों के विकल्प के तौर पर अब की बार किसान सरकार के नारे के साथ आंदोलन कर रही बीआरएस पार्टी का समर्थन करने कहा। संघर्ष कामगार कर्मचारी यूनियन, ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन, अन्ना मथाडी ट्रांसपोर्ट कामगार यूनियन और अन्य संगठनों के अध्यक्ष संजय दिनकर पाटिल बीआरएस पार्टी में शामिल हुए। महाराष्ट्र के सोलापुर से वलयाला नागेश, बीड जिले से फूल चंद कराड, अंकोला से पूर्व विधायक मुलर और कोल्हापुर से महाराष्ट्र किसान सेल के अध्यक्ष संजय पाटिल के नेतृत्व में मुस्लिम अल्पसंख्यक नेता बीआरएस पार्टी में शामिल हुए। अल्पसंख्यक नेताओं में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सोलापुर शहर के अध्यक्ष मोहसिन शेख, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महाराष्ट्र राज्य के कार्यकारी संरक्षक जाकिर हुसैन डोका, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सोलापुर महिला शहर अध्यक्ष बिलकिस सैयद, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सोलापुर शहर सचिव करीम सैयद, हाजी अकील नलवार, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सोलापुर शामिल हैं।

भाजपा की रणनीति धर्म के नाम पर पैसा खर्च करने की

मुख्यमंत्री ने निष्कर्ष निकाला कि बीजेपी की रणनीति धर्म के नाम पर पैसा खर्च करने की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से इसे पहचानने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्तारूढ़ दलों ने प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध महाराष्ट्र को लूट लिया है और लोगों को जल्द ही जाग जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर तेलंगाना की योजनाएं लागू हुईं तो वहां की पार्टियां दिवालिया हो जाएंगी लेकिन जनता नहीं, लोगों के जीवन में दिवाली की रोशनी जगमग होगी।

बंगाल पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हुई

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दत्तपुकुर के आवासीय इलाके में फैक्ट्री चलाने के आरोपियों में से एक केरामत अली और फैक्ट्री के एक साझेदार समसुल अली ने बारासात मेडिकल अस्पताल में दम तोड़ दिया। रविवार के विस्फोट में कुल मिलाकर सात लोग हताहत हुए और सात लोग घायल हुए थे जिसमें से तीन महिलाएं थीं। यह विस्फोट सुबह करीब 10:30 बजे दत्तपुकुर थाना के अंतर्गत नीलगंज-मोशपोल के आवासीय इलाके में हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि विस्फोट से आग की लपटें नहीं उठीं, लेकिन पूरा इलाका घने काले धुएं से ढक गया।

- जलकुंभी से भरे तालाब में एक क्षत-विक्षत शव मिला

घटनास्थल का दौरा करेंगे शुभेंदु

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि वह घटनास्थल का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला है, क्योंकि यह 'सीरियल ब्लास्ट' की श्रृंखला को जोड़ता है जो पश्चिम बंगाल में आए दिन होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मई के महीने में एगरा, बज बज और दुबराजपुर में भी विस्फोट हुए थे। उन्होंने ट्वीट किया, एक जून को नादिया जिले के महेशनगर में ऐसा विस्फोट हुआ था। मैं स्थिति और विस्फोटों की बार-बार होने वाली घटनाओं के बारे में बहुत चिंतित हूं। इसलिए मैंने कुछ कदम उठाने का फैसला किया है।

आंध्र प्रदेश ने स्कूलों में मोबाइल फोन पर लगाया प्रतिबंध

अमरावती, 28 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य भर के स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर विद्यार्थियों के स्कूलों में मोबाइल फोन लाने पर रोक लगा दी है। विभाग ने कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। शिक्षकों को कक्षाओं में जाने से पहले अपने सेल फोन हेडमास्टर के पास जमा कराने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने कहा कि यह प्रतिबंध यह सुनिश्चित करने के लिए लगाया गया है कि शिक्षण में कोई व्यवधान न हो। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट के अनुसार की गई है। संयुक्त राष्ट्र निकाय ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया।

इसमें कहा गया है कि विश्व स्तर पर हर चार में से एक देश ने डेटा गोपनीयता, सुरक्षा और बच्चों की भलाई के लिए चिंता के कारण कानून या नीति के रूप में इस तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। यह देखते हुए कि शिक्षा में डिजिटल प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त मूल्य पर बहुत कम मजबूत सबूत हैं और बहुत सारे सबूत इसे बेचने की कोशिश करने वालों से आते हैं, यूनेस्को ने शैक्षिक सेटिंग्स में डिजिटल उत्पादों को अपनाने की अनियंत्रित जल्दबाजी के खिलाफ चेतावनी दी।

गृह लक्ष्मी योजना की शुरुआत करेगी कर्नाटक सरकार : सिद्धारमैया

मैसूर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार 30 अगस्त को गृह लक्ष्मी योजना की शुरुआत करेगी। इसकी घोषणा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के मेगा लॉन्च कार्यक्रम में शामिल होंगे। सरकार की योजना के तहत बीपीएल परिवारों की महिला प्रमुखों को 2,000 रुपए मासिक दिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि उनकी सरकार ने चुनाव के दौरान दी गई तीन गारंटी योजनाएं लागू की हैं। चौथी गृह लक्ष्मी योजना 30 अगस्त को मैसूरु शहर में लॉन्च की जाएगी। कार्यक्रम में मांड्या, मैसूरु, हासन, चामराजनगर और कूर्ग जिलों के लोग भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि लॉन्च कार्यक्रम में 1 लाख से अधिक लोग शामिल होंगे। इसमें सांसद राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी भाग लेंगे। खड़गे इस योजना का उद्घाटन करेंगे और मैं राहुल गांधी की उपस्थिति में समारोह की अध्यक्षता करूंगा। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यह देश का एक बड़ा प्रोजेक्ट है।

- कार्यक्रम में शामिल होंगे राहुल व खड़गे

एक साल के लिए सरकार 32,000 करोड़ और इस साल के लिए सरकार 18,000 करोड़ रुपये का खर्च कर रही है। इसके तहत 1.33 करोड़ परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि गारंटी योजनाओं के लागू होने से हर परिवार के हाथ में 4,000 रुपए से 5,000 रुपए आएंगे।

मुहिम *पुलवामा के पंपोर में कश्मीरी महिलाओं को सशक्त बनाने की मुहिम तेज*

कश्मीरी केसर को यूरोपीय देशों में लोकप्रिय बनाने में जुटीं महक

■ सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 28 अगस्त (देशबन्धु)। बढ़ती बेरोजगारी दर के बीच, दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के पंपोर इलाके में महक मीर और उसका परिवार जैसे लोग केसर की खेती और निर्यात करके कई बेरोजगार लड़कियों की मदद करने के लिए नौकरी प्रदाता के रूप में स्थापित हो रहे हैं।

यूके से एमबीए और प्रेजेंटेशन कान्वेंट स्कूल, श्रीनगर की पूर्व छात्रा महक बताती हैं

30 साल की उम्र में, वह अपने पारिवारिक व्यवसाय, हर्ब हेवन का और विस्तार करने और अपने स्थानीय उत्पाद को विश्व बाजार के विभिन्न हिस्सों में ले जाकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। महक के बकौल, यह हमारी चौथी पीढ़ी का पारिवारिक व्यवसाय है। हमारी कंपनी नवप्रवर्तन में बहुत सक्रिय है। हमने बाजार में केसर

- केसर पाउडर बेचने वाली एकमात्र कश्मीरी व्यवसायी हैं महक

युक्त शहद, केसर ड्राई फ्रूट, शहद और इंस्टेंट कहवा पेश किया है। इसके अलावा, उन्होंने केसर पाउडर भी पेश किया है और उसका निर्यात भी शुरू कर दिया है, जो अपनी तरह का पहला मामला है। चूंकि केसर को अन्य खाद्य पदार्थों के साथ मिलाना कठिन और समय लेने वाला काम है, इसलिए इसे आसान बनाने के लिए कंपनी ने केसर पाउडर को एक नए उत्पाद के रूप में पेश किया है।

वे बताती हैं कि हम केसर पाउडर बेचने वाले एकमात्र कश्मीरी व्यवसायी हैं। अपने दादा से प्रेरणा लेते हुए वह कहती हैं कि यह मेरे दादा अब्दुल रशीद मीर हैं जिन्हें कभी केसर किंग कहा जाता था जिन्होंने बाजार में अच्छे संपर्क विकसित किए और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले गए। यूके से एमबीए और प्रेजेंटेशन कॉन्वेंट स्कूल, श्रीनगर की पूर्व छात्रा महक बताती हैं कि उनके परिवार का मुख्य ध्यान इस व्यवसाय के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार प्रदान करना है। महक के अनुसार, हमारे कर्मचारियों में से 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। अभी के लिए, हमारे दो लक्ष्य हैं, पहला हमारे कश्मीरी केसर को यूरोपीय देशों में लोकप्रिय बनाना और दूसरा हमारी कंपनी में महिलाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना। वह आगे कहती हैं कि मैंने अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एमबीए को चुना ताकि ये दो लक्ष्य मेरे भाइयों के साथ पूरे हो सकें।

जिन्होंने पहले ही दुबई और कनाडा में हर्ब हेवन ब्रांड को लोकप्रिय बना दिया है। गौरतलब है कि एक दशक पहले कश्मीर में केसर की खेती करने वाले 22 हजार परिवार थे, लेकिन संख्या घटकर लगभग 16 हजार परिवार रह गई है। केसर सालाना लगभग 300 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न करता है। कृषि विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कश्मीर में केसर की खेती का रकबा 43.9 प्रतिशत घटकर 1996 में लगभग 5.707 हेक्टेयर से घटकर 3.200 हेक्टेयर रह गया है। कश्मीरी केसर के उत्पादन में पिछले दो दशकों में 65 फीसदी की गिरावट आई है, जो सालाना 16 मीट्रिक टन से 5.6 मीट्रिक टन हो गया है।

उल्टा पुल्टा

मरीज : डॉक्टर साहब ऑपरेशन पूरी सावधानी से करिएगा ?
डाक्टर : ऐसा क्यूं कहा ?
मरीज : क्यूकि सर्जन और विसर्जन में बस जरा सा ही अंतर है ?
ऑपरेशन सही हुआ तो आप सर्जन और अगर हाथ हिल गया तो मेरा विसर्जन...

दिल्ली के गांवों का 115 करोड़ की लागत से होगा कायाकल्प

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में सोमवार को दिल्ली के गांवों के विकास कार्यों को गति देने को लेकर दिल्ली सचिवालय में ग्राम विकास बोर्ड की मीटिंग हुई। इस दौरान दिल्ली के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 167 नई योजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत सड़कों, नालियों, जल निकायों, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में 115.52 करोड़ रुपए के लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। बोर्ड मीटिंग के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को ग्राम विकास की परियोजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए। दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड की बैठक में सदस्यों ने लंबित और नए प्रस्तावों का मामला उठाया। इसके बाद विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया था। इस बैठक में दिल्ली के गांवों के विकास के लिए 115.52 करोड़ रुपए की 167 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसके तहत दिल्ली के सभी गांवों में बेहतर सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा। साथ ही, बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को ग्राम विकास से जुड़ी परियोजनाओं के काम को समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए। विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

- गांवों से जुड़ी 167 नई परियोजनाओं को मिली मंजूरी
- तय समय सीमा के अंदर पूरा करें परियोजनाएं : गोपाल राय
- दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड की बैठक में विकास मंत्री ने दिए निर्देश

ग्राम विकास परियोजना के कार्य

- दिल्ली के गांवों में संपर्क सड़कों और ग्रामीण सड़कों का निर्माण
- तालाबों व जलाशयों का विकास
- गावों में सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान, व्यायाम शाला, लाइब्रेरी का विकास
- जल निकासी संरचनाओं का निर्माण
- चौपालों, बारात घर, सामुदायिक केंद्र आदि का निर्माण और मरम्मत का कार्य
- पेयजल सुविधा, स्ट्रीट लाइट आदि जैसे अन्य आवश्यकता आधारित कार्य

राजधानी को देश का सबसे सुंदर शहर बनाना हमारा लक्ष्य : शैली

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। मेयर डॉ.शैली ओबरॉय का महा-सफाई अभियान अब दिल्ली होगी साफ के तहत वार्डों के औचक निरीक्षण का सिलसला जारी है। मेयर विभिन्न वार्डों का दौरा कर ग्राउंड जीरो पर सफाई व्यवस्था का जायजा ले रही हैं। मेयर डॉ.शैली ओबरॉय ने मेगा सफाई अभियान अब दिल्ली साफ होगी के अंतर्गत करोलबाग जोन के देव नगर वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने देव नगर वार्ड की सड़कों और आंतरिक गलियों की सफ़ाई व्यवस्था का जायजा लिया। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सड़कों के किनारे वाहनों को हटवाकर सफाई की जाए। इसके अलावा अवैध मलबे उठाया जाए। निरीक्षण के दौरान मेयर ने ऑटो टिप्पर चालक से बातचीत की और ये सुनिश्चित किया कि क्षेत्र में सुचारु रूप से घर- घर जाकर कूड़ा उठाया जा रहा है। मेयर ने दुकानदारों से भी आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर साफ-सफाई बनाए रखे व सड़क पर कूड़ा न डालें। मेयर ने कहा की मार्केट एसोसिएशन व आरडब्ल्यूए भी सक्रिय रूप से अब दिल्ली साफ होगी अभियान में सहयोग करें।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुना

मेयर ने महिला सफाई कर्मचारियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने सफाई कर्मचारियों से कहा की कि वे उन्हें हर महीने की पहली तारीख को सैलरी मिलती रहेगी। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व दिल्ली नगर निगम सफाईकर्मियों के कल्याण के लिए सदैव प्रयासरत है।

हिन्दूराव अस्पताल में हड़ताल जल्द खत्म होगी : राजा इकबाल

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष व पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल में चल रही हड़ताल के संबंध में निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उप नेता विपक्ष जय भगवान व पार्षद सुनीत चौहान उपस्थित थे। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि निगम अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान हिंदू राव अस्पताल के सफाई कर्मचारियों की यूनियन मांगों पर सहमति बन गई है और जल्द ही हिंदू राव अस्पताल हड़ताल ख़त्म हो जाएगी।

इसके साथ ही निलंबित किए गए सफाई निरीक्षक व सफाई कर्मचारियों को जल्द बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की विफलता के कारण हिन्दू राव अस्पताल में इतने दिनों से हड़ताल जारी थी। आम आदमी पार्टी हड़ताल की स्थिति में कर्मचारियों को समझाने का प्रयास नहीं करती है जिसके कारण जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने निगम से 25 डीबीसी कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया है जिसकी वजह से डीबीसी कर्मचारियों में काफ़ी रोष है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान निगम के डीबीसी से कर्मचारियों ने कोरोना वॉरियर्स के रूप में आगे बढ़कर कार्य किया था। डीबीसी कर्मचारी दिल्ली में डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी कर्मचारी विरोधी पार्टी है एक तरफ इनके मुखिया अरविंद केजरीवाल अनुबंधित कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने का वादा करते हैं वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी निगम से धीरे धीरे सभी अनुबंधित कर्मचारियों को हटा रही है।

सार संक्षेप

दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा, प्रदेश मंत्री बांसुरी स्वाराज सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके हाथ पर राखी बांधी। बांसुरी स्वराज से रक्षा सूत्र बंधावाते हुए प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा अत्यन्त भावुक हो गए। इस मौके पर कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा मंत्री बांसुरी स्वराज, सोना कुमारी, सारिका जैन का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की प्रभारी लता गुप्ता एवं सह-प्रभारी श्याम बाला उपस्थित थी। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा की बहने सामाजिक समरसता और प्रेम सौहार्द को आगे बढ़ाने मे सदैव अग्रसर रही है और पहले की तरह अब भी समाज को जोड़ने के कार्य को आगे बढ़ाएंगी, इसका हमें पूरा भरोसा है। ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा 29 अगस्त से 31 अगस्त तक एक स्नेह यात्रा निकालेगी जिसके अंतर्गत बहने समाज के विभिन्न वर्गों जैसे रिक्शा चालक, टैक्सी चालक, ऑटो चालक, ई-रिक्शा चालक एवं डिलिवरी बॉय को राखी बान्धेगी। दिल्ली भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्षा योगिता सिंह एवं विशाखा सैलानी को सम्मानित किया।

अमेजन ने राखी के त्योहार के लिए दिए आकर्षक ऑफर

नई दिल्ली। अमेजन डॉट इन ने राखी के त्योहार के लिए आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। अमेजन के अनुसार यह समय अमेजन डॉट इन के खासतौर पर तैयार किए गए राखी स्टोर के साथ प्यार के रिश्ते का जश्न मनाने और भाई-बहन के पवित्र बंधन को और मजबूत करने का है, यह राखी स्टोर 20 से 30 अगस्त तक उपलब्ध रहेगा। हमारे कस्टमर टेक्नो, हर्षीस, लिंड्ट, फैबेले, फेरेरो, कैडबरी, बोट, फुजीफिल्म इंस्टेक्स जैसे मशहूर ब्रांडों के आकर्षक ऑफर और डील्स का फायदा उठा सकते हैं। अमेजन डॉट इन पर राखी स्टोर को काफी तैयारी के साथ कस्टमर्स की खास जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है जिसमें लाखों उत्पादों सुलभ कराके त्योहार के दौरान उनके खरीदारी के अनुभव को शानदार बनाने का प्रयास किया गया है ताकि वे अपने भाई-बहन के साथ इस त्योहार का आनंद ले सकें। कस्टमर्स हैम्पर्स व कॉम्बो, पारंपरिक और डिजाइनर राखी, गिफ्ट कार्ड, ब्यूटी प्रोडक्ट, ग्रोसरी और रोजाना की जरुरी चीजों, हैंडबैग, खुशबू, घड़ियां, परिधान, म्यूजीकल इंस्ट्रुमेंट, कैमरे, स्मार्ट फोन, फुटवीयर्स, खिलौनों व बोर्ड गेम्स इत्यादि में से अपनी पसंद का गिफ्ट चुन सकते हैं।

यूपीएससी सीएसई मेन्स में सफलता को आईएएस सोनल ने दिए टिप्स

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे कठिनतम परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के दूसरे चरण यानी मेन्स एग्जाम की तारीखें नजदीक आ चुकी हैं। 15 से लेकर 24 सितंबर 2023 तक यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऐसे में दिल्ली में त्रिपुरा भवन की रेजिडेंट कमिश्नर के पद पर कार्यरत 2008 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने एक इंस्टाग्राम लाइव के जरिए ऐस्पिरंट्स के साथ मेन्स एग्जाम में सफलता पाने के कुछ ऐसे मंत्र शेयर किए, जिसकी मदद से उन्होंने खुद इस कठिन परीक्षा को पास करने में सफलता पाई थी। बताते चलें कि आईएएस सोनल गोयल ने साल 2008 में ऑल इंडिया रैंक-13 लाकर मेरिट लिस्ट में जगह बनाई थी।

भारी उद्योग मंत्रालय पीएलआई-ऑटो योजना की समीक्षा पर करेगा सम्मेलन

योजना के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने पर दिया जाएगा विशेष ध्यान

■ डॉ.कला अय्यर

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। भारी उद्योग मंत्रालय मंगलवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में पीएलआई-ऑटो योजना की समीक्षा-आत्मनिर्भरता के माध्यम से उत्कृष्टता विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य हितधारकों जैसे पीएलआई-ऑटो आवेदक, पीएमए, जांच एजेंसियां आदि को इस योजना के प्रदर्शन की समीक्षा करने, जानकारी और अनुभव को साझा करने और सभी चिंताओं और चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे। इस दौरान योजना के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारी उद्योग मंत्रालय ने क्लीनर मोबिलिटी को बढ़ावा देने और नवाचार और प्रौद्योगिकी का एक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) विकसित करने के लिए विभिन्न पहल की हैं।

योजना पर 25,938 करोड़ का रखा गया परिव्यय

ऑटोमोटिव क्षेत्र में, मंत्रालय ने विभिन्न प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं, इनमें से एक ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) है इस योजना पर 25,938 करोड़ रुपए का परिव्यय रखा गया है। इन योजनाओं के व्यापक प्रभाव से ऑटोमोटिव उद्योग को बढावा मिलेगा और यह अनुमान व्यक्त किया गया है कि भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग 2030 तक विश्व में तीसरे स्थान पर होगा। भारी उद्योग मंत्रालय, ऑटोमोटिव उद्योग के पीएलआई-ऑटो आवेदकों को महत्वपूर्ण हितधारकों में प्रमुख मानता है। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण आत्मनिर्भरता के माध्यम से उत्कृष्टता को प्राप्त करने के लिए मंत्रालय, उद्योग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश में उन्नत ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (एएटी) उत्पादों को स्थानीय स्तर पर लाने और उन्हें विकसित करने का लक्ष्य ऑटोमोटिव उद्योग के समर्थन और विकास के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता के साथ-साथ अनुकूल वातावरण प्रदान करके इस महत्वपूर्ण उद्योग को सुदृढ़ करने की नैतिक जिम्मेदारी लेती है।

■ नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते सीवर और सेप्टिक टैंक में मारे गए लोगों के परिवारजन। फोटो इम्तियाज खान

यूकेजी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सामाजिक पहल शुरू की

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। एचआर और कार्यबल समाधान के एक प्रमुख प्रदाता यूकेजी ने भारत में एक प्रसिद्ध व्यावसायिक संस्थान लोक भारती के सहयोग से अपनी प्रभावशाली पहल, उड़ान सेंटर का अनावरण किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत के नोएडा में महिलाओं को सिलाई मशीन ऑपरेटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा प्रमाणन प्राप्त करने वाला यह पाठ्यक्रम इन महिलाओं को भारत के कपड़ा उद्योग में आजीवन करियर के लिए तैयार करता है। प्रतिदिन दो पालियों के साथ सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाला, उड़ान सेंटर प्रत्येक बैच में 50 छात्रों को सेवा प्रदान करता है, जो पूरी तरह से यूकेजी द्वारा वित्तपोषित शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। यूकेजी में भारत के मानव संसाधन निदेशक, नितिन वाधवा ने कर्मचारियों, सरकार और स्थानीय समुदायों के सहयोगात्मक प्रयास पर जोर दिया, जो महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए सशक्त बनाने में योगदान दे रहे हैं।

कुख्यात सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा ने कुख्यात सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पुनीत शर्मा उर्फ अनिल के रूप में हुई है। पुनीत शर्मा एक घोषित अपराधी है। पुनीत शर्मा हत्या और हथियार अधिनियम सहित नौ मामलों में शामिल है। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवीन्द्र सिंह यादव ने बताया कि विशेष सूचना मिली थी कि सद्दाम गौरी-सलमान त्यागी गिरोह का साथी सुभाष नगर का निवासी पुनीत शर्मा, जो राजौरी गार्डन के एक डकैती मामले में घोषित अपराधी है, वह गैंगस्टर सद्दाम गौरी और दीपू बूंदा से मिलने और उनकी अदालती सुनवाई की तारीख पर मदद करने के लिए तीस हजारी कोर्ट आएगा। रवीन्द्र सिंह यादव ने कहा, गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीस हजारी कोर्ट परिसर के पास जाल बिछाया गया और मेट्रो स्टेशन, कश्मीरी गेट से पुनीत को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। पूछताछ में पुनीत ने खुलासा किया कि वह सद्दाम गौरी और दीपक बूंदा से मिलने और संबंधित गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए तीस हजारी कोर्ट आया था।

जयंत ने की कांग्रेस की भरपूर पैरोकारी

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) प्रमुख जयंत चौधरी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की भूमिका को लेकर जोरदार पैरोकारी की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक बांड है और गठबंधन को आगे बढ़ाने में उसकी बड़ी भूमिका है। वहीं रालोद का एनडीए के साथ जाने की लगाई जा रही अटकलों को भी पूरी तरह से खारिज कर दिया। मुंबई में होने जा रही इंडिया की तीसरी महत्वपूर्ण बैठक से पहले जयंत ने कांग्रेस पार्टी को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन को आगे बढ़ाने में उसकी बड़ी भूमिका है। क्योंकि कांग्रेस एक पुरानी और बड़ी पहचान रखने वाली पार्टी है। देश में तमाम लोग लंबे समय से कांग्रेस के लिए वोट करते आ रहे हैं। इसलिए विपक्षी दलों के किसी भी गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि कई राज्यों में क्षेत्रीय दल प्रभावी हैं,शायद उन्हें अधिक जगह दी जानी चाहिए। ताकि भाजपा का बेहतर मुकाबला किया जा सके। हालांकि देश के कई राज्य ऐसे हैं,जहां क्षेत्रीय पार्टियों का कोई संगठन,जीतने की संभावना या उम्मीदवार नहीं है,वहां कांग्रेस ही सबसे बेहतर विकल्प है।

■ एनडीए में जाने की अटकलों को फिर किया खारिज

'इंडिया' गठबंधन को घमंडिया बताने को लेकर की मोदी की आलोचना

जयंत ने 26 दलों के विपक्षी गठबंधन इंडिया को घमंडिया कहने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहाकि अगर कोई भी नेता जिसके पास बहुमत है,वह अपने विपक्ष पर इस तरह हमला करता है तो यह उसके आत्मविश्वास की कमी को प्रकट करता है। लोकतंत्र में हमेशा ऐसे लोग होंगे जो आपका विरोध करते हैं, सवाल पूछते हैं, चुनाव लड़ते हैं,वे आपके कट्टर दुश्मन नहीं हैं कि आप उन्हें इस तरह का नाम दें।

सहपाठियों ने किया यौन उत्पीड़न

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली के उत्तर पश्चिमी जिले से दो लड़कों के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़ितों के साथ पढ़ने वाले पांच से छह छात्रों पर यह आरोप लगाया गया है। घटना के बारे में बताते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह घटना अप्रैल में स्कूल के समर कैंप के दौरान हुई थी।

संबंध-विच्छेद

मैं, मानक चंद, सुपुत्र स्व श्री मांगे राम, वीना पत्नी मानक चंद, निवासी आई सेकेण्ड, 7-8 मदनगीर,डा अम्बेडकर नगर नई दिल्ली 62, घोषणा करते हैं कि मेरा पुत्र नितिन कुमार ठाकुर, समाज के रीति रिवाजो के अनुरूप न चलने व गलत आचरण के कारण उसे हम अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से सदा के लिए बेदखल करते है। नितिन ठाकुर से कोई भी व्यवहार रखेगा वो स्वम जिम्मेदार होगा।

अडानी ने महंगी बिजली देकर की 38 सौ करोड़ की लूट : संजय सिंह

अडानी के एक और बड़े भ्रष्टाचार का किया खुलासा

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि अडानी ने गुजरात के लोगों को महंगी बिजली देकर 3800 करोड़ रुपए की लूट की है। फिर भी मोदी सरकार और ईडी-सीबीआई चुप हैं। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते मोदी ने लोगों को 2.25 रुपए प्रति यूनिट बिजली देने के लिए अडानी से 25 साल का एग्रीमेंट किया था, लेकिन आज उनको 8.20 रुपए प्रति यूनिट बिजली मिल रही है। क्योंकि अडानी अपने वादे से मुकर गए और 2018 में गुजरात सरकार से बिजली महंगी करने का दूसरा एग्रीमेंट कर लिया। इस एग्रीमेंट के अनुसार, आर्गस ग्लोबल कंपनी के बताए रेट पर अडानी को कोयला खरीदना था, लेकिन गुजरात सरकार ने कभी इसका सत्यपान नहीं किया और 2018-23 तक 3800 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि अब जब अडानी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, तब गुजरात सरकार ने 15 मई 2023 को अडानी को पत्र लिखकर पूछा कि कोयला कहां से खरीदा, उसका बिल दो। उन्होंने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि 25 साल के एग्रीमेंट को किसके दबाव में बदला गया और गुजरात सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कोयले का दाम पता क्यों नहीं किया।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर अडानी के एक और बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा गुजरात की जनता के साथ भ्रष्टाचार और लूट से जुड़ा है।

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 9 अक्टूबर को मनाया जाएगा वैदिक दिवस

नई दिल्ली,28 अगस्त (देशबन्धु)। सनातनी गंगा फाउंडेशन व आईडीपीटीएस रिसर्च विंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित प्रथम वैदिक दिवस का आयोजन नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आगामी 9 अक्टूबर 2023 को धूमधाम से मनाया जाएगा। यह एक ऐतिहासिक वैदिक दिवस होगा, जो पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के साथ साथ भारत की समृद्ध कला, संस्कृति और विरासत को बढावा देने का बेहतर अवसर होगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष कैप्टन प्रवीण कुमार ने कहा कि हे भरत के भारतवासी इस भारत भूमि की प्राण कहे जाने वाले वेदों को समर्पित वैदिक दिवस को हम सभी सनातनी विश्व के किसी भी स्थान में क्यों ना हों 9 अक्टूबर 2023 को प्रात: 10:00 बजे भारतीय समय अनुसार सभी मिलजुल कर हर्षोल्लास के साथ मनाएं। मेरा आप सभी से सविनय निवेदन है इस विशेष दिवस को ऐतिहासिक बनाने में हम सभी सनातनी एक दूसरे की मदद करें। अब वो समय आ गया है जब हम मानसिक बंधनों से अपने आप को मुक्त कर स्वतंत्र विचार जो की एक सनातनी विचार हो ऐसा करने की शपथ लें। आओ चले हम इस सनातनी वैदिक परिवार का हिस्सा बनते हुए इस बात की घोषणा करें कि अहं वैदिक अस्मि।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा करते हैं।

निविदा संख्या	E-File No. 206497		
कार्य का नाम और कार्य का स्थान	आरसीएनके, एसएनपी में सभी प्रकार के एलएचबी कोचों पर पेंटिंग की आपूर्ति और अनुप्रयोग के लिए कार्य।		
अनुमानित लागत	₹1,25,26,555.50 जीएसटी सहित		
बयाना राशि	₹2,12,600/-	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने		
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक 19.09.2023 खुलने का समय 11:00 बजे		
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।		

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।
पत्र सं.: E-File-206497 दिनांक: 28.08.2023 2672/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
आज़ादी का अमृत महोत्सव

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/नार्दर्न रेलवे, चौथी मंजिल, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110001 मे अधोविख्यात काम के लिए एक पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित करता है

कार्य और स्थान का नाम	फरीदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास और प्रमुख उन्नयन के विद्युतीकरण कार्य के लिए 25 केवी एसी सिंगल फेज ओएचई का डिजाइन आपूर्ति निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग और संशोधन।

कार्य की पूर्णता अवधि : 12 महीने लगभग काम की लागत : रु. 3,29,82,961.13 बयाना धन राशि (ऑनलाइन जमा करने के लिए) : रु. 314900.00 ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय : दिनांक 26.08.2023 को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in को 15.00 बजे निविदाएं अपलोड की जा सकती है। निविदादाता ई-निविदा मे भाग ले सकते है, यह निविदा 20.09.2023 को 11:30 बजे खोली जाएगी।

निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा www.ireps.gov.in 06.09.2023 से 20.09.2023 उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

सं0 332-Dy CEE/C/NDLS/2022-23R3 दिनांक 26.08.2023 2659/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

महायोजना में अवस्थापना सुविधाओ के लिए ट्रक टर्मिनल, बस टर्मिनल, सामुदायिक सुविधाओ एवं मनोरंजन के नए प्रस्ताव भी दिए गए। साथ ही गाजियाबाद, मेरठ आरआरटीएस के दृष्टिगत आर आरटीएस स्टेशन के आसपास इन्फ्लुएंस जोन बनाने डीजे जॉन का प्रस्ताव दिया गया जिसमें विश्व स्तर की योजनाएं शुरू हो सके विकसित की जा सके।

राजेश कुमार सिंह, जीडीए सचिव

जीडीए की बोर्ड बैठक में 17 प्रस्ताव मंजूर

■ **महायोजना 2031 के लिए आवासीय, व्यवसायिक उपयोग के लिए नए क्षेत्र प्रस्तावित**

गाजियाबाद, 28 अगस्त (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बोर्ड की बैठक सोमवार को मेरठ में मंडलायुक्त कार्यालय में संपन्न हुई। मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में प्रस्तुत 28 प्रस्तावों में से 17 को मंजूरी मिल गई। बैठक में महायोजना गाजियाबाद, लोनी मोदीनगर, मुरादनगर महायोजना का प्रारूप अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। महायोजना 2031 महायोजना के अंतर्गत शहर की आवासीय, व्यवसायिक उपयोग की आवश्यकता को देखते हुए नए क्षेत्र प्रस्तावित किए गए।

बैठक के बाद जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि महायोजना में अवस्थापना सुविधाओ के लिए ट्रक टर्मिनल, बस टर्मिनल, सामुदायिक सुविधाओ एवं मनोरंजन के नए प्रस्ताव भी दिए गए। साथ ही गाजियाबाद, मेरठ आरआरटीएस के दृष्टिगत आर आरटीएस स्टेशन के आसपास इन्फ्लुएंस जोन बनाने डीजे जॉन का प्रस्ताव दिया गया जिसमें विश्व स्तर की योजनाएं शुरू हो सके विकसित की जा सके। उसका अवलोकन बोर्ड द्वारा किया गया और सुझाव दिया गया कि डीएफ कंसल्टेंट द्वारा एनसीआरटीसी नई दिल्ली द्वारा दिए गए सुझाव के डीएफ कंसल्टेंट द्वारा समायोजन का आगामी बोर्ड में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि टीओडी जोनल डेवलपमेंट तैयार किए जाने के लिए एनसीईआरटी सी नई दिल्ली को एजेंसी के रूप में घोषित किए जाने का निर्णय लिया गया। महायोजना 2021 के रेगुलेशन के के अनुसार खसरा नंबर 318 गढ़ी कटिया लोनी गाजियाबाद में पेट्रोल पंप लगाने के लिए बोर्ड ने अनुमति दे दी।

सिंह ने बताया कि आदित्य वर्ल्ड सिटी टाउनशिप के सम्पूर्ति तलपट मानचित्र की भूखंड संख्या जीएच5 हाउसिंग भूखंड पलोटेड डेवलपमेंट करने की अनुमति प्रदान की गई। प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी के अलोक प्रिय भवनों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 2023-24 व भूखंडों को अलोक प्रिय न किये जाने के सम्बंध में शासन द्वारा दिये गए निर्देशों को लागू किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया गया। राजनगर एक्सटेंशन के मकरामतपुर सक रोड की सड़क के लिए भूमि क्रय करने के लिए प्राधिकरण स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्राधिकरण में भू अर्जन विभाग में दो लेखपाल वह दो अमीन प्रति नियुक्ति पर रखे जाने को भी अनुमोदित कर दिया गया।

बैठक में मंडल आयुक्त के अलावा जीडीए उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, डॉ. सचिव राजेश कुमार सिंह, एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के के टाउन प्लानर सतीश चंद्र गौड़, जीडीए ओएसडी गुंजा सिंह, सुशील चौबे बोर्ड सदस्य पवन गोयल व केशव त्यागी उपस्थित थे।

महापौर की अगुवाई में चला निगम का बुलडोजर

गाजियाबाद, 28 अगस्त (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम ने सोमवार को कैला भट्ठे पर पूर्व पार्षद के कब्जे से 50 करोड़ रुपए की जमीन को खाली करा कर कब्जा ले लिया। भारी पुलिस फोर्स की उपस्थिति में नगर निगम का बुलडोजर कई घंटे तक चला। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। खाली कराई गई जमीन 2.334 हेक्टेयर जमीन है। इसकी कुल माप लगभग दस बीघे है। खाली करायी गई जमीन पर बनी मस्जिद को नहीं छेड़ा गया। मौके पर ही नगर निगम के अधिकरियों ने मलबे को बोली के जरिए कबाड़ में बेच दिया। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि खाली करायी गई जमीन पर आम जनता के काम में आने वाला

■ **नगर निगम ने कैला भट्ठे पर पूर्व पार्षद के कब्जे से खाली कराई 50 करोड़ की जमीन, लिया कब्जा**

■ **खाली जमीन में गोदाम के साथ चल रहा था स्कूल**

सार्थक चीज बनायी जाएगी। संभवत: खाली करायी गई जमीन पर सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया जाय। इससे गरीब लोगों की शादी और अन्य पारिवारिक सामारोह आसानी से हो सकेगा। मौके पर मौजदू एसडीएम विनय सिंह का कहना है कि खाली जमीन पर नगर निगम का कब्जा मौके पर करा दिया गया।

इससे पहले महापौर सुनीता दयाल व नगर आयुक्त नितिन गौड़ ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर नगर निगम के पूर्व पार्षद हाजी खलील पर निगम की 23000 वर्ग मीटर लगभग दस बीघे जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप लगाए थे। उन्होंने अधिकारियों को अवैध कब्जा हटवाने और पूर्व पार्षद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। इस मामले में नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को पत्र लिखकर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस, पीएसी उपलब्ध कराने और कि ग्राम कैला के खसरा संख्या 213/3 और 213/4, कुल क्षेत्रफल 2.334 हेक्टेअर की नगर निगम की जमीन पर अतिक्रमण किया गया है। प्रशासन की ओर एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह मय फोर्स के साथ नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए थे। मेयर सुनीता दयाल इस कार्रवाई की अगुवाई कर रही थी। उनके साथ भाजपा पार्षद राजीव शर्मा उपस्थित थे।

धार्मिक स्थल छेड़ेंगे नहीं, बाकी कब्जा छोड़ेंगे नहीं

मौके पर पहुंची टीम को कब्जायी गई जमीन के बीचोबीच एक मस्जिद मिली। मस्जिद को तोड़ने के लिए मेयर सुनीता दयाल ने मना कर दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह जमीन पूर्व पार्षद हाजी खलील द्वारा कब्जायी गई थी। यह गैरकानूनी है। इस जमीन के बीच में एक मस्जिद है। उसे नहीं तोड़ा गया। महापौर ने कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती है। इसलिए वह धार्मिक स्थल छेडेंगी नहीं बाकी कब्जायी गई जमीन का एक इंच हिस्सा छोड़ेंगे नहीं। इसलिए मौके पर लोगों को नमाज पढ़ने दी गई बल्कि इस दौरान कुछ देर के लिए कार्रवाई भी रोक दी गई।

कब्जाई गई जमीन पर स्कूल के साथ बने थे टेंट हाउस के गोदाम

पूर्व पार्षद हाजी खलील द्वारा कब्जायी गई जमीन का उपयोग शातिर तरीके से किया जा रहा था। उसके लोगों की भावनाओं को जीतने के लिए बीच में मस्जिद का निर्माण कराया था। इसके अलावा बच्चों के लिए स्कूल भी बनाया गया था। इसकी आड़ में यहां पर बाकायदा एक टेंट हाउस का संचालन होता था। जबकि कई दुकानें बनाकर उनसे बाकायदा किराया वसूला जाता था। इसके अलावा कई गोदाम पूर्व पार्षद ने किराए पर भी दे रखी थी। एसडीएम विनय सिंह ने बताया कि यह कब्जा तीन दशक पुराना था।

आठ जेसीबी मशीनों में दो हो गई खराब

बड़ी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम ने पहले पांच जीसीबी मंगायी थी। लेकिन कार्रवाई बड़ी होने के कारण तीन महीने और भी मंगवानी पड़ी। बीच में दुकाने तोड़ते समय दो जसीबी मशीनों का पिछला हिस्सा यानि टेल टूट गया। इसके बाद तीन और जसीबी मशीने मंगवायी गई। इस दौरान आसपास की सड़के जाम हो गयी थी। मौके पर दो ट्रैफिक के सिपाही भी भीड़ नियंत्रण करने के लिए पहुंचे थे।

मौके पर नगर निगम अधिकारियों को मिली कबाड़ बेचने की जिम्मेदारी

मौके पर निकले मलबे को लेकर निगम को परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों की एक मत में राय थी कि अगर यहां मलबा छोड़ा गया तो रात में ही सारा मलबा गायब हो जाएगा। इसलिए मौके पर ही कबाड़ी बुलाकर मलबे को कबाड़ केक रूप में मन बनाया गया। सफाई की जिम्मेदारी के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सिंह को साफ सफाई की जिम्मेदारी दी गयी। इसके अलावा सहायक नगर आयुक्त अरूण यादव को सभी अधिकारियों के सामने ही मलबे को नीलाम करने के लिए कहा गया। इसमें सभी अधिकारियों ने सहयोग किया।

खाली कराई जमीन पर बनेगा सामुदायिक केंद्र : सुनीता दयाल

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि कैलाभट्ठा जैसी घनी आबादी वाले इलाके में एक साथ दस बीघे जमीन नहीं है। इसलिए यहां पर गरीबों के लिए सामुदायिक केंद्र यानि बारातघर का निर्माण किया जाएगा। इससे निम्न आय वर्ग के लोगों को शादी विवाह के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा यहां पर बाहर की तरफ दुकानें बनाने का सुझाव उन्होंने प्रथम दृष्टया दिया ताकि नगर निगम को भविष्य में नियमित आमदनी होती रहे।

सार संक्षेप

आरडब्ल्यूए को मान्यता देने के लिए प्राधिकरण के पास नीति नहीं

नोएडा। शहर में बनी किसी भी आरडब्ल्यूओ को मान्यता देने की नोएडा प्राधिकरण में कोई नीति नहीं है। प्राधिकरण के गठन के बाद से लेकर अभी तक इस संबंध में कोई नीति नहीं बनी। नोएडा प्राधिकरण द्वारा यह जवाब आरटीआई में पूछे गए एक सवाल में दिया गया है। गांव रोहिल्लापुर निवासी रंजन तोमर द्वारा आरटीआई के तहत प्राधिकरण से पूछा गया था कि आरडब्ल्यूओ को प्राधिकरण में किसी तरह की कोई मान्यता है या नहीं और प्राधिकरण में इसको लेकर क्या नीति है। इसके जवाब में प्राधिकरण ने कहा है कि आरडब्ल्यूओ किसी क्षेत्र विशेष के निवासियों द्वारा अपने सामूहिक हितों के लिए आपसी सहयोग से बनाया गया संगठन होता है। जो सोसाइटी और चिट फंड से मान्यता प्राप्त है और वहीं पर इनका पंजीकरण होता है। प्राधिकरण इसमें किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं करता और उन्हें मान्यता देने की कोई नीति प्राधिकरण में नहीं है। रंजन तोमर ने इस जवाब के प्राप्त होने के बाद कहा है कि सभी आरडब्ल्यूओ और उनके द्वारा बनायी गई संस्थाओं को अब अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांवों में ग्राम पंचायत समाप्त कर और शहर में म्युनिसिपल सिस्टम न लाकर यहां की जनता के अधिकारों का हनन सालों से जारी है।

ब्रह्माकुमारी संस्था ने पुलिस कर्मियों को बांधा रक्षा सूत्र

नोएडा। ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से सोमवार को सेक्टर-108 पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को राखी बांधी। इस मौके पर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने रक्षा बंधन त्यौहार के महत्व को बताते हुए कहा कि भारतवर्ष त्योहारों को देश है, रक्षाबंधन निराला प्यारा और अद्भुत है क्योंकि यह रक्षा के साथ बंधन भी है। अर्थात हमारी रक्षा के लिए एक बंधन।

पुलिस अधिकारी आन्तरिक सुरक्षा के सजग प्रहरी है। आन्तरिक व बाह्य रूप से मजबूत होकर धूप में, बरसात में और कड़ाके की ठंड में ड्यूटी करके रक्षाबंधन के पावन पर्व के महत्व को दर्शाते हुए समाज की माताओं और बहनों की रक्षा करते है। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को राखी बांध कर मिठाई खिलाई गयी। इस कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय बबलू कुमार, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय विशाल पाण्डेय, अपर पुलिस उपायुक्त क्राइम/स्टाफ ऑफिसर ह्रदेश कठेरिया, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना एवं सुरक्षा दिनेश कुमार एवं 20 ब्रह्माकुमारी (सुदेश दीदी, हेमा दीदी, रेनू दीदी व दीपक भैया) और लगभग 280 पुलिसकर्मी और लगभग 50 एथलेटिक खिलाड़ी मौजूद रहें।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में दो लाख यूनिट को नहीं मिली ओसी

परियोजनाओं में देरी

नोएडा ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर परियोजनाओं के अनुसार कुल 43,1064 यूनिट सेंक्शन है। इसमें 212752 यूनिट के लिए प्राधिकरण ने ओसी जारी की। यानी अब तक 218312 यूनिट को ओसी ही जारी नहीं की गई। जिनका निर्माण कब तक होगा इसकी जानकारी प्राधिकरण के पास नहीं है। मसलन ये सभी परियोजनाएं काफी लेट है।

नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। होम बासर्य को सहुलियत देने के लिए नोएडा और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण छह सूत्रीय कार्ययोजना पर काम करने जा रहा है। इसमें उन बिल्डर योजनाओं के आवंटन रद्द किया जाएगा जिनका निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो सका है। को-डेवलर्स के जरिए आंशिक परियोजना को पूरा करने की अनुमति देना। आंशिक परियोजनाओं को सरेंडर करने के विकल्प देना, गैर-अनुपालन वाली परियोजनाओं को रद्द करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, योजना में ज्यादा बकाया होने पर उसको पुनर्निर्धारित करना शामिल है। इसके बाद भी बिल्डर नहीं मानते तो रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

■ **4.31लाख यूनिट है सेंक्शन, बिल्डरों पर दोनों प्राधिकरण का 40 हजार करोड़ है बकाया**

इसके अलावा अमिताभ कांत की रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ प्रभाष कुमार ने बताया कि अमिताभ कांत की रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। आगामी बोर्ड बैठक में बिल्डर और बायर्स दोनों की सहुलियत के लिए कोई स्कीम लाई जाएगी। इसके बाद भी नोएडा और ग्रेटरनोएडा में करीब दो लाख यूनिट ऐसी है जिनको अब तक आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) नहीं मिला है। यानी इन यूनिट के लिए भी बायर्स ने बुकिंग एमाउंट या इससे कही ज्यादा पैसा बिल्डर को दे दिया है। बिल्डरों पर दोनों प्राधिकरण का कुल मिलाकर 40657.7 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। इसमें से 26579 करोड़ रुपए नोएडा प्राधिकरण और 14309 करोड़ रुपए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर बकाया है। अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि अगर कोई प्रोजेक्ट अभी तक शुरू नहीं हुआ है तो उसका आवंटन रद्द कर देना चाहिए। लीज डीड के अनुसार जमा राशि में कटौती करने के बाद, शेष धनराशि को एस्क्रो खाते में रखा जाना चाहिए, और आनुपातिक राशि प्रभावित घर खरीदारों को लौटा दी जानी चाहिए।

1.6 लाख यूनिट की हुई रजिस्ट्री

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अब तक कुल 161687 की रजिस्ट्री हो सकी है। इसमें नोएडा प्राधिकरण ने 65277 और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 96410 यूनिट की रजिस्ट्री की है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि नए रास्तों और आप्शल तरीको से रजिस्ट्री को बढ़ाया जाएगा।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में नोएडा के उद्यमियों को मिले प्राथमिकता

नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटरनोएडा के एक्सपो सेंटर में लगने वाले उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो एंव जिला उद्योग बंधु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एनईए प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि 21 से 25 सितम्बर-2023 तक लगने वाले ट्रेड शो के सभी स्लाट पहले ही बुक हो चुके है। इसलिए एनईए के सदस्य उद्यमियों के लिए अलग से 150 मीटर क्षेत्रफल का स्टाल उपलब्ध किया जाए। साथ ही ट्रेड में नोएडा के उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाए। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने की। इस मौके पर अवगत कराया गया कि औद्योगिक सेक्टरों में प्राय: एक दिन में कई बार ब्रेक डाउन हो रहे है। इस कारण उद्यमियों को आर्थिक नुकसान होता है। विद्युत संबधी

■ **एक्सपो सेंटर के 150 मीटर क्षेत्र में स्टॉल लगाने की दी जाए अनुमति**

तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाए। एक इकाई में तकनीकी खराबी होने की स्थिति में 5 से अधिक इकाईयों पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

जनरेटर के उपयोग में व्यवसायों द्वारा की गई पूजींगत लागत और पर्यावरण, प्रदूषण के साथ-साथ पीएनजी के लिए हर महीने भुगतान का अतिरिक्त बोझ शामिल है। व्यक्तिगत जनरेटर को बढावा देने के बजाय 24 घंटे बिजली की आपूर्ति पर जोर दिया जाना चाहिए। इकाईयों को बढ़ावा देने के लिए जैसे इकाईयों का ट्रासंफर, रजिस्ट्री आदि करवाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू कराया जाए। साईड-बी, यूपीएसआईडीसी, सूरजपुर वाली मुख्य सड़क विगत कई माह से टूटी हुई है लेकिन अभी तक सड़क की मरम्मत नहीं की गई।

उपरोक्त को सुनने के बाद जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र विद्युत संबधी तकनीकी खामियों को दूर किया जाए। ताकि उद्योगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सके। साथ ही जिलाधिकारी ने यूपीसीडा के अधिकारियों को फोन कर सड़क की शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिये। साथ ही अवगत कराया कि जब विद्युत की आपूर्ति बधित होती है उस समय डी.जी. सैट चलाने के लिए शासन स्तर पर वार्ता की गई है।

मानकों के विपरीत नाली का निर्माण करने से जमा हो रहा बदबूदार गंदा पानी

■ **नियमानुसार दो फीट चौड़ी नाली बनाई जानी चाहिए, लेकिन 30 सेंटीमी नाली बन रही**

नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण में नियमों के विपरीत सड़क किनारे नालियों का निर्माण किया गया है। इससे नालियों की सफाई नहीं हो पा रही है, जिससे शहर में काला व गंदा बदबूदार पानी नालियों में जमा रहता है। इस मामले पर नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम भी सवाल उठा चुके है। निर्देश दिया है कि नाले व नाली में गंदा बदबूदार काला पानी जमा नहीं रहना चाहिए। यदि यह हरकत मिलती है तो संबंधित विभागाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके बावजूद अभी नालियों को दुरुस्त करने काम शुरू नहीं किया गया। नालियों की चौड़ाई कम होने की वजह से जेसीबी के जरिये सफाई नहीं कराई जा पा रही है। जहां सफाई का प्रयास होता है। नालियां क्षतिग्रस्त हो रही है। यही वजह थी यमुना में बाढ़ आने से नोएडा के सेक्टरों की नालियों में पानी जमा हो गया। बैक फ्लो से पानी सेक्टरों में भर गया। जिससे पंप की मदद से बाहर निकालने का प्रयास किया। नोएडा में सेक्टर-105 और 108 बनी नालियों की गहराई मानकों से कहीं ज्यादा है। इससे यहां पानी जमा रहता है। कलवर्ट की सफाई नहीं हो रही है। नालियों का नानर कलवर्ट के रास्ते नहीं जाता। इसलिए पानी इसमें जमा रहता है। अगर इन नालियों की जांच कराई जाए यहां बड़े पैमाने पर बंदरबाट सामने आ सकता है। यहीं नहीं अधिकांश नालों में पानी बिना ट्रीट किए गए बहाया जा रहा है। जिससे यहां का पानी गंदा और काला दिख रहा है। अब तक पूरी तरह से शहर को जीरो डिस्चार्ज नहीं किया जा सका है। इस मामले में एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि नोएडा का मुख्य सिंचाई नाला दिल्ली से आता है। दिल्ली में बिना ट्रीट किए पानी नाले में डाला जा रहा है। जिससे काफी गंदगी रहती है।

जनसंवाद में उठे थे प्रश्न

नोएडा में सीवरेज को लेकर जनसंवाद में प्रश्न उठे थे। हाल ही में सीईओ ने सेक्टर-1 से 11 तक के उद्यमियों ने सीईओ के समक्ष सिवरेज समस्या को प्रमुखता से रखा था। इस दौरान सीईओ ने सभी सीवरेज को साफ करने के आदेश दिए थे। लेकिन अब तक सिर्फ एक ये दो मेन हॉल को ही साफ किया गया।

ट्विन टावर निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई नहीं

नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। 28 अगस्त 2022 दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर काउंटडाउन शुरू होते ही सेक्टर-93ए स्थित एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी में भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े किए गए ट्विन टावर को ध्वस्त कर दिया गया। आज इस बात को एक साल हो गए। अभी तक उनके निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हो सकी है। इस प्रकरण में शासन की ओर से गठित एसआईटी की जांच के बाद 26 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में लंबी लड़ाई लड़ने वाले और सोसाइटी की एओए के अध्यक्ष यूबीएस तेवतिया ने कहा कि आरोपी अफसरों के खिलाफ सबसे पहले कार्रवाई होनी चाहिए थी, आज एक साल बीत गया, लेकिन अभी तक कार्रवाई न होना दुखद है। जल्द जांच पूरी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां ट्विन टावर थे वहां लोगों ने विजय पथ बनाया है। विजय पथ दर्शाता है कि कैसे सोसाइटी के लोगों ने एकजुट होकर लंबे संघर्ष के बाद जीत हासिल की थी।

एसआईटी का इन 15 प्वाइंट पर ये था आब्जेक्शन

टावर-16 और टावर -17 के निर्माण के लिए 26 नवम्बर को स्वीकृति दी गई। लेकिन निर्माण पांच माह पहले जुलाई 2009 में शुरू हो चुका था।

निर्माण शुरू होने के बाद सितंबर 2009 के बाद आईआईटी रुड़की ने स्ट्रक्चरल सेफ्टी प्रमाण पत्र जारी किया। एसआईटी ने आबेजेक्शन लगाया कि यहां प्राधिकरण को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करनी चाहिए लेकिन उसने नहीं की। सुपरटेक ने ट्विन टावर में डबलबेसमेंट का निर्माण शुरु किया। जबकि 2009 में टावर-16 ग्राउंड 11 फ्लोर एंव शापिंग ब्लाक सिंगल बेसमेंट के साथ अनुमति थी। आईआईटी रूढ़की के प्रोफेसर ने एक रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि 22 सितम्बर 2009 टावर-16 और टावर-17 की फाउंडेशन तलों के स्ट्रक्चरी सेफ है।

चार को किया जा चुका है निलंबित

इस मामले में नोएडा प्राधिकरण से गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के प्लानिंग मैनेजर मुकेश गोयल, नोएडा प्राधिकरण की प्लानिंग असिस्टेंट विमला सिंह, यूपीएसआईडीसी में तैनात प्लानिंग असिस्टेंट अनीता व यमुना प्राधिकरण के प्रभारी जीएम प्लानिंग ऋतुराज हैं। इन चारों को शासन स्तर से निलंबित किया जा चुका है।

रिपोर्ट जिसके आधार पर विजिलेंस लखनऊ में दर्ज हुई एफआईआर

एसआईटी की रिपोर्ट में सुपरटेक की ओर से नियमों का उल्लंघन किया गया। प्राधिकरण अधिकारियों ने बिल्डर को लाभ पहुंचाया। इसके लिए प्राधिकरण अधिकारियों को आर्थिक लाभ भी मिला। 7 सितम्बर 2021 को एसआईटी की टीम ने नोएडा प्राधिकरण में नोएडा की सीईओ, एसीईओ और नियोजन विभाग के साथ बैठक की। इस बैठक में सुपरटेक ट्विन टावर के पत्रावली प्रस्तुत की गई। 8 सितम्बर को नोएडा प्राधिकरण में एनबीसीसी के साथ बैठक की गई और अगले दिन ट्विन टावर का भ्रमण किया गया। एसआईटी की टीम ने प्राधिकरण को 9, 10, 12 और 15 सितम्बर तक सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

टावर-16 (G+40) और टावर-17 (G+39) प्राधिकरण में विचाराधीन है। टावर-1 और टावर-17 के बीच की दूरी 36.5 होनी चाहिए यहां दूरी 9 मीटर थी और नक्शा पास कर दिया गया। टावर-1 के सामने ग्रीन एरिया पास था लेकिन यहां ट्विन टावर पास किया गया।

यूपी रेरा ने आवंटी को भुगतान के बाद वापस कराए 13.90 लाख

■ **जून 2020 में गौर सिटी मॉल में बुक कराई थी व्यवसायिक इकाई**

■ **2021 में की थी शिकायत**

नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। उप्र रेरा कंसिलिएशन फोरम की मध्यस्थता से प्रोमोटर 'मेसर्स गौर हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि.' की गौतम बुद्ध नगर स्थित गौर सिटी मॉल' परियोजना के एक आवंटी को इकाई के लिए किया गया भुगतान वापस कराया गया। कंसिलिएशन फोरम के समक्ष आवंटी की मांग थी कि इकाई का कब्जा की जगह निवेशित धनराशि की वापसी कराई जाए। इसके अनुसार प्रमोटर ने आवंटी को लगभग रुपए 13 लाख 90 हजार की धनराशि वापस कर दिए और विवाद का शांतिपूर्ण समाधान करा लिया गया। 'एग्रीमेंट फॉर सेल' के अनुसार आवंटी दिनेश मोहन शर्मा ने प्रमोटर की परियोजना में जून 2020 में एक व्यावसायिक इकाई बुक की थी। लगभग 17 लाख 41 हजार की लागत वाले इकाई के लिए आवंटी ने पूर्ण राशि का भुगतान कर दिया था। आवंटी ने इकाई का कब्जा लेने के पूर्व प्रमोटर से सेंट्रलाइज्ड एसी लगाने की मांग की थी और इसके लिए वर्ष 2021 में उ.प्र. रेरा में शिकायत (NCR145/12/86927/2021) दर्ज की थी। प्रोमोटर के अनुसार लगभग सभी आवंटियों ने व्यक्तिगत एसी स्वयं से लगाने की जिम्मेदारी ली थी और इस कारण किसी भी आवंटी से एसी की लागत नहीं वसूली गई। इकाई में एसी हेतु जगह उपलब्ध कराया गया है। पीठ की सुनवाई में विवाद दोनों पक्षों की सहमति से कंसिलिएशन फोरम में आपसी सहमति हस्तांतरित किया गया था। लेकिन कंसिलिएशन फोरम में आवंटी ने इकाई का कब्जा लेने के बदले निवेशित धनराशि वापस दिलाने की मांग की। कंसिलिएशन फोरम ने दोनों पक्षों की सुनवाई एवं प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार प्रमोटर को आवंटी की मांग के अनुसार धनराशि वापस करने की सलाह दी।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

प्राधिकरण के औद्योगिक क्षेत्र के अंदर कन्वेन्शन सेंटर, एग्जिबिशन सेंटर व डेडिकेटेड कार्गो की स्थापना की जाएगी। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एअरपोर्ट में डेडिकेटेड कार्गो विकसित किया जाएगा। वर्तमान में कार्गो के अंदर सबसे अधिक हिस्सेदारी करीब 37 प्रतिशत वस्त्र उद्योग की है।

डॉ. अरुण वीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में अपैरल पार्क का किया गया भूमि पूजन

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण क्षेत्र में सेक्टर-29 में बन रहे अपैरल पार्क में सोमवार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुण वीर सिंह ने फैक्ट्री भूखंडों का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में नोएडा अपैरल कलस्टर के अध्यक्ष ललित ठकराल सहित बड़ी संख्या में औद्योगिक भूखंडों के आवंटी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि प्राधिकरण सेक्टर-29 में अपैरल पार्क कलस्टर की स्थापना की गई है, जिसका कुल क्षेत्रफल 175 एकड़ है। इसमें कुल 89 भूखंड हैं, जिनमें से 81 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं तथा 64 भूखंडों का लीज प्लॉन तथा चैक लिस्ट इश्यू की जा चुकी है। इनमें से 39 भूखंडों पर सोमवार को भौतिक कब्जा पत्र आवंटियों को वितरित किए गए। कार्यक्रम में एनएईसी के अध्यक्ष ललित ठकराल ने प्राधिकरण का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अभी भी 70 से अधिक औद्योगिक इकाइयों द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में टेक्स्टाइल क्लस्टर के भूखंडों की मांग की जा रही है। यमुना प्राधिकरण में स्थापित इस अपैरल पार्क क्लस्टर के कारण ही गौतम बुद्ध नगर को सिटी ऑफअपैरल के नाम से भी जाना जाता है। ये यमुना प्राधिकरण द्वारा स्थापित पहला औद्योगिक कलस्टर है। यमुना प्राधिकरण प्रदेश में कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों को

- 175 एकड़ में अपैरल पार्क क्लस्टर की हुई है स्थापना
- 39 भूखंडों पर आवंटियों को वितरित किया गया भौतिक कब्जा पत्र

विकसित करने की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अरुण वीर सिंह ने ललित ठकराल व उनकी टीम को अपैरल क्लस्टर की स्थापना के लिए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को चुनने के लिए धन्यवाद दिया गया। सिंह ने बताया कि प्राधिकरण के औद्योगिक क्षेत्र के अंदर कन्वेन्शन सेंटर, एग्जिबिशन सेंटर व डेडिकेटेड कार्गो की स्थापना की जाएगी। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एअरपोर्ट में डेडिकेटेड कार्गो विकसित किया जाएगा। वर्तमान में कार्गो के अंदर सबसे अधिक हिस्सेदारी करीब 37 प्रतिशत वस्त्र उद्योग की है।

जेवर में बनने वाला कार्गो दिल्ली से भी सस्ता पड़ेगा क्योंकि यहां पर फ्यूल पर केवल 1 प्रतिशत का वैट सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अवगत कराया कि प्राधिकरण के इस अपैरल पार्क को बल्लभगढ़ के पास से दिल्ली नोएडा एक्सप्रेस वे से जोड़े जाने पर एनएचएआई द्वारा कार्य शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र में रैपिड रेल एनसीआरटीसी की स्टडी भी प्रारंभ करा दी गई है। इस क्षेत्र में देश का पहला और विश्व का छठां पॉड टैक्सी सिस्टम बनाया जाएगा, जिसके लिए प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय निविदा भी जारी की जा चुकी है।

स्थानीय युवाओं को करें रोजगार मुहैया, स्किल डेवलपमेंट करें की स्थापना

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी उद्योगपतियों से निवेदन किया कि अपने उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करें तथा रोजगार प्रदान करने के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना करें। यदि इसके लिए भूमि की आवश्यकता पड़ती है तो प्राधिकरण नि:शुल्क जमीन उपलब्ध कराने को तैयार है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी उद्योगपतियों द्वारा प्राधिकरण द्वारा दिए जा रहे हैं सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में बिमटेक के हरिवंश चतुर्वेदी विशेष अतिथि के रूप में सम्मलित हुए। कार्यक्रम में प्राधिकरण के सभी वरीष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण पर धरना दे रहे किसानों ने प्राधिकरण बंद करने की दी चेतावनी

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित क्षेत्र के किसान अपनी मांगों को लेकर पिछले सौ से अधिक दिनों से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर धरनारत हैं। नेताओं और अधिकारियों के आश्वासन के बाद भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। इंतजार कर थक चुके किसानों ने प्राधिकरण को बंद करने की चेतावनी दी है। सोमवार को अनिश्चितकालीन धरने का 104वां दिन था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्राधिकरण अधिकारियों के प्रति किसानों में रोष है। ऐसे में किसान एक बार भी फिर बड़े स्तर पर आंदोलन कर सकते हैं।

- पिछले 104 दिन से धरना दे रहे किसानों का जनप्रतिनिधि के प्रति है रोष

किसान सभा के प्रवक्ता डॉ. रूपेश वर्मा ने कहा कि किसानों ने काफी इंतजार कर लिया है। राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर ने किसानों और प्राधिकरण के बीच मध्यस्थता की थी, लेकिन उनके द्वारा किसानों के मुद्दों को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिख रही है। प्राधिकरण के अधिकारी राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर व जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के साथ चार प्रमुख मुद्दों 10 फीसद प्लॉट, भूमिहीनों को 40 वर्गमी का प्लॉट, रोजगार और भूमि अधिग्रहण के नए कानून को लागू करने आदि को लेकर बातचीत करने को कह रहे हैं, लेकिन पिछले 10 दिन से दोनों नेताओं द्वारा इस संबंध में बातचीत का समय नहीं दिया है, इससे साफ जाहिर होता है कि उनकी प्राथमिकता में किसानों के मुद्दे नहीं हैं। किसान सभा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भाटी का कहना है कि प्राधिकरण अधिकारियों और नेताओं की बेरुखी को देखते हुए किसान सभा जल्द ही कोई तारीख तय कर प्राधिकरण को बंद करने का काम करेगी। किसान नेताओं का कहना है कि प्राधिकरण ने किसानों के साथ जो वादा और समझौता किया है, उसे पूरा करें अन्यथा किसान प्राधिकरण को चलने नहीं देंगे। इस मौके पर महेश प्रजापति, कृष्ण प्रसाद, वीर सिंह नागर, हरेंद्र खारी, सुरेंद्र यादव, अजब सिंह, संदीप भाटी, निशांत रावल, अजयपाल भाटी, राजेश प्रधान, दिगंबर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

यमुना प्राधिकरण आज निकालेगी दुकान, क्योस्क व पेट्रोल पंप भूखंड योजना

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे दुकान, क्योस्क और पेट्रोल पंप का भूखंड लेने के लिए मौका है। यमुना प्राधिकरण मंगलवार को इसकी योजना निकालेगा। यमुना प्राधिकरण पेट्रोल पंप, क्योस्क फुटप्रिंट का प्लाट और दुकानों की योजना निकलेगा। इसकी तैयारी पूरी हो गई है। मंगलवार को योजना लॉन्च कर दी जाएगी। इस योजना में सेक्टर-22 डी में 24 दुकानें हैं। योजना में तीन क्योस्क शामिल किए गए हैं। ये क्योस्क सेक्टर-22 ए और सेक्टर-20 में हैं। इसके अलावा सेक्टर-22 ए में 7 फुटप्रिंट दुकानों के प्लॉट है। यमुना प्राधिकरण ने पेट्रोल पंप के लिए भूखंड निकालेगा। इस योजना में चार भूखंड पेट्रोल पंप के हैं।

जेवर एयरपोर्ट के बराबर यमुना प्राधिकरण मुआवजा देने की कर रहा है तैयारी

यमुना प्राधिकरण अब फेज-1 के सभी किसानों को जेवर एयरपोर्ट के बराबर मुआवजा देगा। उन्हें अब 3100 रुपए प्रति वर्ग मीटर मुआवजा देने की तैयारी है। मंगलवार को मुआवजा तय करने के लिए कमेटी की बैठक होगी। बैठक यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर की अध्यक्षता में होगी। इसमें एडीएम वित्त व एलए, प्राधिकरण के ओएसडी लैंड, एआईजी स्टांप, संबंधित सब रजिस्ट्रार शामिल होंगे। मंगलवार को होने वाली बैठक में फेज-1 के सभी किसानों को 3100 प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा देने का फैसला लिया जाएगा। कमेटी की मुहर के बाद इसे यमुना प्राधिकरण की नौ सितम्बर को होने वाली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। बोर्ड से मुहर लगते ही किसानों को यह लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

फिल्म सिटी के विकास के लिए किए जाएंगे रोड़ शो

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी के विकास के लिए बड़ी कंपनियों को लाने के लिए चार शहरों में रोड शो किए जाएंगे। प्राधिकरण के अधिकारी हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में रोड शो करेंगे। वहां पर फिल्म से जुड़ी कंपनियों को इसकी विशेषताओं के बारे में अवगत कराया जाएगा। यमुना प्राधिकरण पहले चरण में 230 एकड़ में फिल्म सिटी विकसित करेगा। सचिव स्तरीय समिति में 230 एकड़ के लिए बिड डॉक्यूमेंट और कंसेशन एग्रीमेंट में अपनी मुहर लगा दी है। आगामी कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। कैबिनेट की मुहर के बाद यमुना प्राधिकरण ग्लोबल टेंडर निकालेगा। फिल्म सिटी का प्रचार प्रसार करने के लिए यमुना प्राधिकरण के अधिकारी चार शहरों में रोड शो करेंगे। मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में रोड शो किए जाएंगे। यह रोड शो सितम्बर महीने में होंगे। परियोजना को लेकर विदेश में भी प्रचार प्रसार किया जाएगा। इसके लिए विज्ञापन प्रसारित किए जाएंगे। यमुना प्राधिकरण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, यूएई में विज्ञापन निकलेगा ताकि विदेशी कंपनियां भी इसमें आ सकें।

वंचित स्कूली छात्रों को मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का तोहफा

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। एचसीएलटेक के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) एजेंडा को भारत में अमली जामा पहनाने वाले एचसीएल फाउंडेशन ने जिले के इटेहरा गांव स्थित गवर्नमेंट अपर प्रायमरी स्कूल में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। एचसीएल फाउंडेशन ने जिले के सरकारी स्कूलों और शहरी स्लम समुदायों से आने वाले छात्र-छात्राओं हेतु एक समर्पित स्थल तैयार करने के लिए इस मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नवीनीकरण किया है।

वंचित छात्रों को पेशेवर कोचिंग देना और उन्हें खेलकूद के न्यायोचित अवसर प्रदान करना इसका उद्देश्य है। खेल परिसर को दो क्रिकेट नेट, एक बास्केटबॉल कोर्ट, एक वॉलीबॉल कोर्ट, एक फुटबॉल मैदान और लंबी कूद वाली

दो पिट से लैस किया गया है। यहां एक उपकरण भंडार कक्ष, लड़कों और लड़कियों के लिए शौचालय तथा दर्शक स्टैंड भी मौजूद हैं। एचसीएल फाउंडेशन की ग्लोबल सीएसआर उपाध्यक्ष डॉ. निधि पुंढीर ने बताया कि

- एचसीएल फाउंडेशन ने इटेहरा उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुरू किया स्पोर्ट्स काम्पलेक्स

आधुनिक बुनियादी ढांचे के दम पर इस खेल परिसर का पुनर्विकास करने में दिया गया हमारा योगदान, खेल प्रतिभाओं को निखारने तथा टीम वर्क, दृढ़ संकल्प व सामुदायिक एकीकरण से जुड़े मूल्य और अधिक विकसित करने की दिशा में एचसीएल फाउंडेशन की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस प्रयास के माध्यम से, हम अपनी इस धारणा की तसदीक करते हैं कि खेलों के अंदर व्यक्तियों को गढ़ने और पीढ़ियों तक टिके रहने वाले जीवंत समाजों को प्रेरित करने की क्षमता होती है।

मिलावटखोरों पर कार्रवाई करने के लिए सामाजिक संगठन ने की मांग

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। त्योहारों पर मिठाई की बिक्री बढ़ जाती है ऐसे में मिलावटखोर भी सक्रिय हो जाते हैं, जिसके संबंध में सोमवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी भैरपाल सिंह को ज्ञापन सौंपकर नामी प्रतिष्ठानों सहित सभी दुकानों की जांच कर कार्रवाई की मांग की। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक सदस्य आलोक नागर व प्रदेश महासचिव मा.दिनेश नागर ने बताया कि रक्षाबंधन व आगामी त्यौहारो पर शहर के कई नामी प्रतिष्ठानों सहित मॉलों में भी बड़े प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान दबा के घटिया किस्म की मिठाई बेच रहे हैं। बाजार में बड़े स्तर पर नकली दूध खोया घी पनीर आदि दूध से संबंधित खाद्य पदार्थ नकली एवं पाउडर से बनाकर बेचे जा रहे हैं। जिनका उपयोग त्यौहार

के समय विभिन्न प्रकार की मिठाइयों में प्रयोग किया जा रहा है। आलोक नागर ने बताया कि पाउडर एवं सिंथेटिक दूध से बनी मिठाइयां लोगों के शरीर में स्लो प्वाइजन का कार्य कर रही हैं आए दिन नकली एवं घटिया किस्म के घी दूध पनीर एवं खोया से बनी मिठाइयां खाने से लोगों की जान पर आफत बन आती है। फूड प्वाइजनिंग हो जाता है। इस दौरान बलराज हूंण, दिनेश नागर, रोहतास नागर, अनिल भाटी, यतेंद्र नागर, जगदीश सूबेदार, मनोज, सुबोध नागर , राकेश, मोहित आदि लोग मौजूद रहे।

गौचर भूमि पर अवैध कब्जा वन निर्माण रोकने के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। गौ रक्षा हिन्दू दल के संस्थापक अध्यक्ष वेद नागर के नेतृत्व में 20 लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दादरी उपजिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर गौचर भूमी पर अवैध निर्माण को तत्काल रोकने व रोड़ों पर भूखी प्यासी पिन्नी खाकर जिन्दगी और मौत से जूझ रही सभी गायों को गौ शाला पहुंचाने की मांग की वेद नागर ने चिपियाना गांव की गौचर भूमी पर हो रहे अवैध निर्माण के बारे में अवगत करते हुए बताया जिला गौतम बुद्ध नगर में लगभग बीस हजार गाय रोड़ों पर भूखी प्यासी पिन्नी खाकर रोड़ों पर दुर्घटना की शिकार होकर जिन्दगी मौत से जूझ रही है जिसके चलते रोजाना सड़कों पर दुर्घटना की, कसाईयो की कंटीले तारो

की व किसानों के अत्याचार से दर्जनों गाय रोजाना परलोक सिधार जाती है जिसके चलते समाज में गौ माता के प्रति ही नहीं सनातन धर्म की संस्कृति के प्रति भी नफरत बढ़ती जा रही है। गायों की इससे ज्यादा दुर्दशा अब बर्दाश्त नहीं की जा सकती है इसके लिये हम आन्दोलन को बेबस हो गए हैं, जिसकी तत्काल रुप रेखा तैयार की जा रही है। साथ में अशोक भाटी, बंटी गूर्जर, लखन गूर्जर, भूरा कुमार, उमेश कुमार, धर्म गूर्जर, परवीन कुमार, विकास आकाश नागर आदि लोग मौजूद रहे।

खराब सड़कों को जल्द दुरुस्त कराए प्राधिकरण : अर्चना

रबूपुरा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। क्षेत्र से गुजरने वाली सड़क बेहद खराब हैं। जिस पर जलभराव व गड्ढ़ों के कारण आये दिन दुर्घटना होती हैं। भाकियू अंबावता महिला प्रकोष्ठ की मंडल अध्यक्ष व समाजसेवी एड0 अर्चना सिंह का कहना है कि समस्या से कई बार यमुना प्राधिकरण अधिकारियों को सूचित किया गया कि रोड बहुत ज्यादा खराब है इसे जल्द ठीक करवाया जाए नहीं तो दुर्घटना होने की पूरी संभावना है। यहां से प्रतिदिन हजारों लोगो की जनसंख्या का आना-जाना लगा रहता है जिसमें गांव रुस्तमपुर, रबुपुरा, जहांगीरपुर झाझर, मिर्जापुर, नगला के लोग प्रतिदिन आते जाते हैं और इसीलिए मौके पर प्राधिकरण के ठेकेदार के द्वारा इंस्पेक्शन उपरांत यमुना अथॉरिटी के अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया कि जल्द ही ठीक करवा दिया जाएगा परंतु दो-तीन महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अक्सर सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण बाइक सवार व्यक्ति गिरते रहते हैं और चोटिल होते रहते हे और चार पहिया गाड़ी में नुकसान होता रहता है जिससे जनसाधारण को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है अगर जल्द से जल्द 60 मीटर रोड ठीक नहीं हुई तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

डिस्ट्रिक्ट स्टेयर्स रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में प्रतिभागी बच्चों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 28 अगस्त (देशबन्धु)। एस्टर पब्लिक स्कूल में डिस्ट्रिक्ट स्टेयर्स रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप आयोजित की गई। स्टेयर्स गौतमबुद्ध नगर रोलर स्केटिंग के डिस्ट्रिक्ट हेड आकाश रावल ने बताया कि एस्टर पब्लिक स्कूल में स्टेयर्स गौतमबुद्ध नगर रोलर स्केटिंग के द्वारा डिस्ट्रिक्ट स्टेयर्स रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस चैंपियनशिप में बालक व बालिका वर्ग अंडर-5 से अंडर-19 तक जिले के स्कूल और स्केटिंग क्लब, अकादमी से स्केट की तीन केटेगरी अड्जस्टेबल, क्वाड, इनलाइन स्केट केटेगरी में 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के वाईस प्रिंसिपल जयवीर डागर ने फीता काटकर चैंपियनशिप का शुभारम्भ किया। इस चैंपियनशिप में स्केट की अलग-अलग केटेगरी में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले 95 खिलाड़ियों का जिले की टीम में चयन हुआ है। चयनित सभी खिलाड़ी अक्टूबर में राज्य चैंपियनशिप खेलने के लिए जाएंगे। मुख्य अथिति जयवीर डागर ने विजेता खिलाड़ियों को मैडल पहनाकर बधाई दी और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अफजल अहमद, नीतू सिंह, पवन गहलोत, आकाश तोमर, नीरज कुमार, सूर्यभान सिंह, योगेंदर सिंह, निधि तिवारी, अनुज रावल मौजूद रहे। प्रतिभागी बच्चों में अवयुक्त पराशर, अडजस्टेबल स्केट अंडर-5 गोल्ड मैडल जीसस मेरी कान्वेंट स्कूल। आकर्शिका यादव कवाड स्केट अंडर-7 सिल्वर मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल ग्रेनो। भार्गवी

कवाड स्केट अंडर-7 ब्रोंज मैडल भारत राम ग्लोबल स्कूल। अक्षित चौधरी कवाड स्केट अंडर-9 सिल्वर मैडल समरविल स्कूल। नलिन शर्मा कवाड स्केट अंडर-9 ब्रोंज मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल नोएडा। रोहन कुजूर अडजस्टेबल स्केट अंडर-9 सिल्वर मैडल। आहना पंवार इनलाइन स्केट अंडर-11 सिल्वर मैडल एपीजे इंटरनेशनल स्कूल। आदित्य प्रताप सिंह कवाड स्केट अंडर-7 गोल्ड मैडल केंद्रीय विद्यालय स्कूल। पुलकित परासर कवाड स्केट अंडर-14 गोल्ड मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल ग्रेनो। गरिमा शर्मा कवाड स्केट अंडर-14 सिल्वर मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल नोएडा। ऋषीश सिंह कवाड़ स्केट अंडर-17 गोल्ड मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल ग्रेनो। अगस्त्य तालुकदार कवाड स्केट अंडर-17 सिल्वर मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल। रेहान टुटेजा इनलाइन स्केट अंडर- 14 गोल्ड मैडल एस्टर पब्लिक स्कूल ग्रेनो।

आठ दिवसीय बल्देव छठ मेला को लेकर श्री दाउजी मंदिर प्रबंध समिति ने की बैठक

जेवर, 28 अगस्त (देशबन्धु)। श्री दाउजी मंदिर पर लगने वाला प्राचीन बल्देव छठ मेला 21 सितम्बर से शुरू होगा। सोमवार को श्री दाउजी मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई तथा उसके बाद मेले की रूप रेखा तैयार की गई। श्री दाउजी मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष ओपी शर्मा ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि समिति में बनवारी लाल शर्मा महासचिव, कैलाश मिश्रा को कोषाध्यक्ष, हरिओम गोयल को संयोजक, दिनेश, रघुनन्दन, शिवकुमार शर्मा, सूरजभान, राकेश शर्मा व रिंकू को सचिव, हीरालाल शर्मा व बिजेन्द्र शर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंदिर समिति के कुल 350 सदस्यों द्वारा नई प्रबंध समिति का स्वागत किया गया। लेखा निरीक्षक हरेन्द्र शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा श्री दाउजी मंदिर पर लगने वाले ऐतहासिक बल्देव छट मेले की रूप रेखा पर विचार विमर्श किया गया। 21 सितम्बर को आठ दिवसीय बल्देव छठ मेले का शुभारंभ किया जायेगा तथा 28 सितम्बर को काली प्रदर्शन के बाद समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। मेले में महिला व पुरूष कबड्डी व एक लाख रूपए की कुश्ती के अलावा रागनी कम्पटीशन मुख्य आकर्षण का केन्द्र होंगे।

- आठ दिन तक चलने वाले मेले में कबड्डी, कुश्ती व रागनी मुकाबलों का होगा आयोजन

LOST & FOUND

I, Aparna Shukla D/o Ashok Kumar Shukla Flat No. 3 Second Floor Vidhi Apartment Chattarpur New Delhi have lost my original UP TET 2018 Certificate Upper Primary UP TET Certificate Roll No. 2521307542

NAME CHANGE

I Kavita w/o Rakesh Kakani. My name is mentioned as Kavita Kakani in my son Keshav Maheshwari's 10th class certificate of CICSE Board, should be corrected as Kavita as all my legal documents are by my name as Kavita

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं0-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्धनगर।
सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड संख्या 57, ब्लॉक-ए, सेक्टर-02, क्षेत्रफल-250 वर्गमीटर के आवंटी/भू-स्वामी Late Sh. Triloki Nath Sharma S/o Late Sh. Dina Nath Sharma की मृत्यु दिनांक 10.07.2023 के उपरान्त उनकी बहन Smt. Shashi Bala Pathak W/o Late Dr. B.K. Pathak D/o Late Sh. Dina Nath Sharma द्वारा वसीयत (WILL) के आधार पर उक्त भूखण्ड का म्यूटेशन/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस म्यूटेशन/नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Late Sh. Triloki Nath Sharma के स्थान पर Smt. Shashi Bala Pathak का नाम पूर्ण रूप से दर्ज कर दिया जायेगा।

महाप्रबन्धक (सम्पत्ति)
ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा
जिला-गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. 1849, 17th Floor, Tower-G, GC-12/12th Avenue, Area-122.630 Sqm., Greater Noida जो कि Mrs. Shashi Prabha Srivastava, निवासी Flat No. 812-B, Indraprastha Villa, Plot No. E-8-A,Sector-61, Noida के नाम पर उप निबंधन कार्यालय, सदर गौतमबुद्धनगर में दिनांक-02.02.2017 को पंजीकृत है। Mrs. Shashi Prabha Srivastava की मृत्यु के उपरान्त उनके पुत्र Mr. Aniket Srivastava S/o Sh. Om Prakash Srivastava ने उक्त भूखण्ड/भवन का नामांतरण अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये है। अतः इस म्यूटेशन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Mr. Aniket Srivastava S/o Sh. Om Prakash Srivastava का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नोएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 29 अगस्त 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

बोतल में लौटता नहीं यह जिन्न...

हरियाणा के नूंह (मेवात) में सोमवार को जिस तरह से शोभायात्रा निकालने के मामले में हिन्दू संगठन और प्रशासन आमने-सामने हैं, उससे साबित हो गया है कि कट्टरता का जिन्न एक बार बाहर निकले तो उसे वापस बोतल में डालना बहुत मुश्किल होता है। हर साल यहां श्रावण मास के अंतिम सोमवार को होने वाली ब्रजमंडल यात्रा बहुत प्रसिद्ध है जिसमें देश भर से बड़ी तादाद में श्रद्धालु आते हैं। 31 जुलाई को यहां के नलहड़ मंदिर के पास निकली यात्रा के दौरान हुए पथराव व तत्पश्चात हुए साम्प्रदायिक दंगों के चलते इस बार प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी थी लेकिन हिन्दू संगठन इसे निकालने के लिए आमादा हैं जिन्होंने पहले ही चेता दिया था कि उन्हें किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। नूंह के साथ ही पूरे हरियाणा में इसे लेकर तनाव है। जुलाई की आग अभी पूरी तरह से शांत नहीं हुई है और यह नये तनाव का सबब बन गया है। सोमवार को यहां धारा 144 लगा दी गई है। मंगलवार तक इंटरनेट सेवाएं बन्द रखने का ऐलान कर दिया गया है ताकि अफवाहें न फैले।

प्रशासन की इस बात से नाराज़ हिन्दू संगठनों का न सिर्फ नूंह में बड़ा जमावड़ा है वरन सटे हुए गुरुग्राम जिले के उस हिस्से में भी दहशत फैल गई है जहां झुग्गी बस्तियां हैं और जिनमें ज्यादातर अल्पसंख्यक बसते हैं। यह वही इलाका है जहां पिछले वक्त आगजनी हुई थी और कुछ लोग मारे गये थे। सोमवार की सुबह यहां हिन्दू संगठनों द्वारा दीवारों पर लिखा पाया गया कि वे (अल्पसंख्यक) इस इलाके को खाली कर दें क्योंकि यहां से शोभा यात्रा निकलेगी। वैसे यहां के अनेक लोग पिछले दंगों के समय से ही बस्तियां छोड़कर अन्यत्र जा चुके हैं। पुलिस के आला अफसरों ने आश्वस्त तो किया है कि वे (झुग्गीवासी) न घबरायें परन्तु पिछली वारदात का खौफ़ इतना है कि लोगों का पुलिस व स्थानीय प्रशासन ही नहीं सरकार पर से भी भरोसा उठ चुका है। इन इलाकों में पिछले कुछ समय से तनाव और डर का माहौल है।

राज्य सरकार हिन्दू संगठनों के आगे बेबस दिख रही है। प्रशासन ने शोभा यात्रा न निकलने देने के लिये पूरे इलाके में पुलिस की तैनाती की है, तो वहीं हिन्दू संगठन इस आदेश को न मानने पर आमादा हैं। वैसे नलहड़ मंदिर में पूजा के लिये प्रतीकात्मक रूप से 11 लोगों को अनुमति तो दी गई है पर इसे हिन्दू संगठन नहीं मान रहे हैं। उधर इस पूरे परिदृश्य में किसान नेता राकेश टिकैत की भी एंट्री हो गई है जिन्होंने कहा है कि अगर शोभा यात्रा निकाली गई या प्रशासन ने उन्हें अनुमति दी तो जवाब में किसान लाखों ट्रैक्टरों के साथ विशाल रैली निकालेंगे और महापंचायत भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि जुलाई के अंत में हुए दंगों में किसान अल्पसंख्यकों के साथ थे। जाटों व मुस्लिमों की एकता से भारतीय जनता पार्टी के लोग और कट्टरवादी संगठन कमजोर पड़ गये थे।

पिछले कुछ समय से इस यात्रा के कारण मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर पसोपेश में हैं क्योंकि शोभा यात्रा को अनुमति न देने से हिन्दुओं की उन्हें चुनावों में नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। सरकार की पहले ही काफी भद्द भी पिट चुकी है। अगर शोभा यात्रा निकली और फिर से हिंसा हुई तो उसे सम्भाल पाना सरकार के लिये खासा मुश्किल होगा। नूंह जिला गुरुग्राम से लगा हुआ है जो देश का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र है। यहां दुनिया के कई महत्वपूर्ण उद्योग-धंधों के मुख्यालय व कारखाने हैं। देश के जिन तीन शहरों की प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है उनमें एक गुरुग्राम भी है जहां होने वाली हिंसा का असर कारोबार जगत और भारत की छवि पर पड़ेगा।

उम्मीद तो है कि हिन्दू संगठन देश के अमन-चैन को ध्यान में रखकर इस शोभा यात्रा को सीमित व प्रतीकात्मक रूप से निकालेंगे और इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा नहीं बनायेंगे। प्रशासन को भी चाहिये कि वह अपने निर्देशों का पालन कड़ाई से करे। साथ ही यह भी आवश्यक है कि संविधान को लागू करने की जिम्मेदारी जिन पर है, वे अपने दायित्वों का पालन कर कानून व व्यवस्था का राज बनाए रखें। वैसे यह मामला इस बात का सटीक उदाहरण है कि कट्टरता को जब एक बार राज्य की ओर से बढ़ावा मिलता है तो उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। अनेक संगठन या व्यक्ति संविधान से ऊपर हो जाते हैं। धार्मिक संगठनों के हौसले पिछले कुछ समय से जिस बुलन्दी पर हैं, वह संविधान के लिये चुनौती बन गया है। ऐसे संगठन व लोग यह मानते हैं कि कानून का पालन करना उनके लिये आवश्यक नहीं है। पिछले कुछ समय से ऐसे अनेक दृष्टांत सामने आये हैं जब सत्ता व समाज के शीर्ष पर बैठे लोगों की अपीलें भी काम नहीं आ रही हैं। एक बार तो स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दलितों के उत्पीड़न से व्यथित होकर कह चुके हैं- 'दलितों को मारने से अच्छा है कि उन्हें (पीएम को) मार दें।' ऐसे ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी अपने लोगों को समझा चुके हैं कि 'मुस्लिम भी भाई ही हैं और इन्हें मारने वाले हिन्दू नहीं हो सकते।' जिस विचारधारा के लोग हिन्दू संगठनों को चला रहे हैं या उनके सदस्य हैं, उनमें से ज्यादातर भाजपा एवं संघ से जुड़े हैं। अपील करने वाले अपने-अपने संगठनों के शीर्ष पर हैं। जब उनका कहा बेअसर हो रहा है, तो हरियाणा के सीएम या प्रशासन की बिसात ही क्या है! नफरत और हिंसा का जिन्न वापस जाने के लिए बोतल से नहीं निकलता।

कोटा के कोचिंग छात्रों की आत्महत्याएं: ये युवा खून किस के हाथों पर है!

कोटा में कोचिंग कर रहे दो छात्रों ने इसी रविवार को आत्महत्या कर ली। एलन कोचिंग के छात्र, महाराष्ट्र के आविष्कार संभागी ने एक टैस्ट के बाद, अपने कोचिंग इंस्टीट्यूट की ही छत से जाकर छलांग लगा दी और अपनी जान दे दी। वह कोटा में अपने नाना-नानी के साथ रहकर, कोचिंग कर रहा था। उसी रोज, बिहार के आदर्श ने होस्टल के कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इन दो युवाओं की आत्महत्या के साथ, इसी साल देश में कोचिंग उद्योग के सबसे बड़े केंद्र कोटा में, छात्रों की आत्महत्याओं का आंकड़ा 23 पर पहुंच गया है। और यह समस्या किस तरह विकराल से विकराल होती जा रही है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले साल कोटा में ही ऐसी आत्महत्याओं का आंकड़ा कुल 15 था। इस बार यह संख्या अब तक ही 23 तक पहुंच चुकी है, जबकि अभी अगस्त का महीना भी पूरा नहीं हुआ है और पूरा एक तिहाई साल आगे पड़ा हुआ है।

बेशक, इस विकराल रूप लेती समस्या के सामने अधिकारीगण जो भी हैं जो उन्हें सूझ रहा है, अपनी ओर से करने की कोशिश कर रहे हैं। एक ही दिन में दो छात्रों की आत्महत्या की खबर आने के बाद, कोटा के जिलाधिकारी ने एक एडवाइजरी जारी कर, कोटा के सभी कोचिंग इंस्टीट्यूटों से दो महीने तक नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी टैस्ट—एनईईटी) तथा आईआईटी-जी (जनरल एंट्रेंस टैस्ट) की कोचिंग कर रहे छात्रों के टैस्ट रोकने का आदेश दिया है। इससे पहले, 14 अगस्त को सामने आई एक और छात्र की आत्महत्या की घटना के बाद, जो कि अगस्त के महीने में ही ऐसी चौथी घटना थी, कोटा में कोचिंग छात्रों के होस्टलों के कमरों में छत से लटकने वाले पंखों में स्प्रिंग लगाने जैसे कदमों की शुरूआत की गई थी, जिससे छात्रों को आत्महत्या के इस अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध साधन का सहारा लेने से रोका जा सके। इससे पहले से, ऐसी घटनाओं के बाद, हर बार इन छात्रों की काउंसिलिंग और यहां तक कि बच्चों के अभिभावकों की काउंसिलिंग के भी सुझाव दिए जाते रहे हैं, जिससे बच्चों पर किसी भी कीमत पर सफलता के दबाव और विफलता के डर को घटाया जा सके। बहरहाल, साफ है कि ये सभी उपाय/ सुझाव न सिर्फ बुरी तरह से विफल साबित हुए हैं बल्कि समस्या से दो-चार होने की किसी गंभीर कोशिश के बजाय, अगंभीर से लेकर हास्यास्पद ही साबित हुए हैं।

जाहिर है कि कोटा के कोचिंग छात्रों की या नीट, जी जैसी डाक्टरी, इंजीनियरिंग आदि की प्रतिष्ठित संस्थाओं में दाखिले की परीक्षाओं में सफलता के लिए अन्यत्र कोचिंग का सहारा लेने वाले किशोरों व युवाओं की, बढ़ती संख्या को आत्महत्या के अंधेरे रास्ते पर धकेलने वाले कारकों की, अपनी भी कुछ विशिष्टताएं हैं, जो इन कोचिंग संस्थाओं के छात्रों की स्थिति को और भी खतरनाक बना देती हैं। फिर भी एक बात जिसकी चर्चा बहुत कम ही होती है, यह है कि इसका सीधा संबंध डाक्टरी, इंजीनियरिंग आदि की प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश की परीक्षाओं को, सबके लिए समान स्तर सुनिश्चित करने के नाम पर, ज्यादा से ज्यादा एकीकृत किंतु वास्तव में केंद्रीयकृत किए जाने की राजकीय नीति से भी है। यह ऐसी राजकीय नीति है जिसे आमतौर पर उदारीकरण की नीतियों तथा खासतौर पर प्रोफेशनल शिक्षा के अंधाधुंध निजीकरण की नीतियों के जरूरी हिस्से के तौर पर, पिछले दो-तीन दशकों में तेजी से आगे बढ़ाया गया है। यह प्रवृत्ति न सिर्फ इस कोचिंग उद्योग के तेजी से फलने-फूलने के लिए रास्ता बना रही है, युवा आत्महत्याओं की बढ़ती महामारी को भी तेजी से देश भर में फैला रही है।

प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश की परीक्षाओं के बढ़ते केंद्रीयकरण और युवाओं की बढ़ती आत्महत्याओं के इस सीधे रिश्ते का सबसे प्रत्यक्ष सबूत, मेडिकल शिक्षा में दाखिले की नीट नामक परीक्षा है। नीट परीक्षा की शुरूआत से देश के कई हिस्सों में और खासतौर पर तमिलनाडु में इस परीक्षा को थोपे जाने के खिलाफ शीर्ष राजनीतिक स्तर तक

राजेन्द्र शर्मा

> ये आत्महत्याएं नहीं हत्याएं हैं, जिनके लिए हमारी वर्तमान व्यवस्था जिम्मेदार है, जिसने युवाओं के लिए अवसरों को इस कदर सीमित कर दिया है, इस कदर मुश्किल तथा संयोगाश्रित बना दिया है कि एक-एक विफलता की आशंका, संवेदनशील किशोरों-युवाओं के लिए, जिंदगी और मौत का सवाल बन जाती है। याद रहे कि बढ़ते चौतरफा आर्थिक संकट के बीच, अवसरों का लगातार सिकुड़ना, पूरे समाज में ही इस रुग्णता को फैला रहा है और बढ़ा रहा है।

से आवाजें उठती रही हैं। और इसकी एक वजह यह भी है कि तमिलनाडु पर इस परीक्षा के थोपे जाने की शुरूआत ही, मेडिकल की पढ़ाई के लिए दाखिले के लिए उत्सुक, प्रतिभाशाली बच्चों-बच्चियों की आत्महत्याओं से हुई थी और हर साल यह परीक्षा तमिलनाडु में कुछ न कुछ जानें निगल ही लेती है। इसी साल, 15 अगस्त से ठीक पहले इस परीक्षा के नतीजों के साथ आई बहुत ही ह्रदयविदारक घटना में, दो बार की विफलता के बाद, जगदीश्वरन नामक किशोर ने ही अपनी जान नहीं दे दी, उसकी आत्महत्या से विचलित उसके पिता ने भी, उसकी आत्महत्या के चंद घंटों में ही अपनी जान दे दी। इस तरह, इस परीक्षा ने क्रूर काल बनकर पूरे के पूरे परिवार को ही खत्म कर दिया। इस घटना से विचलित, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने न सिर्फ जल्द ही नीट का ही अंत हो जाने की भविष्यवाणी की है बल्कि यह भी याद दिलाया है कि तमिलनाडु ने अब तक इस परीक्षा के ही हाथों, अपने 16 प्रतिभाशाली बच्चों को हमेशा के लिए खोया है।

बेशक, यह कहा जा सकता है कि इतने बड़े देश में, इतने सारे बच्चे प्रतिष्ठित शिक्षा धाराओं में प्रवेश चाहने वाले होंगे। लेकिन, सब को तो प्रवेश नहीं दिया जा सकता है। जिन्हें प्रवेश नहीं मिलता है, वे अगर आत्महत्या करने पर उतर आएं, तो इसमें प्रवेश परीक्षा की व्यवस्था क्या कर सकती है? सीमित मौकों के हिसाब से छंटनी जरूरी है। और पूरे देश के लिए समान प्रवेश परीक्षा ही न्यायपूर्ण तथा तार्किक तरीके से यानी कम प्रतिभावानों को अलग करने के जरिए, छंटाई का यह काम कर सकती है। बहरहाल, तमिलनाडु का उदाहरण बताता है कि प्रतिभावानों को छांटने की यह पूरी दलील ही कागजी और झूठी है।

यह एक जानी-मानी शिक्षाशास्त्रीय सच्चाई है कि कोई भी परीक्षा, सीमित हद तक ही प्रतिभा की जांच कर पाती है। और हमारे जैसे बहुत भारी विविधताओं वाले देश में तो ऐसी परीक्षाओं की उपयोगिता और भी सीमित है। यहां परीक्षा का दायरा जितना ज्यादा फैलता जाएगा, प्रतिभा या उपयुक्तता की जांच की उसकी क्षमता उतनी ही घटती जाएगी। अलग-अलग भाषाओं में पढ़ाई कराने वाले, एक हद तक अलग-अलग पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले राज्यों के लिए, एक अखिल भारतीय परीक्षा का विचार ही बहुत खोखला और वास्तव में नुकसानदेह है। याद रहे कि तमिलनाडु में नीट-विरोधी आंदोलन की शुरूआत, जिस छात्रा की आत्महत्या से हुई थी, वह राज्य में उस वर्ष से पहले तक चालू पात्रता चयन व्यवस्था के हिसाब से, मेडिकल कालेज में दाखिले की अपनी पात्रता पहले ही साबित कर चुकी थी। इसके बाद भी, जब नीट के आधार पर उसे अपात्र बना दिया गया, उसका दिल टूट गया और उसने अपनी जान दे दी। इसीलिए, जनतांत्रिक छात्र आंदोलन समेत, वास्तव में जनतंत्र की कद्र करने वाली तमाम ताकतें, नीट जैसी केंद्रीयकृत प्रवेश परीक्षाओं का विरोध करती आई हैं। लेकिन, दुर्भाग्य से एकरूपता को एकता का पर्याय मानने वाली देश की मौजूदा सरकार, ऐसी परीक्षाओं की सीमाओं को लेकर बार-बार चेताए जाने के बावजूद, ऐसी परीक्षाओं का दायरा बढ़ाती ही जा रही है। देश भर के लिए केंद्रीयकृत विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, इसी युवाघाती अभियान का एक और उदाहरण है। हां! केंद्रीयकृत विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, नीट की जितनी जानलेवा शायद न साबित हो क्योंकि विश्वविद्यालय की शिक्षा में प्रवेश मिलने न मिलने से, नीट जैसी जानलेवा अपेक्षाएं नहीं लगी हुई हैं। लेकिन, इसीलिए इस परीक्षा ने अपने शुरूआती वर्षों में ही लाखों की संख्या में छात्रों को विश्वविद्यालयी पढ़ाई से दूर खदेड़ दिया है और यह पढ़ाई करने वालों के दायरे को, जो इस देश में पहले ही बहुत सीमित था, और भी सीमित करना शुरू कर दिया है।

बहरहाल, कोटा कोचिंग छात्रों और आम तौर पर कोचिंग छात्रों की आत्महत्याओं पर लौटें। ये छात्र कौन हैं? बेशक, कोचिंग की पढ़ाई और खासतौर पर कोटा जैसे केंद्रों में कोचिंग की पढ़ाई, काफी महंगी है। यह दूसरी बात है कि यह कोचिंग जिस डाक्टरी, इंजीनियरी आदि की पढ़ाई के लिए दाखिले की है, वह पढ़ाई भी अब देश में आय के अनुपात में काफी महंगी हो चुकी है। निजीकरण ने इन प्रोफेशनल कोर्सों की पढ़ाई को इतना महंगा बना दिया है कि साधारण मध्यवर्गीय परिवार तक, इस पढ़ाई का बोझ आसानी से नहीं उठा सकता है, फिर साधारण मेहनतकश परिवारों की तो बात ही क्या करना। पहले कोचिंग का खर्च और फिर दाखिला मिल जाए तो पढ़ाई का खर्च, दोनों को उठाना संपन्नतर परिवारों के लिए ही संभव है। हां! इस संबंध में दो अलग-अलग या दोनों एक साथ चलने वाले विकल्प भी देखने को मिलते हैं। पहला, दाखिले की सूरत में पढ़ाई के लिए कर्ज का बोझ बच्चे के ऊपर डाला जा सकता है, जो नाकामयाबी के डर को जानलेवा बना सकता है। दूसरे, साधारण परिवार, बच्चा अगर पढ़ाई में अच्छा नजर आता हो तो, उसके दाखिले को ही अपनी आर्थिक मुक्ति का इकलौता रास्ता मानकर, घर-जमीन या दूसरे सभी साधन बेचकर, बच्चे की महंगी पढ़ाई का बंदोबस्त कर सकता है। कोचिंग के मामले में तो खासतौर दूसरा ही विकल्प संभव है क्योंकि कोचिंग के लिए बैंक से शिक्षा ऋण नहीं मिल सकता है। दोनों ही सूरतों में परिवार की अपेक्षाओं का असह्य बोझ, किशोरों-युवाओं को विफलता की जरा सी फिसलन या आशंका भर से, आत्मघात की अंधेरी खाई में धकेल सकता है। हैरानी की बात नहीं है कि अपेक्षाकृत साधारण परिवारों से आने वाले बच्चे ही, कोई और रास्ता ही नहीं दिखाई देने के चलते, हताशा में आत्मघात की खाई में ज्यादा छलांग लगाते हैं।

ये आत्महत्याएं नहीं हत्याएं हैं, जिनके लिए हमारी वर्तमान व्यवस्था जिम्मेदार है, जिसने युवाओं के लिए अवसरों को इस कदर सीमित कर दिया है, इस कदर मुश्किल तथा संयोगाश्रित बना दिया है कि एक-एक विफलता की आशंका, संवेदनशील किशोरों-युवाओं के लिए, जिंदगी और मौत का सवाल बन जाती है। याद रहे कि बढ़ते चौतरफा आर्थिक संकट के बीच, अवसरों का लगातार सिकुड़ना, पूरे समाज में ही इस रुग्णता को फैला रहा है और बढ़ा रहा है। यह संयोग ही नहीं है कि एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2019 में देश भर में आत्महत्याओं की संख्या 1.3 लाख थी, जो 2020 में बढ़कर 1.5 लाख हो गई और 2021 में और बढ़कर 1.64 लाख हो गई यानी 2020-2021 के बीच ही, पूरे 7.1 फीसद बढ़ गई। फिर भी प्रतिभाशाली किशोरों-युवाओं की जान लेने वाला चेहरा, मौजूदा व्यवस्था का सबसे हिंसत, सबसे क्रूर चेहरा है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

नवीनतम चीन-भूटान सीमा वार्ता के नतीजे से भारत के लिए चिंता का विषय

■ **गिरीश लिंगन्ना**

हिमालय में, दो एशियाई महाशक्तियों, भारत और चीन के बीच रणनीतिक रूप से संवेदनशील भौगोलिक स्थिति में बसा है। वर्षों से दिल्ली अपनी भू-राजनीतिक मजबूरियों के कारण थिम्पू को सैन्य और आर्थिक सहायता के रूप में करोड़ों डॉलर की पेशकश करती रही है। भारत और भूटान दोनों को अभी भी चीन के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे भूमि सीमा विवाद को सुलझाना बाकी है, जो भूटान के उत्तर और पश्चिम में हिमालय के क्षेत्र पर सीमा समझौते पर पहुंचने के लिए दबाव डाल रहा है। संभावित समाधान के लिए भूटान के दीर्घकालिक सहयोगी, भारत की अंतर्निहित मंजूरी की भी आवश्यकता होगी।

21-24 अगस्त तक बीजिंग में भूटान और चीन के बीच आयोजित 13वीं विशेषज्ञ समूह बैठक (ईजीएम) के अंत में, जो सीमा वार्ता की प्रगति की निगरानी करती है, दोनों देशों ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में घोषणा की कि वे वार्ता की गति बढ़ाने पर सहमत हुए हैं, अपने लंबे समय से लंबित सीमा विवाद के समाधान के लिए 'तीन-चरणीय रोडमैप' बनाने के लिए एक साथ कदम उठायेंगे। चालू वर्ष में आयोजित यह तीसरी विशेषज्ञ समूह (ईजीएम) की बैठक थी।

> दोनों देशों के बीच दशकों से चले आ रहे इस सीमा गतिरोध में विवाद की जड़ डोकलाम का रणनीतिक पठार है, जो तीन देशों-भारत, भूटान और चीन के ट्राइ-जंक्शन के करीब स्थित है। यदि बीजिंग इस विवादित पठार पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाब हो जाता है, तो यह चीन को निर्बाध बल जुटाने की अनुमति देगा क्योंकि इससे भारत के साथ सशस्त्र संघर्ष छिड़ने की स्थिति में उसे भूमि मार्गों तक अधिक पहुंच मिल जायेगी।

संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने पिछली ईजीएम में हुए समझौते के आधार पर रोडमैप को लागू करने पर 'स्पष्ट, मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक चर्चा' की थी। बयान में कहा गया, '13वीं ईजीएम के महत्वपूर्ण परिणामों में से एक चीन-भूटान सीमा के परिसीमन पर संयुक्त तकनीकी टीम की स्थापना है, जिसने ईजीएम के मौके पर अपनी पहली बैठक की।'

चीन और भूटान के बीच सीमा वार्ता 1984 से एक सतत प्रक्रिया रही है क्योंकि दोनों देश डोकलाम क्षेत्र पर अपना दावा करते हैं। भारत ने हमेशा से ही उसके रुख का समर्थन किया है। चीनी अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर नजर रखने वालों का कहना है कि चीन और भूटान 1996 के आसपास एक अंतिम समझौते पर पहुंचने के बहुत करीब आ गये थे,लेकिन भारत की रणनीतिक दखल के कारण वार्ता विफल हो गयी। 1984 के बाद से चीन और भूटान के बीच 24 दौर से अधिक सीमा वार्ता के अलावा 12 दौर की विशेषज्ञ स्तर की बैठकें हो चुकी हैं। मई 2023 में, 12वीं विशेषज्ञ समूह बैठक (ईजीएम) भूटान की राजधानी थिम्पू में आयोजित की गई थी, 11वीं ईजीएम वार्ता चीन की राजधानी और युनान प्रांत के सबसे बड़े शहर कुनमिंग में आयोजित होने के ठीक चार महीने बाद हुई थी।

जैसे ही थिम्पू दौर की चर्चा समाप्त हुई, भूटान और चीन दोनों ने कहा कि 'तीन-चरणीय रोडमैप' को लागू करने की दिशा में प्रगति हुई है जो उनके सीमा विवाद को सुलझाने में मदद करेगा। दो साल के लंबे अंतराल के बाद जनवरी 2023 में 11वीं ईजीएम के बाद अप्रैल 2021 में 10वीं ईजीएम हुई। इसे देखते हुए, यह महत्वपूर्ण लगता है कि मई 2023 में 12वें दौर के बाद, 13वां दौर केवल तीन महीनों के भीतर- और चीनी राजधानी में- वार्ता में और अधिक तेजी से विकास का संकेत दे रहा है।

इस विवाद की जड़ें भारत और चीन के बीच तीखी सीमा वार्ता में हैं। दोनों देशों के बीच दशकों से चले आ रहे इस सीमा गतिरोध में विवाद की जड़ डोकलाम का रणनीतिक पठार है, जो तीन देशों-भारत, भूटान और चीन के ट्राइ-जंक्शन के करीब स्थित है। यदि बीजिंग इस विवादित पठार पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाब हो जाता है, तो यह चीन को निर्बाध बल जुटाने की अनुमति देगा क्योंकि इससे भारत के साथ सशस्त्र संघर्ष छिड़ने की स्थिति में उसे भूमि मार्गों तक अधिक पहुंच मिल जायेगी।

भारत की हिमालयी सीमाओं पर निर्भीक और बेधड़क चीनी घुसपैठ के कारण क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी सैन्य जमावड़े हुए और कभी-कभी झड़पें भी हुईं। 2017 में चीन-भारत सीमा पर झड़प, जिसे 'डोकलाम गतिरोध' कहा गया, भारत और चीन के बीच एक सैन्य झड़प थी। डोकलाम में सड़क बनाने की चीनी कोशिशों ने विवाद को भड़का दिया। 16 जून, 2017 को, चीनी सैनिकों ने बुलडोजर, क्रेन, उत्खननकर्ता, फोर्कलिफ्ट और डंप ट्रकों के साथ डोकलाम में पहले से मौजूद सड़क को दक्षिण तक विस्तारित करने का काम शुरू किया। 18 जून, 2017 को, भारत ने 'ऑपरेशनजुनिपर' के रूप में अपनी प्रतिक्रिया शुरू की, जब लगभग 270 सशस्त्र भारतीय सैनिकों ने अनुचित चीनी गतिविधि को रोकने के लिए केवल दो बुलडोजरों के साथ सिक्किम सीमा पार डोकलाम में हमला किया। हालांकि, 28 अगस्त को दोनों देशों ने सेना वापसी की घोषणा की।

भारत-चीन सीमा संकट सीमांकित त्रिकोणीय जंक्शन के पश्चिम में भारत के सिक्किम राज्य, उत्तर में चीन के कब्जे वाले तिब्बत की चुम्बी घाटी और पूर्व में भूटान की हा घाटी पर पहुंच गया है। इस त्रि-जंक्शन के सटीक स्थान को लेकर भारत और चीन के बीच लंबे समय से टकराव चल रहा है। भूटान-चीन सीमा प्रश्न का दशकों पुराने भारत-चीन सीमा संकट से सीधा संबंध है। दोनों देश एक सीमा साझा करते हैं जिसका पर्याप्त रूप से सीमांकन नहीं किया गया है, इसलिए इस क्षेत्र पर दोनों देशों के दावे एक-दूसरे के क्षेत्र तक होते हैं। भारत का अनुमान है कि यह 3,488 किलोमीटर लंबा होगा, जबकि चीन का कहना है कि यह 2,000 किलोमीटर है। वर्तमान यथास्थिति सीमा भारत के उत्तर में लद्दाख क्षेत्र में स्थित है और पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तक जाती है - जो कि विवादित भी है क्योंकि चीनी इसे 'दक्षिणी तिब्बत' कहते हैं।

बीबीसी के अनुसार, चीन पश्चिमी भूटान में लगभग 269 वर्ग किमी और उत्तर-मध्य भूटान में 495 वर्ग किमी पर अपना दावा करता है। 2020 में, चीन का दुस्साहस पूर्वी भूटान में सकतेंग वन्यजीव अभयारण्य में 739 वर्ग किमी क्षेत्र तक फैल गया, और दावा किया कि यह मुख्यभूमि चीन का हिस्सा है, हालांकि अधिकांश आधिकारिक चीनी मानचित्रों में सकतेंग को भूटान का हिस्सा दिखाया गया है। यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश सहित विशाल क्षेत्रों का दावा करने वाले चीन के सबसे महत्वाकांक्षी और विवादास्पद 2014 के नक्शे में, साकतेंग पार्क को भूटान का हिस्सा दर्शाया गया था।

डोकलाम पर थिम्पू के रुख का समर्थन करने के लिए दिल्ली के पास ठोस कारण हैं। यदि चीन के मंसूबे सफल होते हैं, तो भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह पठार बीजिंग को भारत के लिए सबसे संवेदनशील भौगोलिक बिंदुओं में से एक – सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है – 22 किलोमीटर की संकीर्ण भूमि पर दिल्ली के मुकाबले फायदेमंद रहेगा। यह भूमि पुल मुख्य भूमि भारत को उत्तर-पूर्व में उसके 'सतबहनी' राज्यों से जोड़ता है।

उपग्रह चित्रों सहित महत्वपूर्ण डेटा से संकेत मिलता है कि चीन संप्रभु भूटानी क्षेत्र के अंदर बुनियादी ढांचे-यहां तक कि छोटे गांवों- के निर्माण में लगा हुआ है। बताया जाता है कि भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग ने मार्च 2023 में एक साक्षात्कार में बेल्जियम के दैनिक ला लिब्रे को बताया था, 'जैसा कि मीडिया में बताया गया है, भूटानी क्षेत्र में कोई घुसपैठ नहीं हुई है'। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि भूटान और चीन कुछ बैठकों में कुछ सीमाओं के सीमांकन में साझा आधार ढूंढ लेंगे।

इससे संकेत मिलता है कि शेरिंग संभवत: चीन के दबाव के आगे झुक रहे थे और सीमा मुद्दे को 'हल' करने के लिए क्षेत्र छोड़ने की तैयारी कर रहे थे, एक ऐसा कदम जिसने भारत के सुरक्षा प्रतिष्ठान में खतरे की घंटी बजा दी। 2012 के भारत-चीन समझौते में कहा गया है कि, भारत-चीन और किसी तीसरे देश के बीच साझा सीमाओं पर, सीमा का सीमांकन सभी संबंधित पक्षों की सहमति पर किया जायेगा। इसलिए, सीमा विवाद को सौहार्द्रपूर्ण ढंग से तभी हल किया जा सकता है जब तीनों देश-भारत, भूटान और चीन- आम सहमति से किसी निर्णय पर पहुंचने में कामयाब होंगे।

गुरवाणी विचार

कहो कबीर गूंगे गुड़ खाया पूछे तो किया कहिये

सचा सौदा हरिनाम है, सच्चा वापरा राम।
गुरमति हरि नाम नजलिये अति माल अफारा राम।
अंतर बाहर भगती राते सचि नाम लिव लागी।
नदरि करे कोई सच पाये गुरु के शबद वीचारा।
नानक नाम रते तिन ही सुख पाया- साचै के वापारा।

इस शब्द में तीसरे नानक गुरु अमरदास जी मानवमन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि प्रभु के नाम की सच्ची खरीद ही प्रभु का साचा व्यापार है और यही सबसे उत्तम व्यापार है इसी के द्वारा हमें आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। गृहस्थ में रहकर गुर सीख ने अपनी और अपने परिवार की उपाजीविका चलाने हेतु विभिन्न प्रकार के कार विहार करने हैं। तथा अपना और अपने परिवार का उदर पोषण करना है। परन्तु ये सब सही और ईमानदारी के साथ करना है और उसमें से दसबंध निकालकर जरूरतमंदों की दीनदुखियों की सेवा में लगाना है परन्तु माया कमाने के चक्कर में इतना गलतान नहीं हो जाना है कि अपने जनक को भी विसार दो-

दात पियारी विसरिया दातारा। माया है ही महा मोहिनी आदमी दस हजार कमाता है तो फिर लाख कमाने की तरफ दौड़ पड़ता है और इस तरह इस माया की अंधी दौड़ में ही फंसकर रह जाता है-

सहस्र कटे लख को उठि धावै।
तिरपत न आवै माया पाछै पावै।।

इसलिए हमें इस माया के मोह जाल में ही उलझ कर नहीं रह जाना है बल्कि कमाने के साथ साथ उस पभु परमात्मा को भी हमेशा याद रखना है जिसने हमें यह लाखों-करोड़ों की सुंदर काया दी है और उस पभु परमात्मा को भी हमेशा याद रखना है जिसने हमें यह लाखों-करोड़ों की सुंदर काया दी है और उस प्रभु परमात्मा को एकमात्र याद करने का तरीका है पभु सिमरन बंदगी हमें जहां पर प्रभु संकीर्तन होात हो जाना चाहिए प्रभु महिमा कथा, कीर्तन श्रवण करते रहना चाहिए प्रभु महिमा वाली पुस्तकें पढ़ते रहना चाहिए ताकि हमारा मन उसमें रम जाए और शनैः शनैः हम अपने मन मंदिर में पभु परमात्मा हर जीव के अंतर आत्मा में मौजूद है हमें प्रयास कर उसे खोजना है और उसकी प्राप्ति हो जाए तो फिर उसका बखान उसी तरह नहीं किया जा सकता जिस तरह एक गूंगा व्यक्ति मिठाई या गुड़ खा ले तो उसके स्वाद का बखान नहीं कर सकता-

कहो कबीर गूंगे गुड़ खाया
पूछे तो किया कहिये।।

इस तरह हमारा सही मायने में व्यापार प्रबु सिमरन कर उसकी प्राप्ति ही होना चाहिए। तभी हम प्रभु सिमरन कर उसकी प्राप्ति कर आनंदपूर्वक इस संसार में जीवनयापन कर सकेंगे और प्रभु के साचे दरबार में जाने पर जगह प्राप्त कर सकेंगे और यह तभी संभव है जब प्रभु परमात्मा की हम पर नजरें इनायत हो जाए।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

मनाने के साथ समझने होंगे रक्षा बंधन के मायने ?

भाई-बहन का रिश्ता दुनिया के सभी रिश्तों में सबसे ऊपर है। हो भी न क्यों? भाई-बहन दुनिया के सच्चे मित्र और एक-दूसरे के मार्गदर्शक होते हैं। जब बहन शादी करके ससुराल चली जाती है और भाई नौकरी के लिए घर छोड़कर किसी दूसरे शहर चला जाता है तब महसूस होता है कि भाई-बहन का ये सर्वोत्तम रिश्ता कितना अनमोल है। सरहद पर खड़ा एक सैनिक भाई अपनी बहन को कितना याद करता है और बहनों की ऐसे वक्त क्या दशा होती है? इसके लिए शब्द नहीं है। यह पर्व उस अनमोल प्रेम का, भावनाओं का बंधन है जो भाई को सिर्फ अपनी बहन की नहीं, बल्कि दुनिया की हर लड़की की रक्षा करने हेतु वचनबद्ध करता है।

रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार है, रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहनें भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती हैं। राखी सामान्यत: बहनें भाई को ही बांधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बांधी जाती है। वास्तव में ये त्योहार से रक्षा के साथ जुड़ा हुआ है, जो किसी की भी रक्षा करने को प्रतिबद्ध करता है। अगर इस पवित्र दिन अपनी बहन के साथ दुनिया की हर लड़की की रक्षा का वचन लिया जाए तो सही मायनों में इस त्योहार का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा। इस पावन त्योहार का अपना एक अलग स्वर्णिम इतिहास है, लेकिन बदलते समय के साथ बाकी रिश्तों की तरह इसमें भी बहुत से बदलाव आए हैं। जैसे-जैसे आधुनिकता हमारे मूल्यों और रिश्तों पर हावी होती जा रही है। संस्कृति में पतन के फलस्वरूप रिश्तों में मजबूती और प्रेम की जगह दिखावे ने ले ली है। आज के बदलते समय में इस त्योहार पर भी आधुनिकता हावी होने लगी है, तब से आज तक यह परंपरा तो चली आ रही है लेकिन कहीं न कहीं हम अपने मूल्यों को खोते जा रहे हैं। राखी का ये अनमोल रिश्ता महज कच्चे धागों की परंपरा भर नहीं है। लेन-देन की परंपरा में प्यार का कोई मूल्य भी नहीं है बल्कि जहां लेन-देन की परंपरा होती है वहां प्यार तो टिक ही नहीं सकता, अटूट रिश्ते कैसे बन पाएंगे। इतिहास में कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमें युद्ध के दौरान श्रीकृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्रीकृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी में से एक टुकड़ा बांध दिया था, और इस उपकार के बदले श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट में द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। रक्षा बंधन की कथाएं बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसी बहन का साया जब भी भाई को पुकारता था, तो दुनिया की हर ताकत से लड़ कर भी भाई उसे सुरक्षा देने दौड़ पड़ता था और उसकी राखी का मान रखता था।

कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत: उसने मुगल बादशाह हुमायूं को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुंच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की।

परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई। आज एक बार फिर भातृत्व की सीमाओं को बहन फिर चुनौती दे रही है, क्योंकि उसके उम्र का हर पड़ाव असुरक्षित है, उसकी इज्जत एवं अस्मिता को बार-बार नोचा जा रहा है।

-प्रियंका सौरभ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

चीन में भारी वर्षा के आसार, `येलो अलर्ट' जारी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने यहां के कई क्षेत्रों में तूफानी हवाएं और भारी वर्षा होने के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। लियाओनिंग, शेडोंग, शंघाई, फुजियान, गुआंग्शी, युन्नान और तिब्बत सहित विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार सुबह आठ बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक भारी बारिश और तूफान आने का अनुमान है। मौसम केन्द्र ने स्थानीय सरकार से उचित तैयारी करने और उसके अनुसार अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने का आग्रह किया गया है। मौसम खराबी के दौरान बिजली आपूर्ति को बंद करने और खुले क्षेत्रों में बाहरी संचालन को निलंबित करने का भी सुझाव दिया है। चीन में चार स्तरीय मौसम चेतावनी प्रणाली है, जिसमें लाल सबसे गंभीर चेतावनी का अलर्ट है, उसके बाद नारंगी, पीला और नीला होता है।

पश्चिमी लॉबी ने पाकिस्तान चुनाव में अपेक्षित देरी पर दी चेतावनी

इस्लामाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आम चुनावों में संभावित देरी और कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल को उसके अनिवार्य 90 दिनों से बढ़ाने के बारे में चल रहे पूर्वानुमान और बहस के बाद पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) ने आपत्तियां व्यक्त की हैं और चेतावनी दी है कि चुनाव स्थगन की स्थिति में इस्लामाबाद को परिणाम भुगतने होंगे। राजनयिक सूत्रों ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित प्रमुख पश्चिमी देशों ने इस मामले पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और चेतावनी दी है कि चुनाव में देरी के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों का दर्जा कम करना भी शामिल है। राजनयिक हलके के सूत्रों के अनुसार, अमेरिका और यूरोपीय संघ का मानना है कि चुनाव किसी भी प्रगतिशील लोकतांत्रिक समाज का सार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान में चुनाव में देरी और कार्यवाहक व्यवस्था के 90 दिन से ज्यादा बने रहने की स्थिति में केवल प्रतिकूल परिणाम होंगे। पश्चिमी चिंताओं और चेतावनी ने इस्लामाबाद में खतरे की घंटी बजा दी है क्योंकि पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने नई डिजिटल जनगणना 2023 के संदर्भ में और उसके अनुसार नए परिसीमन कार्यक्रम की घोषणा की है, जिससे चुनाव कम से कम फरवरी 2024 तक आगे बढ़ जाएंगे। पाकिस्तान संविधान 1973 के अनुसार, विधानसभाओं के विघटन के 90 दिनों के भीतर चुनाव होने चाहिए। शहबाज शरीफ की पिछली सरकार के दौरान कार्डसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स की आखिरी बैठक में नई डिजिटल जनगणना को मंजूरी दी गई थी और सभी गठबंधन राजनीतिक दलों द्वारा इस बात पर परस्पर सहमति व्यक्त की गई थी कि चुनाव नई जनगणना और परिसीमन के अनुसार किए जाने चाहिए।

■ चुनाव स्थगन की स्थिति में इस्लामाबाद को परिणाम भुगतने होंगे

अमेरिका की वाणिज्य मंत्री चार दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंची

बीजिंग, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में वाशिंगटन तथा बीजिंग के बीच सहयोग स्थापित करने के लिए चीन पहुंची हैं। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुश्री रायमोंडो 30 अगस्त तक चीनी यात्रा पर हैं। चीनी वाणिज्य मंत्रालय की प्रवक्ता शू जुएटिंग ने गुरुवार को कहा था कि रायमोंडो की यात्रा के दौरान चीनी सरकार अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों में मतभेदों को खत्म करने पर चर्चा करने की योजना बना रही है। चीन ने मई में कहा था कि अमेरिकी सेमीकंडक्टर निर्माता माइक्रोन साइबर सुरक्षा जांच में विफल रहा है, इसलिए, महत्वपूर्ण चीनी सूचना बुनियादी ढांचे को कंपनी के उत्पादों को खरीदना बंद कर देना चाहिए। तभी से दोनों देशों के बीच नवीनतम व्यापार को लेकर मतभेद हैं। कथित तौर पर अमेरिकी सांसदों ने जवाब में अमेरिकी वाणिज्य विभाग से चीन की एकीकृत सेमीकंडक्टर निर्माता चांगएक्सिन मेमोरी टेक्नोलॉजी को ब्लैकलिस्ट करने का आग्रह किया।

सुडोकू 6300

8			5				9	
5			9				3	1
						8		
3	6			5	4		1	
		1	8		6	9		
	7		1	3			4	6
		5						
7	1				3			9
	3				5			2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान हत्या के आरोप से हुए बरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ हत्या के लिए उकसाने के आरोप वाली एक प्राथमिकी को खारिज कर दिया है। उनके वकील ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जून में खान पर सुप्रीम कोर्ट के वकील अब्दुल रज्जाक की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। रज्जाक के बेटे ने पूर्व प्रधानमंत्री पर अपने पिता की हत्या के पीछे होने का आरोप लगाया था। एक ट्वीट में, खान के वकील नईम हैदर पंजुथा ने कहा- अदालत ने इमरान खान के खिलाफ क्वेटा के बिजली रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया है... एक बार फिर झूठे मामले में इमरान खान जीत गए हैं। न्याय की जीत के लिए पूरे पाकिस्तान को बधाई। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मरने से पहले रज्जाक ने अप्रैल 2022 में विश्वास मत हारने के बाद असंवैधानिक रूप से संसद को भंग कर संविधान का उल्लंघन करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग करते हुए एक आवेदन दिया था।

अमेरिकी ह्वाई हमलों में अल-शबाब के 13 आतंकी ढेर

मोगादिशु। अमेरिकी अफ्रीका कमांड ने रविवार को कहा कि सोमालिया सरकार के अनुरोध पर अमेरिकी सशस्त्र बलों ने अल-शबाब आतंकवादी समूह के खिलाफ हवाई हमला किया जिसमें समूह के 13 आतंकवादी मारे गए। बयान में कहा गया है कि हमला किसमायो शहर से 45 किलोमीटर (27.9 मील) उत्तर-पश्चिम में लक्ष्य पर हुआ। अल-शबाब सोमालिया स्थित जिहादी आतंकवादी समूह है जो अल-कायदा आतंकवादी समूह से जुड़ा हुआ है। यह सोमाली सरकार के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध छेड़ता है और देश में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मिशनों में बाधा डालता है।

वर्ग पहेली 6300

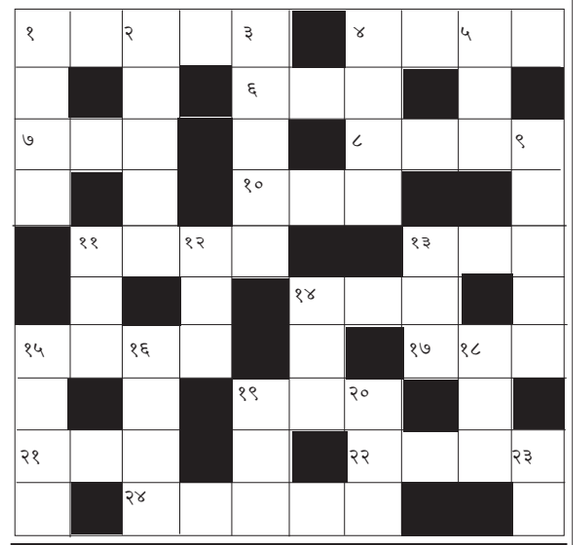

बायें से दायें:-

१. हानिकारक, अपकार करने वाला, अकल्याणकारी
४. 'एजेंट'
६. रुकना, ठहरना, चालू न रहना, बंद हो जाना
७. ओर, पक्ष (उर्दू)
८. झूठ बोलने वाला
१०. जो भारी न हो
११. पूरी ताकत के साथ
१३. अनुवाद (उर्दू)
१४. गुरुता, भारीपन, गौरव, महत्व
१५. बंधुत्व
१६. रानी (उर्दू)
१९. अग्नि
२१. उपवन, बगीचा
२२. अवलंबित होना, आश्रयहीन होकर नीचे की ओर झूलना, टंगना
२४. निर्माण-संबंधी, सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:-

१. चेतनाहीन, जड़
२. पक्षपाती (उर्दू)
३. सारथि
४. छोटी उंगली और बीच की उंगलियों में बीच की उंगली
५. जलपान, नाश्ता
९. दीपावली
११. हित, कल्याण, उपकार
१२. आश्रय, टेक, आलंब, भरोसा, मदद (उर्दू)
१३. संपूर्ण, समस्त (उर्दू)
१४. आकाश, नभ
१५. किस्मतवर
१६. चापलूस
१८. लेखक, लिपिकार
१९. पूज्य, उपासना
२०. लालसा, तीव्र इच्छा
२३. स्त्री, महिला

वर्ग पहेली-6299

द्व	ष्टि	२ गो	च	३ र	■	४ सु	प्र	५ सि	द्ध
ढ़ा	■	पा	■	६ ज	न्मां	ध	■	पा	■
७ यु	ग	ल	■	नी	■	८ र	स	ही	९ न
ध	■	■	■	१० क	स	ना	■	■	र्त्त
■	११ अ	धि	१२ भा	र	■	■	१३ अ	र्त	न
■	चं	■	जि	■	१४ कु	मु	द	■	प्रि
१५ प्र	भा	१६ वि	त	■	मा	■	१७ ब	१८ जा	य
ति	■	ष	■	१९ प	री	२० क्षा	■	य	■
२१ यो	ज	क	■	ह	■	२२ र	ह	ज	२३ नी
मी	■	२४ न्या	या	ल	य	■	■	■	चे

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 29 अगस्त, 2023 श्रावण शुक्ल पक्ष 11

राशिफल

मेष -घर, परिवार और संतान के मामले में आज आपको आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। आज आप सगे- संबंधियों और मित्रों से घिरे रहेंगे। व्यापार को बढ़ाने के लिए कहीं जाना होगा। इसमें लाभ होगा।

वृषभ -विदेश में रहने वाले स्वजन या मित्रों का समाचार मिलने से आपका मन प्रसन्नता का अनुभव करेगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के लिए अनुकूल संयोग बनेंगे। लंबी दूरी की यात्रा करने का अवसर आएगा।

मिथुन -किसी भी प्रकार के अनिष्ट से बचने के लिए आज क्रोध की भावनाओं को नियंत्रण में रखने की जरूरत है। नई दवाई या चिकित्सा शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। खर्च बढ़ जाने से आर्थिक तंगी अनुभव होगी।

कर्क -आज मौज-शौक और मनोरंजन की प्रवृत्ति में आप सराबोर होंगे। मित्रों, परिवार के साथ मनोरंजन के स्थान या पर्यटन पर जाने का अवसर मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन और नए वस्त्राभूषण आदि की खरीदारी होगी। वाहन सुख प्राप्त होगा।

सिंह -आज आपके परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर आप आनंदपूर्वक समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यश, कीर्ति और आनंद की प्राप्ति होगी।

कन्या -आज आपको किसी न किसी कारणवश से मन में चिंता रहेगी। विशेष रूप से संतान और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे। पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत रहेगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई में कठिनाइयां आएंगी।

तुला -अत्यधिक संवेदनशीलता और विचारों के बवंडर से आप मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। माता और महिलाओं के मामले में आपको चिंता रहेगी। यात्रा के लिए आज का दिन अनुकूल न होने से यात्रा करना टालें।

वृश्चिक -आज का दिन खुशी से व्यतीत करेंगे। नए काम की शुरुआत करेंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा। स्वजनों और मित्रों के साथ मुलाकात होगी। किसी छोटी यात्रा के योग हैं। आज आपके काम सफल होंगे।

धनु -आपका आज का दिन मध्यम फलदायी साबित होगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमी पैदा होने के कारण मनमुटाव होगा। आज आपके व्यवहार में दृढ़ता कम होने से कोई भी निर्णय तेजी से नहीं ले सकेंगे।

मकर -आज निर्धारित कार्य सफलता से पूरे होंगे। ऑफिस या व्यवसायिक स्थल पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ -आज किसी का पक्ष ना लें। पैसे की लेन-देन से परहेज करें। खर्च में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद से बचें। किसी के साथ गलतफहमी होने से झगड़ा होगा। क्रोध को नियंत्रण में रखना पड़ेगा।

मीन -आज आपके लिए लाभदायक दिन है। नौकरी व्यवसाय में आय वृद्धि होगी। बुजुर्ग और मित्रों की तरफ से आपको लाभ होगा। नए मित्र बनेंगे। इनसे मित्रता भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी। मांगलिक अवसरों पर जाना होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ताजिकिस्तान में मूसलाधार बारिश से 13 लोगों की मौत

दुशांबे, 28 अगस्त (एजेंसियां) पश्चिमी ताजिकिस्तान में मूसलाधार बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई है। राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन की प्रेस सेवा ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, कल (रविवार को) मूसलाधार बारिश के कारण 13 लोगों की मौत हो गई, जिसमें वाहदत शहर में 11 और रुदाकी के पास दो अन्य लोग शामिल हैं। प्रेस सेवा ने कहा, श्री रहमोन ने पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री और आपातकालीन स्थिति समिति को प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने के निर्देश दिये। आपातकालीन समिति की प्रवक्ता उमेदा यूसुफी ने बताया कि रविवार को देश में हुई बारिश के कारण दुशांबे, वाहदत और गिसार शहरों तथा रुदाकी, वरज़ोब, देवाश्तिच, रश्त, सांगवोर एवं तोजिकोबोड जिलों में भूस्खलन और चट्टानें गिरीं। उन्होंने कहा कि वाहदत के चार क्षतिग्रस्त गांवों में 100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। ताजिक राजधानी दुशांबे के पास कई घर और संपत्तियां भूस्खलन से प्रभावित हुईं, 14 कारें कीचड़ में फंस गईं। सड़कें, सुविधाएं और पांच पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए। आपातकालीन समिति वर्तमान में क्षति के पैमाने का आकलन कर रही है। एक उपप्रधानमंत्री, आयोग के प्रमुख और भूमि सुधार तथा सिंचाई एजेंसी के प्रमुख वाहदत एवं रुदाकी में आपदा स्थलों के लिए रवाना हो गए हैं।

मिस्र, इतालवी विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की

■ लीबिया की स्थिति पर भी की चर्चा

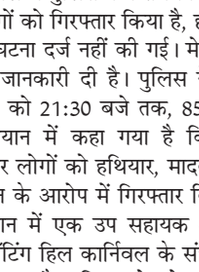

काहिरा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी और उनके इतालवी समकक्ष एंटोनियो तजानी ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्री तजानी ने नाइजर में विकास के बारे में शौकरी के आकलन और नाइजर और क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने के लिए राजनयिक माध्यमों से संकट को हल करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने लीबिया की स्थिति पर भी चर्चा की, जहां शौरी ने अपने इतालवी समकक्ष को राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति में विकास के संबंध में मिस्र के दृष्टिकोण से अवगत कराया। श्री शौकरी ने उन समाधानों का समर्थन करने के तरीकों की भी समीक्षा की जो लीबिया में जल्द से जल्द संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव कराना सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा दोनों शीर्ष राजनयिकों ने अवैध आप्रवासन सहित भूमध्यसागरीय क्षेत्र में सामान्य स्थितियों और चुनौतियों को संबोधित किया।

अत्याधुनिक जासूसी विमानों की परीक्षण उड़ानें शुरू

जेरूसलम। इजराइल की सेना ने खुफिया प्रणालियों से लैस गल्फस्ट्रीम जी550-आधारित टोही विमान ओरॉन का परीक्षण उड़ान शुरू कर दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि सेना ने खुफिया प्रणालियों को अत्याधुनिक ओरोन विमानों की परीक्षण उड़ानें शुरू कर दी हैं। मंत्रालय ने कहा, यह विमान इजरायली सेना को अभूतपूर्व खुफिया क्षमताएं प्रदान करेगा, इससे खराब मौसम में भी जमीनी गतिविधियों की वास्तविक समय पर निगरानी की जा सकेगी। रक्षा मंत्रालय की मिशनीकृत विमान शाखा के प्रमुख ने कहा कि ओरोन एक संयुक्त मल्टी-डोमेन, मल्टी-सेंसर विमान है, जो इज़राइली रक्षा बलों को खतरों का मुकाबला करने के लिए शक्ति प्रदान करेगा।

'उत्तर कोरिया ने आर्थिक कठिनाइयों के कारण सीमा फिर से खोली'

सियोल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने तीन साल से अधिक समय तक सख्त वायरस प्रतिबंधों के बाद अपनी सीमा को फिर से खोलने का फैसला किया है, इसका मुख्य कारण बंद से होने वाली आर्थिक चुनौतियां हैं।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के बारे में कम चिंताओं के बीच विदेश में अपने नागरिकों को घर लौटने की अनुमति दी है। इस निर्णय से उसने अपनी सीमा को फिर से खोलने की आधिकारिक घोषणा कर दी। मंत्रालय के एक प्रवक्ता कू ब्यूंग-सैम ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा, ऐसा माना जाता है कि अपनी सीमा बंद होने के कारण, उत्तर कोरिया को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, और कर्मियों के आदान-प्रदान अवरुद्ध होने के कारण संभवत: कई असुविधाएं हुईं। फिर भी, मंत्रालय ने उत्तर कोरिया के नवीनतम कदम को सीमित सीमा को फिर से खोलने के रूप में देखा, क्योंकि उत्तर ने केवल विदेश में अपने नागरिकों की वापसी को मंजूरी दी है। उसने यह उल्लेख नहीं किया है कि वह विदेशियों को प्रवेश की अनुमति कब देगा। नवीनतम निर्णय से, विदेशों में रहने वाले अधिक उत्तर कोरियाई राजनयिकों, मजदूरों और छात्रों के वापस लौटने की उम्मीद है। ऐसी भी चिंताएं हैं कि चीन से उत्तर कोरियाई दलबदलुओं को जबरन उत्तर कोरिया में वापस भेजा जा सकता है। एकीकरण मंत्रालय ने चीन में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए उत्तर कोरियाई दलबदलुओं के संभावित प्रत्यावर्तन के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की।

लंदन में नॉटिंग हिल कार्निवल के दौरान 85 लोग गिरफ्तार

लंदन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। लंदन के नॉटिंग हिल जिले में पुलिस ने कैरेबियन कार्निवल के पहले दिन 85 लोगों को गिरफ्तार किया है, हालांकि इस दौरान कोई गंभीर घटना दर्ज नहीं की गई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस सेवा ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने एक बयान में कहा, रविवार को 21:30 बजे तक, 85 गिरफ्तारियां हो चुकी थीं। बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए ज्यादातर लोगों को हथियार, मादक पदार्थ रखने या यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

बयान में एक उप सहायक आयुक्त एडे एडेलकन और नॉटिंग हिल कार्निवल के संचालन प्रमुख के हवाले से कहा गया, "सा कि हमने हमेशा देखा है कि बहुत बड़ी भीड़ लंदन और उसके बाहर से आ रही है... जहां भी ऐसा होगा, हमारे अधिकारी निर्णायक रूप से जवाब देंगे, जो अब तक की गई 85 गिरफ्तारियों से स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियों की संख्या कार्निवल के पहले दिन पुलिस की अपेक्षाओं के अनुरूप 'मोटे तौर पर सुसंगत' थी। पुलिस ने यह भी कहा कि सुरक्षा अभियानों की बदौलत पहला दिन बिना किसी गंभीर घटना के बीता।

आज का इतिहास

1612 - सूरत की लड़ाई में अंग्रेजों ने पुर्तगालियों को हराया।
1833 - ब्रिटिश दास उन्मूलन अधिनियम ने कानून का रूप लिया।
1842 - ग्रेट ब्रिटेन और चीन ने नानकिंग की संधि पर हस्ताक्षर किये।
1914 - न्यूजीलैंड के सैनिकों ने जर्मन समोआ पर कब्जा किया।
1916 - अमेरिकी कांग्रेस ने जोन्स अधिनियम को स्वीकृति प्रदान की- फिलीपींस को मिली स्वतंत्रता।
1932 - नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में अंतर्राष्ट्रीय युद्ध-विरोधी समिति का गठन।
1941 - रूस में जर्मन इंस्तजकमांडो ने 1469 यहूदी बच्चों की हत्या की।
1945 - ब्रिटेन ने हांगकांग को जापान से मुक्त कराया।
1957 - कांग्रेस ने नागरिक अधिकार अधिनियम, 1957 पारित किया।
1974 - चौधरी चरण सिंह की अध्यक्षता में लोकदल पार्टी की स्थापना।
1976 - बंगाल के कवि एवं महान क्रांतिकारी काजी नजरुल इस्लाम का बंगलादेश के ढाका में निधन।
1996 - आर्कटिक द्वीप के स्पिट्सबर्गेन की पहाड़ी में वनुकोवो एयरलाइंस के एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 141 लोगों की मौत।
1998 - पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित।
2012- चीन में सिचुआन प्रांत के शियाओजियावान कोयला खदान में हुए विस्फोट से कम से कम 26 चीनी श्रमिकों की मौत हो गयी जबकि 21 लापता हो गये।
2014- फिल्म 'गांधी' के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले निर्देशक रिचर्ड एटनबरा का निधन।

आयोजन इराकी विदेश मंत्रालय ने बगदाद में आयोजित किया समारोह

इराक, चीन ने राजनयिक संबंधों की 65वीं वर्षगांठ मनाई

बगदाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इराकी विदेश मंत्रालय ने इराक और चीन दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर बगदाद में एक समारोह आयोजित किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के बारे में इराकी उप मंत्री मोहम्मद हुसैन बहर अल-उलूम ने अपने भाषण में कहा, इराकी-चीनी दोस्ती ऐतिहासिक है और दोनों देशों के बीच मित्रता की जड़ें कई दशकों से मजबूत हैं। उन्होंने कहा, 65 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों ने सम्मान और पारस्परिक लाभ के आधार पर काफी प्रगति की है। इराक में चीनी राजदूत कुई वेई ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरी पारंपरिक मित्रता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन सिल्क रोड ने 2,000 साल से भी पहले दोनों लोगों को जोड़ा था। श्री कुई ने कहा, पिछले 65 वर्षों में, चीन और इराक ने हमेशा एक-दूसरे को समझा, भरोसा किया है तथा हर मुद्दे पर एक-दूसरे का समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि बेल्ट एंड रोड पहल के तहत चीनी कंपनियां इराक में तेल और बिजली परियोजनाओं में व्यापक रूप से तथा गहराई से शामिल हैं। उन्होंने देश की आर्थिक वृद्धि और लोगों की आजीविका में सुधार के लिए महान योगदान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इराक वर्तमान में पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र में चीन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है जबकि चीन इराकी तेल का सबसे बड़ा विदेशी खरीदार है।

चीन के कई क्षेत्र एकीकृत विकास को दे रहे बढ़ावा

बीजिंग। चीनी परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीन की ऊर्जा खपत संरचना में परिवहन उद्योग में ऊर्जा खपत लगभग 17 प्रतिशत है। परिवहन उद्योग की ऊर्जा संरचना में, हरित बिजली का अनुपात कम है। इसलिए हरित ऊर्जा विकसित करने की संभावना बहुत बड़ी है। कई क्षेत्र नई ऊर्जा और परिवहन के एकीकृत विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। शिनच्यांग का पहला एक्सप्रेसवे दोहरी ऊर्जा भंडारण स्व-सुसंगत फोटोवोल्टिक बिजली आपूर्ति प्रणाली आधिकारिक तौर पर अल्ताई- उरुमुछी एक्सप्रेसवे के एक सेवा क्षेत्र में बिजली उत्पादन के लिए ग्रिड से जुड़ी हुई थी और परीक्षण संचालन में डाली जा चुकी है। यह प्रणाली रेगिस्तान के जटिल ऑपरेटिंग जलवायु वातावरण के लिए अनुकूलित ऊर्जा भंडारण प्रदर्शन प्रणालियों के दो सेटों से सुसज्जित है। ताकि सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह प्रणाली सालाना 7,10,000 किलोवाट बिजली उत्पन्न कर सकती है, जो प्रति वर्ष 285 टन मानक कोयले की बचत के बराबर है।

दुनिया को जानें

जापान का पहला चंद्र मॉड्यूल प्रक्षेपण स्थगित

टोक्यो, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मौसम की खराबी के कारण जापान के स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जॉक्सा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जापान का पहला एसएलआईएम चंद्र मॉड्यूल तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से एच-आईआईए लॉन्च वाहन पर प्रक्षेपण किया जाना था। मार्च में नए एच3 रॉकेट की विफलता के बाद यह एजेंसी द्वारा किया गया पहला प्रक्षेपण है। जॉक्सा ने रॉकेट के उड़ान भरने की उम्मीद से 23 मिनट पहले प्रक्षेपण रद्द करने की घोषणा की।

प्रादेशिकी

जीएसटी चोरी, मंडी गोबिंदरगढ़ में 60 वाहन जब्त: चीमा

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। लोहा और स्टील उद्योग में वस्तुएं और सेवाओं कर (जीएसटी) की चोरी का पता लगाने के लिए चल रही विशेष मुहिम के अंतर्गत कराधान विभाग के मोबाइल विंग्स द्वारा मंडी गोबिन्दगढ़ में औचक कार्यवाही के दौरान 12 भट्ठियों (फर्नेस) की जांच की गई और 60 वाहन ज़ब्त किये गए। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने सोमवार को बताया कि यह कार्यवाही स्टेट इन्वेस्टिगेशन एंड प्रीवेंटिव यूनिट (सीपू), रोपड़, पटियाला, शंभू और जालंधर के मोबाइल विंग्स द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी लोहे के कबाड़ और तैयार माल को ले जाने वाले वाहनों की जांच करने पर केंद्रित थी और ज़ब्त किये गए ज़्यादातर वाहनों में ढुलाई किये जा रहे सामान के अनुसार ज़रुरी ई-वे बिलों की कमी थी।

डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना से संवरेगा युवाओं का भविष्य

पात्र विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए 20 लाख रुपए का ऋण प्रदान करने की सुविधा

शिमला, 28 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां कहा कि राज्य सरकार ने पात्र हिमाचली विद्यार्थियों को एक प्रतिशत ब्याज की दर पर ऋण प्रदान करने के लिए वित्त वर्ष 2023-24 से डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि इस योजना से यह सुनिश्चित होगा कि राज्य का कोई भी युवा वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण उच्च या व्यावसायिक शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार की वार्षिक आय 4 लाख रुपये से कम है, उस परिवार का छात्र इस योजना के तहत ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां बैंक को शुल्क राशि की पहली किस्त जारी करने में समय लग रहा है, संबंधित संस्थान को शुल्क राशि की पहली किस्त जारी करने के लिए सभी जिलों के उपायुक्त कार्यालय के स्तर पर एक कोष बनाया जाएगा ताकि छात्र को संस्थान में प्रवेश लेने में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग से पात्र छात्रों द्वारा लिए गए शिक्षा ऋण के बदले ब्याज सब्सिडी का दावा करने के लिए नोडल बैंक नामित करेगी। उन्होंने कहा कि नोडल बैंक उच्च शिक्षा विभाग के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करेगा। उन्होंने कहा कि ऋण लेने वाले विद्यार्थियों को अपनी पसंद के संस्थान में प्रवेश पाने से पहले पोर्टल पर अपना पंजीकरण करना होगा और योजना के तहत अपने आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इसके पश्चात विद्यार्थी को प्रवेश में चयनित होने का प्रमाणन करने से संबंधित दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली कक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र व्यावसायिक व तकनीकी शिक्षा जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन, पैरा मेडिकल फार्मेसी, नर्सिंग, विधि इत्यादि में डिप्लोमा व डिग्री कोर्स तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, बहुतकनीकी संस्थानों से तकनीकी कोर्स तथा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पी.एच.डी. करने के लिए एक प्रतिशत ब्याज़ की दर से ऋण लेने के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक ऋण की सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों के पंजीकरण एवं प्रवेश तिथि को आयु सीमा 28 वर्ष निर्धारित की गई है।

सुक्खू ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़, बादल फटने और भू-स्खलन के कारण हुई जान-माल की क्षति से अवगत करवाया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे राहत कार्यों और प्रभावितों के पुनर्वास के लिए किए गए कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है और सड़क एवं परिवहन व्यवस्था को सुचारू किया जा रहा है।

हिमाचल की 22 लाख महिलाएं को 2970 करोड़ का इंतजार : भाजपा

शिमला, 28 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मिधर सूद, पायल वैद्या और सचिव डेजी ठाकुर ने कहा की हिमाचल प्रदेश की 22 लाख महिलाएं आज भी उसे कांग्रेस नेताओं की गारंटी का इंतजार कर रही है जो उन्होंने चुनाव के समय में दी थी। हम हिमाचल की सभी महिलाओं की ओर से कांग्रेस को याद दिलाना चाहेंगे कि कांग्रेस सरकार ने कहा था की जैसी वह सत्ता में आएंगे और उसके आते ही कांग्रेस के नेता सभी हिमाचल प्रदेश की महिलाओं को 1500 रु प्रतिमाह देना शुरू कर देंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि जब से कांग्रेस सत्ता में आई है तब से कुंभकरण की नींद सो गई है। पहली कैबिनेट में गारंटी पूरी करने वाली कांग्रेस को 9 महीने बाद भी यह स्मरण नहीं हो पा रहा है की उन्होंने चुनावों के समय क्या क्या गारंटी जनता को दी थी। अगर गौर से देखा जाए तो हिमाचल प्रदेश में 22 लाख महिलाएं हैं, 9 महीने बीत चुके हैं और अगर 1500 रु प्रति महीने देने हो तो हर महीने के हिसाब से एक महिला को अभी तक 13500 रु खाते में पहुंच जाने चाहिए थे। भारतीय जनता पार्टी मांग करती है कि हिमाचल प्रदेश की महिलाओं को उनका हक जल्द से जल्द दिया जाए। आज भी 22 लाख महिलाएं 2970 करोड़ का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा की 2970 करोड़ हिमाचल की सुक्खू सरकार की 22 लाख महिलाओं को 9 महीने की देनदारी है। यह हक को कांग्रेस सरकार को हिमाचल की नारी शक्ति को देना ही होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सचिवों के साथ 'मंडे मीटिंग' में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ऋणों की पुनःसंरचना पर होगा विचार

शिमला, 28 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश सरकार की विकास परियोजनाओं और प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए आज यहां आयोजित सभी प्रशासनिक सचिवों की 'मंडे मीटिंग' की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी प्रशासनिक सचिवों को लंबित परियोजनाओं के कार्य में तेज़ी लाने के निर्देश दिए ताकि इन इनका लाभ लोगों तक शीघ्र पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने डिजिटल कार्य पद्धति के महत्व पर बल देते हुए अधिकारियों से कार्य निष्पादन में तेजी लाने के दृष्टिगत ई-फाइल प्रणाली का उपयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हाल ही में आई आपदा के दृष्टिगत सरकार प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत प्रदान करने के दृष्टिगत उनके लिए ऋण पुन:संरचना के विकल्प पर विचार कर रही है। उन्होंने इस संबंध में एक व्यापक कार्य योजना की आवश्यकता पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में हाल ही में 3671 अनाथ बच्चों का नामांकन हुआ है और इन सभी को इस योजना के दायरे में शामिल किया जायेगा। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विभिन्न विभागों के विश्राम गृहों की दरों में समानता लाने के निर्देश दिए और कहा कि विश्राम गृहों की बुकिंग भी ऑनलाइन की जाएगी ताकि इसमें भी पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने राज्य में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों को बचाए रखने के लिए एक उन्नत प्रणाली विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केन्द्रित करना समय की मांग है और वन विभाग को इस दिशा में तत्परता से कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़कों के सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और प्रदेशवासियों को स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पेयजल परियोजनाओं में यूवी-तकनीक-आधारित फिल्टर प्रणाली के कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से रोबोटिक सर्जरी शुरू की जा रही है और स्वास्थ्य विभाग को इस पर समयबद्ध कार्य करना चाहिए। उन्होंने प्रस्तावित पर्यटन परियोजनाओं की भी समीक्षा की और उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अतिरिक्त सेब से सिरका और वाइन उत्पादन के लिए एक संयंत्र की स्थापना पर विचार करें। इसके अतिरिक्त टमाटर प्यूरी, पपीता पाउडर और आलू का पेस्ट जैसे उत्पाद तैयार करने की संभावनाएं भी तलाशी जाएं ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

सार संक्षेप

बैंक के सुरक्षा गार्ड ने गोली मार कर की आत्महत्या

हिसार। हरियाणा में यहां शहर में डाबड़ा चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक के एक सुरक्षा गार्ड ने बैंक के बाथरूम में खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि बैंक कर्मचारियों ने बाथरूम से गोली चलने की आवाज सुनी और इसका दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो यह अंदर से बंद था। बैंक कर्मियों ने इसकी अर्बन एस्टेट थाना पुलिस को सूचना दी। मृतक की शिनाख्त डाया गांव निवासी नरेश कुमार (51) के रूप में की गई है। वह बैंक की कैश वैन के साथ रहता था। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे वह डाबड़ा चौक स्थित बैंक में कैश वैन के साथ कैश लेने के लिए आया और इस दौरान बाथरूम में चला गया तथा वहां खुद को गोली मार ली। पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है।

पूर्व विधायक रण सिंह बेनीवाल के निधन पर विस. में शोक

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान सोमवार को सदन में पूर्व विधायक चौधरी रण सिंह बेनीवाल के निधन पर शोक व्यक्त कर शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की गई। सदन के नेता और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। इनके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता और विपक्ष की ओर से विधायक आफताब अहमद ने भी शोक प्रस्ताव पढ़कर अपनी ओर से दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। सदन के सभी सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की। श्री बेनीवाल का गत 26 अगस्त को निधन हुआ था। उनका जन्म एक जनवरी, 1935 को हुआ तथा उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन सरपंच के रूप में शुरू किया था। वह वर्ष 1980 में हरियाणा विधानसभा के सदस्य चुने गये।

मैजेस्टिक एक्सपो में महिलाओं ने कर दिखाया 50 लाख से ज्यादा का कारोबार

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर में रानीबाजार स्थित उत्सव ऋषभ गार्डन में चल रहे तीन दिवसीय मैजेस्टिक एक्सपो का समापन शानदार बिक्री एवं उत्साह के साथ हुआ। तीसरे दिन ग्राहकों का तो जैसे सैलाब ही उमड़ पड़ा। महिलाओं ने जमकर खरीददारी की। इसके चलते एक्सपो में काउंटर लगाने वाली महिला कारोबारियों के चेहरे खिले हुए थे। आयोजन प्रभारी राखी चौरड़िया ने बताया कि मेजेस्टिक एक्सपो फैशन एंड लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन को लेकर कारोबारियों के साथ ग्राहकों में जबरदस्त जोश देखने को मिला। यहां तक की कई कस्टमर्स तो एक्सपो की अवधि बढ़ाने अथवा जल्द ही फिर से लगाने की डिमांड करते नजर आए। उन्होंने बताया कि इस मेले में तीन दिन में करीब 50 लाख से ज्यादा की सेल का आंकड़ा सामने आया है।

सुडोकू 6300 का हल

8	2	3	5	1	7	6	9	4
5	4	7	9	6	8	2	3	1
1	9	6	3	4	2	8	7	5
3	6	9	2	5	4	7	1	8
4	5	1	8	7	6	9	2	3
2	7	8	1	3	9	5	4	6
9	8	5	4	2	1	3	6	7
7	1	2	6	8	3	4	5	9
6	3	4	7	9	5	1	8	2

सामग्री के दुरुपयोग के लिए पीएसपीसीएल के तीन अधिकारी निलंबित : ईटीओ

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के ऊर्जा एवं लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने सोमवार को यहां बताया पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पी.एस.पी.सी.एल) ने कॉर्पोरेशन की सामग्री का दुरुपयोग करने के लिए एक अतिरिक्त एस.ई. और दो एस.डी.ओ को निलंबित कर दिया है। ई.टी.ओ ने बताया कि पिछले समय के दौरान पी.एस.पी.सी.एल. के कुछ अधिकारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के मामलों का गंभीर नोटिस लेते हुए एक अतिरिक्त एस.ई. सुखदर्शन पाल सिंह और दो एस.डी.ओ ज्ञान सिंह और हरमनदीप सिंह के विरुद्ध पी.एस.पी.सी.एल की सामग्री जैसे कि ए.सी.एस.आर कंडक्टर और 66 के.वी. के केवलों का दुरुपयोग करने पर तुरंत कार्यवाही की गई है। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को दो अलग-अलग मामलों में पी.एस.पी.सी.एल द्वारा प्राथमिक जांच के बाद निलंबित किया गया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इन मामलों में चीफ़ इंजीनियरों और सुपरिटेंडेंट इंजीनियरों और अन्य अधिकारियों के शामिल होने की भी जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया गया उसे बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के किसी भी स्तर पर किसी भी कर्मचारी द्वारा की गई भ्रष्ट कार्यवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और भविष्य में भी दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जायेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल के दौरान 400 से अधिक भ्रष्ट व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की है।

डेंग, चिकनगुनिया का उपचार मुफ्त किया जाए: प्रो चावला

अमृतसर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो लक्ष्मीकांता चावला ने पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह से राज्य में फैले डेंगू, चिकनगुनिया और वायरल बुखार का उपचार मुफ्त करने की मांग की है। प्रो चावला ने सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिख कर कहा कि डेंगू, चिकनगुनिया और वायरल बुखार के कारण अमृतसर के हालात बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जितना प्रबंध है, मरीज उससे ज्यादा हैं। आप इस बीमारी को गंभीरता से लें। सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं के आभाव में लाखों रुपये खर्च करके लोग प्राइवेट अस्पतालों में पड़े हैं। वहां भी मरीजों की संख्या ज्यादा होने के कारण एक एक कमरे में दो या तीन मरीज रखे गये हैं। प्रो चावला ने कहा कि डेंगू मरीजों को प्लेट्लेट्स आदि बिना किसी खर्च के दिए जाएं और दवाइयां भी सरकार दे।

राज्य के 34,784 जरूरतमंद परिवारों को घर बनाकर सौंपे : लालजीत सिंह भुल्लर

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने सोमवार को बताया कि विभाग द्वारा गाँवों के ज़रूरतमंद परिवारों को पक्का घर मुहैया करवाने की मुहिम के तहत अब तक योग्य लाभार्थियों को 34,784 घर बनाकर सौंपे जा चुके हैं। श्री भुल्लर ने बताया कि राज्य को रंगला पंजाब बनाने के लक्ष्य के अंतर्गत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के ज़रिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पी.एम.ए.वाई. (जी) स्कीम के अंतर्गत विभाग द्वारा 40,326 घर मंजूर किए गए थे, जिनमें से 34,784 घर बनाकर योग्य लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि शेष 5559 मकानों के निर्माण के लिए लाभार्थियों को 21.23 करोड़ रुपये की धनराशि आज जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ये मकान इस साल दिसंबर महीने तक मुकम्मल कर लिए जाएंगे। श्री भुल्लर ने बताया कि स्कीम के अंतर्गत पक्का घर मुहैया करवाने के लिए योग्य लाभार्थियों को जारी की गई 21.23 करोड़ रुपए की राशि में से 1139 लाभार्थियों को पहली किश्त के तौर पर 30-30 हज़ार रुपए और 1712 लाभार्थियों को दूसरी किश्त के तौर पर 72-72 हज़ार रुपए और 3051 लाभार्थियों को तीसरी किश्त के तौर पर 18-18 हजार रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पी.एम.ए.वाई. (जी) योजना के तहत सरकार द्वारा उन ज़रूरतमंदों को पक्का मकान मुहैया करवाया जाता है जिनके पास अपना घर ना हो या वह कच्चे घरों/तंबुओं में रहते हों। उन्होंने ने बताया कि पक्के घरों में एक रसोई और पखाने के अलावा बिजली कनेक्शन, पीने वाले पानी का कनेक्शन, सिलेंडर के साथ-साथ मनरेगा स्कीम के अंतर्गत 90 दिनों का रोजग़ार, पशुओं के लिए कैटलशैड, सोकपिट और वर्मी कम्पोस्डपिट की सुविधा भी मुहैया करवाई जाती है।

नीरज चोपड़ा की ऐतिहासिक उपलब्धि पर खट्टर ने दी बधाई

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अंतरराष्ट्रीय एथलीट नीरज चोपड़ा के विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी है। श्री खट्टर ने सोमवार को यहां राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन को इस सम्बंध में सम्बोधित करते हुए कहा कि नीरज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश दोनों को फिर से गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि नीरज विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले देश के पहले एथलीट बने हैं। उन्होंने नीरज के परिवार, कोच और सभी खेल प्रेमियों को भी बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नीरज चोपड़ा के निरंतर प्रयासों से वैश्विक मंच पर हरियाणा और देश को और अधिक जीत हासिल होंगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए राज्य सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराई और आश्वस्त किया कि खेलों को बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखेगी, जिससे एथलीटों को अपने हुनर का प्रदर्शन करने और सफल होने के लिए एक मंच मिलेगा।

सुखबीर बादल ने कहा, बासमती निर्यात पर प्रतिबंध भेदभावपूर्ण

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को केंद्र के चावल के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने के फैसले को 'भेदभावपूर्ण' बताया और इसकी समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने 1,200 डॉलर प्रति टन से सस्ते बासमती चावल पर लगाए गए प्रतिबंध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'जब भी हमारे किसान वैश्विक चावल की कीमतों में वृद्धि से लाभान्वित होते हैं, केंद्र इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा देता है। यह भेदभावपूर्ण है। प्रतिबंध को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए।' सरकार का दावा है कि इस कदम का उद्देश्य गैर-बासमती चावल को

पुनर्वर्गीकृत करके उसका निर्यात करने की जालसाजी को रोकने के लिए सस्ते बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा, 'हालांकि इसका असर बासमती चावल के निर्यात पर भी पड़ेगा।' गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध और उबले चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने को एक और किसान विरोधी निर्णय करार देते हुए बादल ने कहा, 'ऐसे प्रतिबंधों की बजाय केंद्र सरकार को देश की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाना चाहिए।'

इस बात पर जोर देते हुए कि वैश्विक कीमतों की तुलना में कम एमएसपी पर अपनी धान बेचने के लिए मजबूर होने से किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है, बादल ने कहा, 'अब जब चावल के उच्च निर्यात मूल्य के कारण उन्हें लाभ होने वाला है, तो इसका निर्यात प्रतिबंधित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा कि पिछले साल केंद्र सरकार द्वारा गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से किसानों को वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतों में वृद्धि के लाभ से वंचित कर दिया गया था।

पर्यटन इकाइयों का कार्य सुगम बनाने के लिए होंगे विभिन्न प्रावधान

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिये जाने की बजट घोषणा की क्रियान्विति में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यटन विभाग से प्राप्त विभिन्न प्रस्तावों का प्रशासनिक अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री की इस स्वीकृति से पर्यटन इकाइयों का कार्य सुगम होगा। श्री गहलोत द्वारा दी गई स्वीकृति से पूर्व में स्वीकृत दस्तावेजों के साथ-साथ अन्य दस्तावेजों के आधार पर भी पर्यटन इकाइयों के पक्ष में एंटाइटलमेंट सर्टिफिकेट जारी किया जा सकेगा। इसके तहत आरटीडीसी तथा आरएसएचसी की इकाइयों के कार्यकारी निदेशक की स्वघोषणा, राज्य सरकार के अधीन राजकीय संग्रहालय के लिए निदेशक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की स्वघोषणा, केन्द्र सरकार के अधीन राजकीय संग्रहालय से संबंधित मंत्रालय के राज्य में पदस्थापित वरिष्ठतम अधिकारी की स्वघोषणा, रीको औद्योगिक क्षेत्रों में होटल प्रयोजनार्थ आवंटित भूखण्डों के संबंध में भू आवंटन आदेश एवं ग्रामीण क्षेत्र में राजस्व विभाग/जिला कलक्टर द्वारा भू-संपरिवर्तन आदेश के आधार पर भी एंटाइटलमेंट सर्टिफिकेट जारी किया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार सभी इकाइयों से बिजनेस रजिस्ट्रेशन नम्बर लिया जाना अनिवार्य किया जाएगा वहीं 10 या अधिक कमरों के होटल, बजट होटल एवं मोटल को भी पर्यटन इकाई के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।

नूंह हिंसा, विस में हंगामा, विपक्ष अदालती जांच पर अड़ा, विज बोले कांग्रेस का हाथ

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने नूंह घटना को बहुत ही गलत करार देते हुए सोमवार को कहा कि इस सिलसिले में अब तक लगभग 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। श्री विज ने राज्य विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान कांग्रेस द्वारा नूंह हिंसा की उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से जांच कराने की मांग को लेकर किये गये हंगामें के बीच कहा कि राज्य में उनकी प्रजातांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार है तथा इसमें हर धर्म के लोगों को अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार धार्मिक गतिविधियों को करने की इजाजत है। उन्होंने कहा कि नूंह घटना में अब तक जो जांच हुई है उसके तहत 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे हुई पूछताछ में इस हिंसा के पीछे कांग्रेस का हाथ होने की बात सामने आई है। श्री विज यहीं नहीं रूके उन्होंने कहा कि नूंह हिंसा के सिलसिले में फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान के खिलाफ भी सबूत मिले हैं। पुलिस ने उन्हें जांच में शामिल होने के लिये नोटिस जारी किया है।

उनके इस बयान का सदन में कांग्रेस सदस्यों ने प्रतिकार किया तथा हंगामे की स्थिति बनती देख विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने सदन की कार्यवाही दूसरी बार भोजनकाल तक के लिये स्थगित कर दी। इससे पहले सदन इस मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण आधे घंटे के लिये स्थगित किया गया था।

भोजनावकाश के बाद जैसे ही बैठक शुरू हुई तो विपक्ष और कांग्रेस विधायल दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि श्री विज ने अपने बयान में कांग्रेस का नाम लिया है ऐसे में इस मुद्दे पर अब सदन में चर्चा होनी चाहिये। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने से भाग रही है। वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मामला उच्च न्यायालय में सुनवाई के अधीन है ऐसे में इस पर सदन में चर्चा नहीं कराई जा सकती। श्री हुड्डा और अन्य कांग्रेस सदस्यों भरत भूषण बतरा, रघुबीर सिंह कादियान और किरण चौधरी समेत अन्य पार्टी सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने जब इस मामले की सदन में चर्चा कराने की मांग की तो सरकार ने इसके अदालत में सुनवाई अधीन होने की आड़ लेते हुये इस पर चर्चा कराने से इनकार कर दिया लेकिन अब श्री विज इसी मामले में सदन में बयान दे रहे हैं। वहीं श्री हुड्डा ने श्री विज के बयान से कांग्रेस का नाम निकालने का अनुरोध किया। इस पर श्री गुप्ता ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाएगा। हालांकि कुछ कांग्रेसी सदस्यों का कहना था कि यह बयान अब मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक हो चुका है तथा इसे अब कार्यवाही से निकालने का क्या फायदा है।

श्री हुड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह बयान दिया है कि नूंह हिंसा के पीछे कोई सोची समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि सरकार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में घटना की जांच करा ले तो यह साजिश सामने आ जाएगी साथ ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और जनता को भी साजिश और सच्चाई क्या है इसके बारे में पता चल जाएगा।

निर्माण कार्यों के लिए एसटीपी से उपचारित जल का उपयोग करें : बाजवा

जालंधर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में जालंधर के अतिरिक्त जिला उपायुक्त (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने सोमवार को जिला पर्यावरण योजना की प्रगति का जायज़ा लेते हुए निर्माण कार्य, सड़क छिड़काव के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित पानी का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यहां जिला प्रशासनिक परिसर में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) जसबीर सिंह के साथ जिला पर्यावरण कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री बाजवा ने कहा कि निर्माण कार्यों के लिए भूजल के उपयोग पर प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने, सड़कों पर छिड़काव के अलावा निर्माण कार्यों के लिए लोगों को एसटीपी से उपचारित जल निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि भूमिगत जल को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे नगर निगम/परिषदों की आय में भी वृद्धि होगी। जिला पर्यावरण योजना के तहत कार्य योजना के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों को निर्धारित समय में पूरा करने पर जोर देते हुए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने भाग लेने वाले विभागों को प्रगति रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि रिपोर्ट पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को समय पर भेजी जा सके। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए।

प्रादेशिकी

सोनभद में वनकर्मियों और आदिवासियों में मारपीट, तीन घायल

सोनभद्र,28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के मांची क्षेत्र में सोमवार को आदिवासियों और वनकर्मियों के बीच हुए संघर्ष में तीन वनकर्मी घायल हो गए। केवटम गांव के वन क्षेत्र में मवेशी चले जाने पर आदिवासियों और वन कर्मियों के बीच मारपीट हो गई। आदिवासियों का आरोप है कि वन क्षेत्र में मवेशी चले जाने पर वन विभाग के कर्मचारियों ने उसे बांध लिए और जब वापस लेने पहुंचे तो उनकी पिटाई कर दी। विरोध करने पर वन चौकी पर तैनात कर्मचारियों ने बंदूक निकाल कर हवाई फायरिंग किए। वन विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि चौकी पर सोमवार को ग्रामीणों ने घेराव कर पथराव किए। इसमें रेंजर व दो वन दरोगा को चोट आई है। अन्य कर्मियों ने चौकी के अंदर घुसकर खुद को बचाया।

उत्तर प्रदेश में बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करेगी सरकार : योगी

■ ओम प्रकाश शुक्ला

फर्रुखाबाद,28 अगस्त (देशबन्धु)। राजेपुर थाना क्षेत्र जमापुर में बाढ़ पीड़ित लाभार्थियों को राहत सामग्री का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वितरण किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव,सांसद मुकेश राजपूत, विधायक सुनील दत्त द्विवेदी,जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता,अमृतपुर उप जिला अधिकारी, जिलाधिकारी, एसपी फर्रुखाबाद व प्रभारी मंत्री व अन्य विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने 20 मिनट तक मंच पर खड़े होकर भाषण दिया। योगी ने कहा फर्रुखाबाद जनपद कई दिनों से बाढ़ की चपेट में है वर्तमान में 700 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पूरे प्रदेश में 12 जनपद ऐसे है जिनमें सबसे ज्यादा बारिश हुई है । 53 जनपदों में बारिश से प्रदेश में गंगा नदी उत्तराखंड, बदायूं, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, बाराबंकी, अयोध्या व बलिया गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर है जिससे गांव में बाढ़ सी आ गई है। फर्रुखाबाद व बदायूं जनपद में बाढ़ से बचाओ हेतु एनडीआरएफ कंपनी भी लगाई गई हैं पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री भी दी जा रही है। अब तक 45 हजार 900 से अधिक सामग्री वितरण हुआ है 4 लाख लंच पैकेट दिए गए। राहत सामग्री में राशन ड्राई 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 5 किलो चना, बाढ़ पीड़ितों को तेल, मसाला वितरण किया जा रहा है। 1100 शरणालय, 1500 बाढ़ चौकी प्रदेश में 2 हजार 40 नाओ लगाई गई हैं । 8 लाख 40 हजार पशुओं को टीका लगाया गया है। फसलों के हुए नुकसान की रिपोर्ट शासन को समय से भेजें। नुकसान का भुगतान 24 घंटे के अंदर 116 लोगों जो बाढ़ पीड़ित है उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। 80000 बाढ़ प्रभावित है एंव 22 मकान छटग्रस्त है जिन्हें मुख्यमंत्री आवास दिए जाएंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ उनका दुख बांटने के लिए उनके साथ खड़ी है जो भी फसलों का नुकसान हुआ है उनका आकलन कराकर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

■ मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को वितरित की राहत सामग्री

फसलों के नुकसान का आकलन कर किसानों को दिया जाएगा मुआवजा : योगी आदित्यनाथ

बाढ़ पीड़ितों के इलाज के लिए भेजा जाएगा डॉक्टरों का दल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार किसानों को किसान निधि सम्मान बराबर दे रही है। बाढ़ पीड़ितों के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम भेजी जाएगी जिससे उनका समय पर इलाज हो सके। पशुओं के इलाज के लिए भी डॉक्टरों की टीम में भेजी जाएगी जिससे उनका इलाज हो सके और और उनको बचाया जा सके। इस दौरान सांसद मुकेश राजपूत, जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ताख विधायक अमृतपुर सुशील शाक्य सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी भोजपुर विधायक नागेंद्र राठौर आदि भाजपा नेता मौजूद रहे।

चीनी मिलें नवम्बर के प्रथम सप्ताह से करेगी पेराई

मवाना,28 अगस्त (देशबन्धु)। सहकारी गन्ना विकास समिति मवाना के सभागार में सोमवार को सामान्य निकाय की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन विनोद भाटी ने की और संचालन प्रभारी सचिव प्रदीप कुमार व लेखाकार शाहनवाज ने किया। बैठक में पिछली समान्य निकाय की बैठक की पुष्टि की गई। बैठक में समिति परिसर में जिला सहकारी बैंक की शाखा की स्थापना का मामला जोर-शोर से उठाया गया। बैंक की शाखा स्थापना का प्रस्ताव पहली बैठक में स्वीकृत हो चुका है। आज की बैठक में भी इसके प्रस्ताव को शामिल किया गया। इसके बाद गन्ना सुरक्षण 2023-24 पर विचार किया गया। टिकौली चीनी मिल के प्रतिनिधि ने कहा कि उनकी मिल के अधिकांश क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप है, उन्हें नए क्रय केंद्र आवंटित किए जाए, जबकि मवाना शुगर मिल ने दस किमी के दायरे में आने वाले गन्ना केंद्रों की मांग रखी। अधिकांश कृषकों ने कहा कि उनके गन्ना क्रय क्रेद्र जिन गन्ना मिलों से सम्बद्ध है, उन्हें पूर्व की भांति यथावत रखा जाये। उन्होंने गन्ना क्रय क्रेद्र हटाने से साफ इंकार कर दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि मवाना शुगर मिल ने कृषकों को दस मई तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान कर दिया है, 31 अगस्त तक पिछले पेराई सत्र का गन्ना मूल्य भुगतान शत-प्रतिशत कर दिया जाएगा।

■ समिति सभागार में सामान्य निकाय की बैठक हुई

युद्ध स्तर पर निराश्रित गौवंश का संरक्षण करेगी सरकार

लखनऊ, 28 अगस्त (देशबन्धु)। योगी सरकार प्रदेश में अभियान चलाकर युद्ध स्तर पर निराश्रित गौवंश का संरक्षण करेगी। इसके लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम चरण में अभियान के तहत गोरखपुर, बरेली एवं झांसी मण्डल में 10 से 25 सितम्बर तक निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने और उनके भरण-पोषण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही योगी सरकार ने किसानों एवं पशुपालकों से अपील की है कि गोवंश को छुट्टा न छोड़े।

वहीं अगर 25 सितम्बर के बाद इन मण्डलों के किसानों एवं पशुपालकों द्वारा गोवंश को छोड़ दिया जाता है तो उनपर विधिक कार्यवाही की जाएगी। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि निराश्रित गौवंश का संरक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में है। पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को सख्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पूरे प्रदेश में चरणबद्ध रूप से अभियान चलाया जाए और निराश्रित गौवंश को गोआश्रय स्थलों में संरक्षित किये जाने में संवेदनशीलता बरती जाए। इसके साथ ही उनके भरण-पोषण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अभियान के तहत निराश्रित गौवंश की रोज़ाना सूचना फोटो सहित मुख्यालय पर उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय प्रशासन, मनरेगा एवं पंचायतीराज विभाग की सहायता से जनपदों में जल्द से जल्द अस्थायी गोआश्रय स्थल बनवाए जाएं और गोआश्रय स्थलों का क्षमता के अनुरूप विस्तारीकरण कराया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं में ईयर टैगिंग कराई जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत चारागाह मुक्त भूमि की स्थिति की समीक्षा की जाए और उसे चारागाह के लिये उपयोगी बनाया जाए। बाढ़ प्रभावित जनपदों में पशुओं के लिए पर्याप्त चारे-भूसे, औषधियों एवं संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण की व्यवस्था कराई जाए।

■ पहले चरण में गोरखपुर, बरेली व झांसी मण्डल में चलेगा अभियान
■ प्रदेश में 10 से 25 सितम्बर तक अभियान चलाकर किया जाएगा निराश्रित गौवंश का संरक्षण
■ किसानों व पशुपालकों से की गौवंश को छुट्टा न छोड़ने की अपील

सार संक्षेप

कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का किया गया आयोजन

मेरठ। विद्यार्थियों को रोजगार सहायता उपलब्ध कराने, सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने एवं कैरियर से संबंधित समस्याओं के निदान करने के उद्देश्य से एक कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र करियर काउंसलिंग सैंटर, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उत्तर प्रदेश शासन) के तत्वावधान मे राजनीति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोव राजेंद्र कुमार पांडे ने की। मुख्य अतिथि प्रमुख प्रोव एसवएसवगौरव रहें। उन्होंने कार्यशाला में कहा कि सफलता दृढ़ इच्छा शक्ति एवं आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रतिभागियों को समय के अंतर्गत करियर का निर्माण करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रोव संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को समय का प्रबंधन सुनिश्चित करना चाहिए। जब तक किसी विद्यार्थी को मंजिल प्राप्त न हो जाए उसे सदैव लक्ष्य प्राप्ति को लगे रहना चाहिए क्योंकि संघर्ष से ही सफलता निश्चित होती है। हमेशा जुझारू बने रहना चाहिए।

कालिदास की रचनाओं पर शोध करें शोधार्थी : संजीव

मेरठ। आप सभी नेक ए प्लस प्लस प्राप्त ग्रेड विश्वविद्यालय के शोधार्थी हैं उच्च गुणवत्ता के शोध अनुसंधान करना आपका दायित्व है ललित कला विषय में अपने शोध अनुसंधान के साथ-साथ आपको विश्वविद्यालय परिसर के के सौंदर्य करण भी कायम रखना है शोधार्थी कालिदास की रचनाओं और उनके संस्कृत के श्लोक पर आधारित चित्र विश्वविद्यालय परिसर में बनाकर भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा दे। कला शोधार्थी शोध अनुसंधान के क्षेत्र में निश्चायी उत्कृष्ट योगदान देंगे ऐसा मेरा विश्वस है ऐसा बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा कला संकाय अध्यक्ष ने ललित कला व चित्रकला के प्री पीएचडी कोर्स वर्क के उद्घाटन पर कहा।

सैलाब के पानी में डूब कर छात्र की गई जान

फर्रुखाबाद। सैलाब के पानी में डूब जाने से छात्र राजन की मौत हो गई। राजन थाना मऊदरवाजा के ग्राम महमदपुर करसान निवासी स्वर्गीय सुनील सिंह का 10 वर्षीय पुत्र था। राजन कक्षा 5 में पढ़ता था राजन आज दोपहर को गांव के बाहर भैंस चरा रहा था। वहां पुल का निर्माण होने के कारण गड्ढे में सैलाब का पानी भरा था। भैंस को हांकते समय राजन गड्ढे में गिर जाने से डूब गया। जानकारी मिलने पर परिजनों ने राजन को बाहर निकला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। राजन के शव का पोस्टमार्टम करने के लिए बाबा फूल सिंह ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया है।

मैनपुरी में निलंबित कंडक्टर ने की आत्महत्या

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के घिरोर क्षेत्र में परिवहन विभाग से निलंबित परिचालक ने सोमवार को कालिंदी एक्सप्रेस के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली।

न्यूरो इंटरवेंशन तकनीक को लेकर चर्चा

मेरठ,28 अगस्त (देशबन्धु)। वाराणसी न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ने प्रसिद्ध मेडिकल एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर हाल ही में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) इवेंट आयोजित किया है, जिसमें न्यूरो इंटरवेंशन तकनीक के बारे में बताया गया। आर्टेमिस हॉस्पिटल में न्यूरो इंटरवेंशन के डायरेक्टर डॉक्टर विपुल गुप्ता ने न्यूरो से जुड़ी अलग-अलग बीमारियों (स्ट्रोक, आर्टरीवीनस मालफॉर्मेशन यानी एवीएम और न्यूरिज्म) के इलाज के लिए लेटेस्ट तकनीक के बारे में जानकारी दी। इस सत्र को आयोजित करते हुए डॉक्टर विपुल गुप्ता ने बताया कि कैसे इनोवेटिव न्यूरो इंटरवेंशन तकनीक मरीजों के बेहतर इलाज में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। दुनिया भर में मृत्यु और विकलांगता का दूसरा सबसे आम कारण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर स्ट्रोक पेशंट अक्सर क्वालिटी लाइफपाने के लिए संघर्ष करते हैं। आर्टेमिस हॉस्पिटल में को-चीफ स्ट्रोक यूनिट, डायरेक्टर न्यूरो इंटरवेंशन डॉक्टर विपुल गुप्ता ने कहा, मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी एक मेडिकल चमत्कार जैसा है, जिसमें इस्केमिक स्ट्रोक के दौरान मस्तिष्क वाहिकाओं से ब्लड क्लॉट हटाने के लिए विशेष स्टेंट जैसे उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

लघु फिल्मों के माध्यम से योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं : संजय प्रसाद

लखनऊ, 28 अगस्त (देशबन्धु)। प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ.प्र.लखनऊ के सभागार में गुणवत्तापरक लघु फिल्म निर्माण के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यशाला में आये फिल्म निर्माण विशेषज्ञों द्वारा अपने अनुभव शेयर करने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक लघु फिल्म बनाने के लिए प्लान के तहत कार्य करें, जिससे कि लघु फिल्म को बेहतर से बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि फिल्म बनाना एक कला है, जिसके लिए निरन्तर कार्य कर इसे और निखारा जा सकता है। प्रदेश सरकार की योजनाओं को अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाने में लघु फिल्म अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

■ सूचना निदेशालय में गुणवत्तापरक लघु फिल्म निर्माण के संबंध में कार्यशाला आयोजित

उन्होंने कहा कि लघु फिल्मों मे सरकार की योजनाओं एवं उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया जाए लघु फिल्मों में स्क्रीप्ट राइटिंग का भी महत्वपूर्ण रोल होता है। उन्होंने कहा कि लघु फिल्मों के कार्य में लगे विशेषज्ञ अपने प्रतिभा को एक अलग स्तर पर ले जाए, जिससे लोगो को इसका लाभ मिल सके।

लघु निर्माण फिल्म के सभी पहलूओं पर की चर्चा

कार्यशाला में आए फिल्म निर्माण से जुड़े विशेषज्ञों ने व लघु निर्माण फिल्म के सभी पहलूओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में गुणवत्तापरक फिल्म बनाने के लिए विभिन्न चरणों का पालन करने पर जोर दिया गया, जिसमे बताया कि एक रुचिकर कहानी चुनें जो दर्शकों को आकर्षित करे और उन्हें संवेदनशील बनाए। स्क्रिप्ट लिखें जिसमें कहानी, पात्रों के विकास, और दृश्यों का विवरण हो। निर्माण की योजना बनाएं और उपकरण, स्थान, कला, और अभिनेताओं को संगठित करें। इसमें अभिनय, पटकथा, चित्रण, ध्वनि, और संपादन शामिल हो सकते हैं।

डीएवी विद्यालय में वेद प्रचार-प्रसार समारोह आयोजित

मेरठ,28 अगस्त (देशबन्धु)। सीजेडीएवी पब्लिक स्कूल में वेद प्रचार-प्रसार समारोह, आर्य समाज, थापर नगर, मेरठ के अंतर्गत वृहद् प्रचार कार्यक्रम की श्रृंखला में विद्यालयी प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वेद सभी सत्य विद्याओं के आधार हैं। आदि और अंत का सार हैं। वैदिक दुनिया का प्रथम धार्मिक ग्रंथ हैं। इसी तथ्य को उजागर करने हेतु भजनोपदेशक के रूप में आचार्य योगेश दत्त जी तथा वक्ता पुनीत शास्त्री जी उपस्थिति थे। सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथियों को नई पौध तथा माल्यार्पण कर उनका अभिवादन किया गया। समारोह में आर्य समाज के प्रधान राजेश सेठी, मंत्री मनीष शर्मा, मंत्री प्रीति सेठी, क्षेत्रीय अधिकारी अल्पना शर्मा, प्रधानाचार्या अपर्णा जैन, विनीत त्यागी, सुनीता सिंह भी उपस्थित थे। प्रधान राजेश सेठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वेद और आर्यो के बीच के संबंध का सार बताया।

भाकियू ने मांगों को लेकर पालिका कार्यालय पर दिया धरना

मवाना,28 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को दोपहर से नगर पालिका कार्यालय पर धरना दिया और प्रदर्शन किया। धरनास्थल पर आए कई गांवों के किसानों ने कहा कि मुबारिकपुर रोड पर जल निगम द्वारा निर्माणाधीन ओवर हैड टैंक के कारण सड़क छोटी हो गई है, जिस कारण वहां से ट्रैक्टर-ट्राली निकलने में परेशानी हो रही है, इस कारण वहां पर ओवर हैड टैंक का निर्माण कराना गलत है। इस मुद्दे को लेकर कई बार वार्ता के बाद तहसील के राजस्व अफसरों की मौजूदगी में तय हुआ कि समस्या के निस्तारण होने तक जल निगम के ओवर हैड टैंक का निर्माण कार्य रोक दिया जाये। इसके बाद पालिका अधिशासी अधिकारी ने जल निगम (नगरीय) के अधिशासी अभियंता को ओवर हैड टैंक का निर्माण रोकने को तत्काल पत्र लिखा गया। इसके बाद भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने धरना समाप्ति की घोषणा कर दी। नगर पालिका मवाना ने वार्ड 11 मोहल्ला काबलीगेट मुबारिकपुर रोड पर एमआरएफ सेन्टर (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) प्लांट के पास 14 जून 2023 कोओवरहेड टैंक व टयूबवेल के निर्माण कार्य का शुभारंभ पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने नारियल फोड़कर शुभारंभ किया था। वहां पर ओवरहेड टैंक व टयूबवेल का निर्माण कार्य होते हुए दो महीने से ज्यादा हो गए है।

■ समस्या का निस्तारण होने तक निर्माण कार्य रोका

सुभारती विवि में संस्कृत दिवस आयोजित

मेरठ,28 अगस्त (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के सभागार में भाषा विभाग, कला व सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा संस्कृत भाषा के संरक्षण व संवर्धन हेतु विश्व संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमद्भगवद्गीता श्लोक पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संस्कृत दिवस के प्रथम दिवस का शुभारंभ कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज सभी को संस्कृत दिवस की बधार्द दी। कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के. थपलियाल ने कहा कि संस्कृत भाषा प्राचीन होने के साथ महत्वपूर्ण भाषा है। उन्होंने कहा कि हमारे समस्त वेद, पुराण, उपनिषद, संस्कृत भाषा में ही लिखित है। उन्होंने कहा कि सभी को श्रीमद्भागीता अवश्य पढ़नी चाहिए।

चेतन चौहान राष्ट्रीय खेल पुरस्कार का हुआ आयोजन

मेरठ,28 अगस्त (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, चौतन चौहान फाउन्डेशन एवं स्पोर्टस प्रमोशन ऑफ इण्डिया (एसपीआई) के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कांस्टीट्यूशनल्स क्लब ऑफइण्डिया के 'तृतीय राष्ट्रीय चौतन चौहान अवार्ड-2023' का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आए 150 से अधिक अलग-अलग वर्गों के राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षको को 'चौतन चौहान खेल सम्मान' देकर सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित कांस्टीट्यूशनल्स क्लब ऑफ इण्डिया में आयोजित तृतीय चौतन चौहान राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2023' अवार्ड सेरेमनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डीडीसीए के चेयरमैन रोहन जेटली एवं उनकी माताश्री स्व.अरूण जेटली की धर्मपत्नी संगीता जेटली, बीसीसीआई के पूर्व अध्यश सीके खन्ना, भारतीय सेना के मेजर जनरल जावेद इकबाल, अंतरराष्ट्रीय बैडमिन्टन खिलाड़ी एवं यूपी की पूर्वमंत्री डॉ. अमिता सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री जफर ईकबाल, वेंकटेश्वरा विवि के प्रतिकुलाधिपति एव चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी, संगीता चौहान, पूर्व राज्यमंत्री सुनील भराला, चौतन चौहान के पुत्र विनायक चौहान आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सन्मुख दीप जलाकर किया।

■ देशभर से अलग-अलग स्थानों से शिरकत करने पहुंचे खिलाड़ी
■ राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व उनके प्रशिक्षकों को किया सम्मानित

आयोजन *कनाडा में आयोजित हुई थी डब्ल्यूपीएफजी 2023 प्रतियोगिता*

जसवन्त राय अस्पताल में सरिता शर्मा का किया स्वागत

मेरठ,28 अगस्त (देशबन्धु)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपी पुलिस व भारत का मान बढ़ाने वाली सहारनपुर की महिला सिपाही सरिता शर्मा का जसवन्त राय अस्पताल में स्वागत किया गया। सरिता शर्मा ने बताया कि उन्हें जसवन्त राय अस्पताल का समय-समय पर बहुत सहयोग मिला। अस्पताल प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह पूरा सहयोग करने की घोषणा की। इस अवसर पर वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डा.राजीव अग्रवाल,प्रबन्ध निर्देशक अशोक राजवंशी, विनोदा राजीव, राजीव रस्तौगी, सत्यार्थ चौधरी व प्रशांत बेन्द्रे व मीडिया प्रभारी अहमद भी उपस्थित रहे।

बता दें कि कनाडा में वर्ल्ड पुलिस ऑफ फायर गेम्स 2023 प्रतियोगिता का आयोजन 28 जुलाई से 6 अगस्त तक किया गया था। यह एक एथलेटिक इवेंट हैं, जिसमें दुनियाभर से कानून और अग्निशमन सेवा के कर्मी हिस्सा लेते हैं। दुनियाभर की पुलिस विभागों के बीच हुए एक वैश्विक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व यूपी पुलिस की सहारनपुर में तैनात महिला सिपाही ने किया।

उन्होंने न केवल बेहतर प्रदर्शन बल्कि 3 किमी स्टीपल चेस दौड़ में होंगकोंग की खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया है।

उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश को गौरवांवित होने का अवसर मिला। डब्ल्यूपीएफजी फेडरेशन कैलिफोर्निया पुलिस एथलेटिक्स फेडरेशन की एक शाखा है, जो कि एक गैर लाभकारी अमेरिकी संगठन है।

यूपी की ओर से एकमात्र खिलाड़ी थीं सरिता

■ हॉंगकोंग की खिलाड़ी को हराकर जीता था स्वर्ण
■ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया
■ भविष्य में करेंगे हर संभव मदद, अस्पताल प्रबंधन ने की घोषणा

सरिता ने इस प्रतियोगिता में तीन किमी स्टीपल चेस दौड़ में सहारनपुर पुलिस की ओर से प्रतिभाग किया और भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। सरिता ने हांगकांग की खिलाड़ी को हराकर पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में तीन किमी में कुल 35 बाधाएं थीं, जिसमें महिला सिपाही सरिता ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

खास बात यह है कि सरिता शर्मा यूपी पुलिस की तरफ से एकमात्र खिलाड़ी थीं, जो इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची थी।

छात्राओं ने अग्निशमन अफसरों को राखी बांधी

■ आग से सुरक्षा के उपायों की जानकारी की प्राप्त

मवाना,28 अगस्त (देशबन्धु)। मवाना स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल की दोनों शाखाओं मैन विंग और गर्ल्स विंग के विद्यार्थी सोमवार को अग्नि शमन केंद्र पहुंचकर अग्निशमन अधिकारियों व कर्मियों से मिले। छात्राओं ने वहां जाकर अग्निशमन अधिकारियों को राखी बांधी तथा उनसे आग से सुरक्षा के उपायों की जानकारी भी प्राप्त की।

मीवा-कूड़ी मार्ग स्थित अग्नि शमन केन्द्र पहुंचकर छात्र-छात्राएं अग्निशमन अधिकारी प्रमोद कुमार तोमर तथा लीडिंग फायरमैन प्रेमपाल सिंह, सचिन कुमार, ऋषिांक, संजीव, राजीव, अंकित कुमार से मिले और छात्राओं ने राखी बांधकर उनका मनोबल बढ़ाया। छात्राओं ने कहा कि फायर फाइटर्स अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी मदद करते हैं। इसी कारण राखी के जरिए हमें उनके प्रति मन के आदर भाव और सम्मान व्यक्त करना चाहिए। बाद में प्रभारी अग्नि शमन अधिकारी प्रमोद तोमर ने विद्यार्थियों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी।

बताया कि आग लगने पर क्या करें और क्या ना करें तथा अग्नि शमन के विभिन्न उपकरणों के बारे में विस्तार से बताया।

राज और डीके की मनमौजी जोड़ी के साथ काम करना सुखद अनुभव रहा : गुलशन देवैया

मुंबई। एक्टर गुलशन देवैया ने निर्देशक जोड़ी राज और डीके की जमकर तारीफ की, जिन्होंने उन्हें 'गन्स एंड गुलाब्स' में अपनी भूमिका को आकार देने में रचनात्मक प्रक्रिया चुनने की स्वतंत्रता दी। इसमें उनके किरदार के पहलुओं से लेकर डायलॉग्स की अदायगी तक शामिल थी। गुलशन ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय एहसास होता है, जब आपके निर्देशक आपकी कलात्मक प्रक्रिया पर इतना भरोसा करते हैं। राज और डीके के दृष्टिकोण ने मुझे रचनात्मक प्रक्रिया से मेरी भूमिका को आकार देने की अनुमति दी है, जिसमें अपीयरेंस, डायलॉग डिलीवरी और अन्य टूल्स का सबसे छोटी डिटेल्स शामिल है, जिसने मुझे रचनात्मक होने और इस भूमिका को आकार देने के लिए सशक्त बनाया है।

89 वर्ष की उम्र में आशा भोसले ने किया गाना रिकॉर्ड

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। महान गायिका आशा भोंसले ने 89 वर्ष की उम्र में फिल्म 'हरि ओम' के लिए 'जिंदगी तू चुप है कहां' नामक गीत में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। फिल्म में अंशुमान झा और रघुबीर यादव ने अभिनय किया है।

हरीश व्यास की फिल्म की शूटिंग वाराणसी में हुई है। यह फिल्म एक पिता (हरि) - बेटे (ओम) की कहानी है जो एक ड्रामा कॉमेडी के माध्यम से जेनरेशनल गैप को दिखाती है।

यह हरीश व्यास की तीन प्रेम कहानियों में से एक है। 'अंग्रेजी में कहते हैं' से शुरू होकर एलजीबीटीक्यू प्लस की प्रेम कहानी 'हम भी अकेले-तुम भी अकेले' से होकर और फिर 'हरि-ओम' एक पिता और पुत्र के बीच जेनरेशनल गैप पर समाप्त होती है।

अंशुमन ने कहा कि आशा जी से मिलना अद्भुत है। इतनी आभारी हूं कि उन्होंने 'जिंदगी तू छुपी है कहां' को अपने अनोखे अंदाज में गाया है। उन्हें लकड़बग्घा का ट्रेलर भी बहुत पसंद आया और उन्होंने मुझे बताया कि वह 1971 में ब्रूस ली से मिली थीं, जिसने इस मुलाकात को और भी खास बना दिया। मैंने उससे पूछा कि वह कैसा था और उन्होंने सब कुछ साझा किया।

व्यास ने कहा कि आशा ताई ने फिल्म की कुछ झलकियां देखीं, उन्हें यह पसंद आई और इसलिए मैंने अंशुमन को स्टूडियो में बुलाया, जो उनका आशीर्वाद लेना चाहते थे , जो अंग्रेजी में कहते हैं और हम भी अकेले, तुम भी अकेले के बाद लगातार तीसरी फिल्म के लिए अभिनेता के साथ सहयोग कर रहे हैं।

अंतरिक्ष से सूर्य का अध्ययन

आकाशगंगाओं में सितारों के बारे में पता लगाना

- ग्रहों के आसपास अंतरिक्ष में बदलती पर्यावरणीय स्थितियां
- सौरमंडल हवा के साथ-साथ कोरोनल मास इजेक्शन जैसी सौर घटनाओं से अंतरिक्ष की प्रकृति को प्रभावित

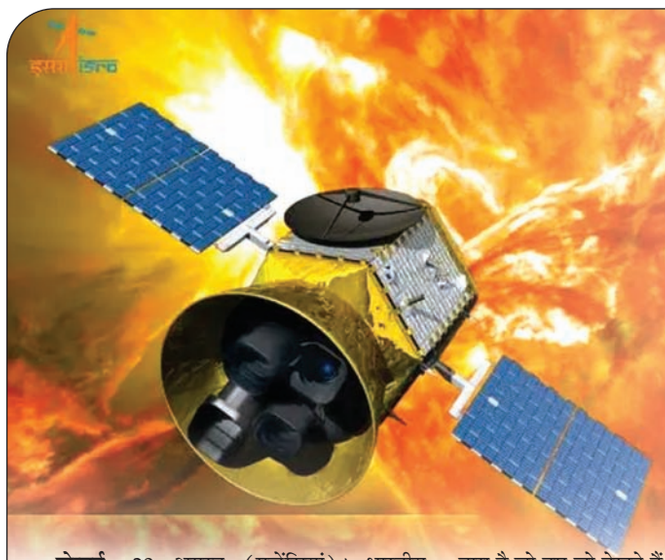

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) आने वाले दिनों में पीएलएसवी का उपयोग करके नियोजित आदित्य-एल1 उपग्रह के साथ सूर्य की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए अपने पहले सौर खोजपूर्ण मिशन की तैयारी कर रहा है। इसरो ने कहा कि सूर्य के अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न अन्य आकाशगंगाओं के तारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना है।

इसरो ने कहा कि सूर्य निकटतम तारा है और इसलिए अन्य सितारों की तुलना में अधिक विवरण के लिए इसका अधिक अध्ययन किया जा सकता है। इसरो ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करके हम अपनी आकाशगंगा में तारों के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं साथ ही विभिन्न अन्य आकाशगंगाओं में सितारों के बारे में भी पता लगा सकते हैं।

इसरो ने कहा कि सूर्य एक बहुत ही गतिशील तारा है जो हम जो देखते हैं उससे कहीं अधिक फैला हुआ है। यह कई विस्फोटक घटनाएं दिखाता है और सौर मंडल में भारी मात्रा में ऊर्जा छोड़ता है। यदि ऐसी विस्फोटक सौर घटनाएं पृथ्वी की ओर निर्देशित होती हैं, तो यह पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष वातावरण में विभिन्न प्रकार की खलबली भी मचा सकता है।

इसरो न कहा कि विभिन्न अंतरिक्ष यान और संचार प्रणालियां ऐसी गड़बड़ी पैदा कर सकता हैं और इसलिए पहले से ही सुधारात्मक उपाय करने के लिए ऐसी घटनाओं के घटित होने से पहले प्रारंभिक चेतावनी महत्वपूर्ण है। इनके अलावा, यदि कोई अंतरिक्ष यात्री सीधे सूर्य के तेज के संपर्क में आता है, तो उसका जीवन खतरे में पड़ जाएगा। सूर्य पर विभिन्न तापीय और चुंबकीय घटनाएं अत्यधिक प्रकृति की हैं।

अंतरिक्ष से सूर्य का अध्ययन करने पर इसरो ने कहा कि सूर्य विभिन्न ऊर्जावान कणों और चुंबकीय क्षेत्र के साथ लगभग सभी तरंग द्वैर्य में विकिरण/प्रकाश उत्सर्जित करता है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का वायुमंडल और उसका चुंबकीय क्षेत्र एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है और कणों और क्षेत्रों सहित कई हानिकारक तरंग द्वैर्य विकिरणों को रोकता है। क्योंकि विभिन्न विकिरण पृथ्वी की सतह तक नहीं पहुंच पाते हैं, इसलिए पृथ्वी पर वैज्ञानिकों के उपकरण ऐसे विकिरण का पता नहीं लगा पाएंगे और इन विकिरणों पर आधारित सौर अध्ययन नहीं किए जा सकेंगे। इसरो ने कहा कि हालांकि, ऐसे अध्ययन पृथ्वी के वायुमंडल के बाहर यानी अंतरिक्ष से अवलोकन करके किए जा सकते हैं। इसी तरह, यह समझने के लिए कि सूर्य से सौर वायु के कण और चुंबकीय क्षेत्र अंतरग्रहीय अंतरिक्ष के माध्यम से कैसे विचरण करते हैं।

इसरो ने कहा कि सूर्य लगातार विकिरण, गर्मी और कणों के निरंतर प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र से पृथ्वी को प्रभावित करता है। सूर्य से कणों के निरंतर प्रवाह को सौर पवन के रूप में जाना जाता है और ये अधिकतर उच्च ऊर्जा वाले प्रोटॉन से बने होते हैं। सौर हवा ज्ञात सौर मंडल के लगभग सभी स्थानों को भर देती है। सौर वायु के साथ-साथ सौर चुंबकीय क्षेत्र भी सौर मंडल को भर देता है।

इसरो ने कहा कि कि सौरमंडल हवा के साथ-साथ कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) जैसी अन्य विस्फोटक/विस्फोट सौर घटनाएं अंतरिक्ष की प्रकृति को प्रभावित करती हैं। अंतरिक्ष मौसम को समझने पर इसरो ने कहा कि यह पृथ्वी और अन्य ग्रहों के आसपास अंतरिक्ष में बदलती पर्यावरणीय स्थितियों को संदर्भित करता है।

महिला ने चार बच्चों को दिया जन्म

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में एक महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया है, जिनमें दो लड़के और दो लड़कियां है। आयुष्मान अस्पताल की डॉ. शालिनी अग्रवाल ने बताया कि वजीरपुरा निवासी किरण कंवर (28) को रविवार रात 2 बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके बाद उसके परिजन अस्पताल लेकर आए। सुबह करीब छह बजे महिला का ऑपरेशन कर प्रसव कराया गया।

अग्रवाल के मुताबिक, तीन नवजातों का वजन 1 किलो 350 ग्राम है, जबकि चौथे का वजन 1 किलो 650 ग्राम है।

उन्होंने कहा कि इन बच्चों को स्पेशल मॉनिटरिंग की जरूरत है। 1 किलो 350

ग्राम वजन वाले तीन बच्चों को सुरक्षा के लिए जनाना अस्पताल रेफर किया गया है। चौथे को उसकी मां के साथ रखा गया है।

फेसबुक ग्रुपों पर सैकड़ों फर्जी पोस्ट उजागर

लंदन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एक नए अध्ययन से पता चला है कि स्थानीय फेसबुक समूहों के सदस्यों को सैकड़ों फर्जी पोस्ट का सामना करना पड़ा है। इनमें लापता बच्चों या खुले में घातक सांपों की झूठी खबरें भी शामिल हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, यूके की तथ्य-जांच चैरिटी फुल फैक्ट ने दुनिया भर में सोशल मीडिया साइट के सामुदायिक समूहों पर 1,200 से अधिक झूठे पोस्ट की खोज की। शोधकर्ताओं के अनुसार, समुदायों में डर पैदा करने के इरादे से की गई ये भ्रामक पोस्टें उपयोगकर्ताओं को गलत जानकारी से भर सकती हैं, इससे वास्तविक अलर्ट और अपीलें प्रभावित हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि इस सामग्री को फैलाने की प्रेरणा वित्तीय लाभ या

फर्जी पोस्ट में लापता बच्चों या खुले में घातक सांपों की झूठी खबरें भी शामिल

उत्पादों/सेवाओं का प्रचार हो सकती है। यह गलत सूचना ब्रिटेन में प्रचलित थी, लेकिन इसी तरह की पोस्ट अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में पाई गईं। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पाया कि साझा की गई अधिकांश सामग्री लापता बच्चों और पेंशनभोगियों के बारे में थी। जांच में कई पोस्ट का खुलासा हुआ, जिसमें दावा किया गया कि चाकू से लैस एक व्यक्ति कई शहरों में लोगों पर हमला कर रहा था।

फुल फैक्ट के संपादक स्टीव नोवोटनी ने कहा कि धोखा देने वालों ने स्पष्ट रूप से पहचान लिया है कि इन पोस्टों की व्यापक पहुंच हो सकती है और दुनिया भर में स्थानीय फेसबुक समूह अब झूठी सूचनाओं से अभिभूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के बारे में वास्तविक चेतावनियां और मदद के लिए सख्त अपील करने वाले लोगों की वास्तविक पोस्ट, जैसे कि लापता प्रियजनों या लापता पालतू जानवरों की तलाश करने वालों को अब नजरअंदाज किए जाने का बहुत अधिक खतरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, जो फेसबुक उपयोगकर्ता संपादित फर्जी पोस्ट में लिंक पर क्लिक करते हैं, उन्हें अक्सर किसी वैध कंपनी या संगठन की वास्तविक वेबसाइट पर ले जाया जाता है। मेटा के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया कि हमने ऑनलाइन गलत सूचना से निपटने के लिए फुल फैक्ट सहित 90 से अधिक स्वतंत्र तथ्य-जांच संगठनों के साथ साझेदारी करते हुए किसी भी प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा वैश्विक तथ्य-जांच नेटवर्क बनाया है। हमारे प्लेटफ़ॉर्म पर धोखाधड़ी वाली गतिविधि की अनुमति नहीं है और हमने हमारे सामुदायिक मानकों का उल्लंघन करने के लिए हमारे ध्यान में लाए गए पोस्ट को हटा दिया है।

अपोलो का भारत में सबसे बड़ा सम्बद्ध हेल्थकेयर इकोसिस्टम बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली 28 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े एकीकृत हेल्थकेयर प्रदाता, अपोलो ने अपने अद्वितीय सम्बद्ध केयर प्रोग्राम के अखिल-भारतीय विस्तार की घोषणा की है। अपोलो कनेक्ट नामक इस प्रोग्राम के द्वारा अपोलो का लक्ष्य भारत में सबसे बड़े सम्बद्ध हेल्थकेयर इकोसिस्टम का निर्माण करना है। इससे विभिन्न मेट्रो और गैर-मेट्रो शहरों में अस्पतालों और नर्सिंग होम्स को समग्रतापूर्ण और बेहतर पेशेंट केयर प्रदान करने की शक्ति प्राप्त होगी। इस सम्बद्ध केयर पार्टनर नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने के लिए अपोलो कनेक्ट ने सम्पूर्ण भारत में ईआईसीयू, नैदानिक, सर्जिकल परामर्श, रिमोट निगरानी, क्लिनिकल और क्वालिटी संबंधी प्रशिक्षण तथा प्रमाणन (आधिकारिक मान्यता) संबंधी सहयोग जैसी सेवायें आरम्भ की है। अपोलो कनेक्ट का लक्ष्य सहयोग के माध्यम से एक मजबूत सम्बद्ध केयर पार्टनर नेटवर्क बनाकर भारत में हेल्थकेयर इकोसिस्टम को मजबूत करना है। इस दिशा में यह अंतिम बिंदु तक रोगी की पहुँच, वहन क्षमता, और अनुभव में सुधार करेगा। इस प्रोग्राम के माध्यम से अपोलो के साझेदार अस्पतालों के रोगी-सेवा में सुधार करने, बेहतर चिकित्सीय परिणाम प्राप्त करने, रोगी प्रतिधारण (रीटेंशन) को बेहतर करने, लागत बचाने और व्यावसायिक प्रदर्शन मजबूत करने की क्षमता हासिल होगी। अपोलो कनेक्ट से आप-पास के अस्पतालों और नर्सिंग होम्स को भी फ़ायदा होगा। इसके इकोसिस्टम सपोर्ट से इन्हें मरीजों को ज़रूरी और गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर शीघ्र उपलब्ध कराने तथा उनके आने-जाने तथा लॉजिस्टिक्स का वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के तहत शीर्ष रैंकिंग वाले शहरों में श्रीनगर शामिल

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 के तहत भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले शहरों में स्थान हासिल किया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर 10 लाख से अधिक आबादी वाला शहर है। इस शहर ने देश भर में चौथी रैंक हासिल करके मील का पत्थर हासिल किया है। इससे पहले, मध्य प्रदेश का शहर इंदौर पहले, उत्तर प्रदेश का शहर आगरा दूसरे और महाराष्ट्र का ठाणे शहर तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के भोपाल शहर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 के तहत 5वीं रैंक हासिल की है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमईएफसीसी) द्वारा आयोजित किया गया था।

श्रीनगर शहर का मूल्यांकन राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कदमों के आधार पर किया गया है।

श्रीनगर में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के कार्यान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन और निगरानी समिति के अध्यक्ष ऐजाज असद ने कहा कि जिला प्रशासन श्रीनगर शहर को एक बेहतर जगह बनाने के लिए सहयोगात्मक प्रयास जारी रखेगा। श्रीनगर जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक के सुधार और 2025 तक पीएम10 के स्तर को कम करने तथा कार्यान्वित करने के लिए एनसीएपी को लागू करके, अध्यक्ष ऐजाज़ असद की अध्यक्षता में जिला प्रशासन श्रीनगर द्वारा कई पहल की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि एनसीएपी के तहत, मिशन लाइफ, बंजर भूमि का कायाकल्प, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, फव्वारा निर्माण, सफाई और स्वीपिंग मशीनों की खरीद और आईईसी गतिविधियां श्रीनगर जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार के प्रमुख घटक हैं।

कंटेस्टेंट होने से लेकर इंडियन आइडल को जज करने तक मेरा सफर कठिन लेकिन शानदार रहा : श्रेया घोषाल

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड की जानीमानी पार्श्वगायिका श्रेया घोषाल का कहना है कि एक रियलिटी शो की कंटेस्टेंट होने से लेकर अब इंडियन आइडल जैसे फैंस के पसंदीदा शो को जज करने तक, मेरा सफर कठिन लेकिन शानदार रहा है।सोनी एंटरटेनमेंट पर दिखाया जाने वाला सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल, एक नए सीज़न के लिए लौट रहा है जिसमें सिंगर श्रेया घोषाल जजों के पैनल में शामिल होंगी। श्रेया घोषाल ने इंडियन आइडल में जज के रूप में ली गई इस नई जिम्मेदारी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि इंडियन आइडल की जोशीली दुनिया में फिर से प्रवेश करना एक सुखद घर वापसी जैसा लगता है। मैं इंडियन आइडल जूनियर की जज रह चुकी हूं, लेकिन शो के इस संस्करण के लिए मेरा उत्साह कुछ और ही है, क्योंकि मुझे को-जजेस के रूप में सानू दा और विशाल के साथ फिर से जुड़ने का सौभाग्य मिला। भारतीय प्रतिभा की अगली लहर को ढूंढना और उनका हुनर संवारना बड़े सम्मान की बात है और भारत के अगले सिंगिंग सेंसेशन बनने की दिशा में उनके सफर का हिस्सा बनना खुशी की बात है। श्रेया घोषाल ने कहा, इंडियन आइडल जैसे शो उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और संगीत जगत की कार्यप्रणाली का अनुभव करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। मैं इस शो की बहुत बड़ी फैन रही हूं और मैं इंडियन आइडल के इस बहुप्रतीक्षित सीजन में जज के रूप में अपना सफर शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

कश्मीर पहुंची मिस वर्ल्ड कैरोलिना बिलावस्का

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 28 अगस्त (देशबन्धु)। धरती पर अगर कोई स्वर्ग है तो वह कश्मीर है। और अगर कोई शख्स इस धरती पर आया है तो वह स्वर्ग की यात्रा किए बिना कैसे रह सकता है। इसी कथन से साक्षात् रूबरू होने को मिस वर्ल्ड कैरोलिना बिलावस्का आज एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एकदिवसीय यात्रा पर कश्मीर पहुंची हैं। वे अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान विश्व प्रसिद्ध डल झील में शिकारे पर सवार होकर कश्मीर की खूबसूरती को भी निहारेंगी। श्रीनगर हवाई अड्डे पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। कैरोलिना बिलावस्का के कश्मीर दौरे की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें वे मिस वर्ल्ड ईंडिया सिनी शेट्टी और मिस वर्ल्ड कैरेबियन एमी पेना के कश्मीरी व्यंजनों का आनंद लेते

हुए नजर आ रही हैं।

पोलैंड की बिलावस्का ने भारत की ओर से मिस वर्ल्ड प्रतिनिधि सिनी शेट्टी समेत प्रतियोगिता के अन्य विजेताओं के साथ यहां एक पांच सितारा होटल में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ नाश्ते का आनंद लिया। बिलावस्का और शेट्टी के साथ दिन भर की यात्रा में अमेरिकी मिस वर्ल्ड प्रतिनिधि सैनी और मिस वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष जूलिया मार्ले भी शामिल हैं। रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन की रूबल नागी और भारत में पीएमई मनोरंजन के अध्यक्ष जमील सईदी भी नाश्ते के दौरान मौजूद रहे। भारत में इस साल के अंत में आयोजित होने वाली मिस वर्ल्ड 2023 प्रतियोगिता यानि इसके 71वें संस्करण से पहले बिलावस्का की जम्मू कश्मीर यात्रा, किसी भी अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के विजेता की पहली यात्रा है। भारत ने छह बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है और लगभग तीन दशकों के बाद प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। आखिरी बार देश ने इस कार्यक्रम की मेजबानी साल 1996 में की थी। मुंबई की महिला सशक्तिकरण संगठन की अध्यक्ष रूबल नेगी के मुताबिक बिलावस्का मिस वर्ल्ड ईंडिया सिनी शेट्टी और मिस वर्ल्ड कैरेबियन एमी पेना सहित अन्य प्रतियोगिता विजेताओं के साथ यहां पहुंची हैं। बता दें कि बिलावस्का की यह यात्रा इस साल के अंत में भारत में आयोजित होने वाली मिस वर्ल्ड 2023 प्रतियोगिता के 71वें संस्करण से पहले कर रही हैं। मिस वर्ल्ड जूलिया एरिक मार्ले के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ बिलावस्का की यह जम्मू कश्मीर की प्री-इवेंट यात्रा लालित्य, कलात्मकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मौका देगी। इस यात्रा के दौरान, मिस वर्ल्ड और मिस वर्ल्ड अमेरिका श्री सैनी, मिस वर्ल्ड इंग्लैंड जेसिका गैगन और मिस एशिया प्रिसिलिया कार्ला सपुत्री यूल्स के साथ अन्य लोग प्रेस से मुलाकात करेंगे।

कश्मीर की खूबसूरती को डल झील में शिकारे से निहारेंगी

गर्दन के एक्सरसाइज के लिए विद्युत जामवाल का मंत्र

माथे पर बैलेंस किया 30 किलो का वजन

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने दिखाया कि गर्दन की फिटनेस को कैसे बरकरार रखते हैं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें 'आईबी71' स्टार अपने माथे पर 30 किलो की केटलबेल और डंबल को बैलेंस करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यही नहीं, वह जिम मैट पर लेटे हुए 82 किलो वजन वाले व्यक्ति को भी आसानी से बैलेंस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब विद्युत ने अपने फिटनेस ट्रिक्स से फैन्स को हैरान किया है। इससे

पहले, उन्हें बैलेंस कंट्रोल के लिए चार मंजिला इमारत की छत पर दौड़ते देखा गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो, विद्युत, जिन्होंने 'आईबी 71' से निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत की, वर्तमान में 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' की शूटिंग में बिजी हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल भी हैं।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दडा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पिछले 10 साल में रिलायंस ने 150 अरब डॉलर का किया निवेश: अंबानी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रिलायंस ने पिछले 10 साल में कुल 150 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है जो देश में किसी भी अन्य कॉर्पोरेट घराने से अधिक है, और

■ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कंपनी की 46वीं एजीएम में अपने संबोधन में यह बात कही

दुनिया भर के प्रमुख व्यवसायों के बराबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कंपनी की 46वीं एजीएम में अपने संबोधन में यह बात कही। अंबानी ने कहा, 'पूरी विनम्रता के साथ मैं कहना चाहूंगा कि नया रिलायंस उभरते हुए नए भारत का अग्रदूत रहा है। बढ़ती महत्वाकांक्षा के साथ हमने असंभव से दिखने वाले लक्ष्य निर्धारित

किए और उन्हें हासिल किया।' उन्होंने कहा, इस नई रिलायंस का वर्णन करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम अब विशिष्ट क्षमताओं के साथ एक नए युग की प्रौद्योगिकी कंपनी बन गए हैं। आज हम प्रौद्योगिकी के शुद्ध उत्पादक, प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने वाले के साथ ही प्रौद्योगिकी का लोकतांत्रिकरण

'पूरी विनम्रता के साथ मैं कहना चाहूंगा कि नया रिलायंस उभरते हुए नए भारत का अग्रदूत रहा है। बढ़ती महत्वाकांक्षा के साथ हमने असंभव से दिखने वाले लक्ष्य निर्धारित किए और उन्हें हासिल किया:- मुकेश अंबानी

करने वाले भी हैं।' अंबानी ने कहा, 'रिलायंस के बारे में जो सच है, वह अन्य भारतीय उद्यमों, अग्रणी कॉरपोरेट्स और स्टार्ट-अप्स के बारे में भी उतना ही सच है। मैं उनकी शानदार उपलब्धियों की बहुत प्रशंसा करता हूं। उन्होंने भी विकास, गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और नवप्रवर्तन के प्रति जुनून के अपने शानदार प्रदर्शन से विश्व स्तर पर देश की प्रसिद्धि बढ़ाकर भारत को गौरवान्वित किया है।'

19 सितंबर को लॉन्च होगा जियो एयर फाइबर

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने सोमवार को ऐलान किया कि जियो एयर फाइबर को 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर लॉन्च किया जाएगा, जिससे कंपनी को भारतीय होम सेगमेंट में ग्राहक मूल्य और राजस्व वृद्धि का एक और अवसर मिलेगा। अंबानी ने आरआईएल की 46वीं एजीएम में कहा, 'जियो एयर फाइबर लास्ट-मील फाइबर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हमारे पैन-इंडिया 5जी नेटवर्क और एडवांस वायरलेस टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।' उन्होंने कहा, 'ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से, हम वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 15,000 कनेक्शन को जोड़ सकते हैं। लेकिन जियो एयर फाइबर के साथ, हम प्रति दिन 150,000 कनेक्शन तक इस विस्तार को सुपरचार्ज कर सकते हैं, जो 10 गुना वृद्धि है, अगले तीन सालों में हम करीब 20 करोड़ घरों में इंटरनेट पहुंचाने की उम्मीद कर रहे हैं।' अंबानी ने कहा, 'फिक्स्ड-मोबाइल कन्वर्जेंस के जरिए, हम भारतीय परिवारों, विशेष रूप से प्रीमियम घरों, जहां घरेलू ब्रॉडबैंड का उपयोग सबसे तेजी से बढ़ रहा है, के बीच अधिक कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे सकते हैं। यह अलग-अलग स्मार्ट होम समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने की नींव भी रखता है।' अंबानी ने कहा कि जियो का ऑप्टिकल फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे भारत में 1.5 मिलियन किमी तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा, 'ऑप्टिकल फाइबर के विस्तार में शामिल जटिलताओं और देरी के कारण लाखों संभावित ग्राहक होम ब्रॉडबैंड से वंचित रह जाते हैं, यहीं पर हमारी फिक्स्ड-वायरलेस ब्रॉडबैंड पेशकश जियो एयर फाइबर आती है।'

रिलायंस बोर्ड: नीता अंबानी बाहर, ईशा, आकाश और अनंत शामिल

मुंबई। देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल से श्रीमती नीता अंबानी ने इस्तीफा दे दिया जबकि अंबानी परिवार की अगली पीढ़ी ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को इसमें शामिल कर लिया गया है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में निदेशक मंडल ने श्रीमती नीता अंबानी के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आमसभा में कंपनी के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने यह जानकारी दी। श्री मुकेश अंबानी अगले पांच वर्षों तक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बने रहेंगे। निदेशक मंडल में हुये इस बदलाव पर मुकेश अंबानी ने कहा, 'बोर्ड की बैठक में ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक मंडल में शामिल करने की सिफारिश की गई। मैं गर्व से कह सकता हूं कि उन्होंने समर्पण, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत से यह उपलब्धियां हासिल की हैं। अन्य निदेशकों के साथ मिलकर, वे रिलायंस समूह को नेतृत्व देने और हमारे सभी व्यवसायों का मार्गदर्शन करने के लिए एक टीम के रूप में काम करेंगे।' श्रीमती नीता अंबानी अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल में नहीं रहेंगी लेकिन वह रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष बनी रहेंगी और इस भूमिका में वह बोर्ड में स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में सभी बैठकों में भाग लेंगी।

रिलायंस रिटेल में एक हजार करोड़ का निवेश: ईशा अंबानी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल कारोबार करने वाली इकाई रिलायंस रिटेल ने पिछले एक वर्ष एक हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है और 3800 स्टोर शुरू किये गये हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज की आज यहां वार्षिक आम सभा को संबोधित करते हुये रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल कंपनी के स्टोरों में 78 करोड़ फुटफॉल रिकॉर्ड किया गया है। उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल इस समय दुनिया का सबसे बड़ा रिटेल एंप्लॉयर है। इसकी पहुंच 30 फीसदी भारतीयों तक है। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी ने 5 लाख लैपटॉप बेचे हैं। वहीं अपैरेल की बात करें तो वित्त वर्ष 2023 के दौरान 54 करोड़ अपैरेल बेचे हैं।

सेबी के आदेश के बाद ब्राइटकॉम ग्रुप के सीएमडी, सीएफओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राइटकॉम ग्रुप ने कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में कार्यरत सुरेश रेड्डी और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के पद पर कार्यरत नारायण राजू के इस्तीफों की घोषणा की है। ये इस्तीफे सेबी के आदेश के बाद आए। प्रतिभूति एवं विनिमय बाजार नियामक सेबी ने कंपनी के सीएमडी और सीएफओ के निदेशकमंडल में रहने पर प्रतिबंध लगा दिया था। कंपनी ने कहा कि एक ट्रांज़िशन लीडरशिप टीम प्रस्तावित की गई है, जिसे नेतृत्व परिवर्तन प्रक्रिया की देखरेख की ज़िम्मेदारी दी गई है। बोर्ड ने आवश्यक कार्यों की सुचारू निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक सीईओ और एक सीएफओ की तलाश शुरू करने को भी मंजूरी दे दी।

आगामी नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कंपनी के कर्मचारियों को तुरंत सूचित करने का निर्णय लिया गया। दैनिक कार्यों में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए इस संक्रमण अवधि के दौरान पारदर्शी और स्पष्ट संचार बनाए रखा जाएगा। निदेशकमंडल ने नियामक अनुपालन की आवश्यकता को स्वीकार किया। इस संक्रमण अवधि के दौरान प्रासंगिक नियामक निकायों के साथ जुड़ने और सभी लागू नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

बीपीसीएल की 1.5 लाख करोड़ के निवेश की योजना

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। तेल विपणन करने वाली देश की प्रमुख कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने क्षमता बढ़ाने, नेटवर्क का विस्तार करने और अपने हरित पोर्टफोलियो को बढ़ाने सहित अन्य कार्यों के लिए अगले पांच वर्षों में 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की आज घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी ने नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन रोडमैप भी तैयार किया है जिसमें नवीकरणीय क्षमता की स्थापना शामिल है। कंपनी के अध्यक्ष जी कृष्णकुमार ने कंपनी की 70वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि बीपीसीएल ने अपने फोकस क्षेत्र का पुनर्मूल्यांकन और प्राथमिकता तय की है। इसने 'प्रोजेक्ट एस्पायर' पेश किया है जो 'नर्चरिंग द कोर' और 'फ्यूचर बिग बेट्स' के प्रमुख विषयों पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि 'नरचरिंग द कोर' के तीन मूलभूत स्तंभ हैं: रिफाइनिंग, मार्केटिंग और अपस्ट्रीम। 'फ्यूचर बिग बेट्स' पांच प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित है: गैस, गैर-ईंधन खुदरा बिक्री, पेट्रोकेमिकल्स, हरित ऊर्जा व्यवसाय और डिजिटल वेंचर्स। रिफाइनिंग के तहत कंपनी ने बीना रिफाइनरी की क्षमता वर्तमान में 78लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) से बढ़ाकर 11 एमएमटीपीए करने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि अपने बुनियादी ढांचे के नेटवर्क का विस्तार करने के उद्देश्य से, बीपीसीएल लगभग 2,753 करोड़ रुपए के निवेश से पाइपलाइनों के साथ पीओएल और एलओबीएस प्रतिष्ठान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए वैश्विक प्रयास की आवश्यकता और 2070 तक नेट-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के देश के उद्देश्य स्कोप 1 और स्कोप 2 ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

श्री कृष्णकुमार ने कहा कि बीपीसीएल की योजना आने वाले पांच वर्षों में 7,000 ऊर्जा स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाएं प्रदान करने की है। कंपनी 2025 तक 1 गीगावाट (जीडब्ल्यू) और 2040 तक 10 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बनाने की इच्छा रखती है जिसमें जैविक और अकार्बनिक दोनों माध्यम शामिल होंगे। जैव ईंधन क्षेत्र में, इस वर्ष पेट्रोल में 10.6 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल करने के बाद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मिश्रण को 12 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बनाई है और 2025 तक 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंचने का प्रयास किया जायेगा।

शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के अपने संकटग्रस्त बाजार को सहारा देने के लिए उपायों की घोषणा करने के बाद विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, इंडस्ट्रियल्स, दूरसंचार, कैपिटल गुड्स और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से आज शेयर बाजार में तेजी लौटी आई। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 110.09 अंक की तेजी लेकर 64,996.60 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 40.25 अंक चढ़कर 19,306.05 अंक पर पहुंच गया। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.59 प्रतिशत चढ़कर 30,899.36 अंक और स्मॉलकैप 0.67 प्रतिशत उछलकर 36,298.44 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3907 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2066 में तेजी जबकि 1676 में गिरावट रही वहीं 165 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी 32 कंपनियां हरे जबकि शेष 19 लाल निशान पर रही। बीएसई के 16 समूहों में लिवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.63, सीडी 0.53, वित्तीय सेवाएं 0.57, हेल्थकेयर 0.79, इंडस्ट्रियल्स 1.09, दूरसंचार 0.87, यूटिलिटीज 0.70, ऑटो 0.65, बैंकिंग 0.55, कैपिटल गुड्स 1.37, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.03, धातु 0.47, तेल एवं गैस 0.20, पावर 0.63, रियल्टी 0.95 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.07 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान

ब्रिटेन का एफटीएसई 0.07, जर्मनी का डैक्स 0.39, जापान का निक्केई 1.73, हांगकांग का हैंगसेंग 0.97 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.13 प्रतिशत चढ़ गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 22 अंक बढ़कर 64,908.08 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होन से थोड़ी देर बाद 64,776.92 अंक के निचले स्तर पर आ गया। इसके बाद हुई लिवाली से यह लगातार बढ़ता हुआ दोपहर बाद 65,213.45 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 64,886.51 अंक की तुलना में 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,996.60 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी भी 33 अंक उठकर 19,298.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,366.85 अंक के उच्चतम जबकि 19,249.70 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,265.80 अंक के मुकाबले 0.21 प्रतिशत चढ़कर 19,306.05 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की तेजी में रही 16 कंपनियों में से पावरग्रिड ने सबसे अधिक 2.50 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही एलटी 2.09, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.95, एचडीएफसी बैंक 1.01, सन फार्मा 0.89, मारुति 0.87, एक्सिस बैंक 0.68, टाटा स्टील 0.60, कोटक बैंक 0.58, इंडसइंड बैंक 0.58, एसबीआई 0.45, अल्ट्रासिमको 0.41, बजाज फाइनेंस 0.35, एनटीपीसी 0.28, आईसीआईसीआई बैंक 0.04 और एशियन पेंट के शेयर भी 0.02 प्रतिशत मजबूत रहे।

वहीं, रिलायंस 1.11, नेस्ले इंडिया 0.97, एचसीएल टेक 0.67, टाइटन 0.59, आईटीसी 0.56, टाटा मोटर्स 0.54, भारती एयरटेल 0.50, विप्रो 0.49, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.48, टेक महिंद्रा 0.42, इंफोसिस 0.33, बजाज फिनसर्व 0.30, जियो फाइनेंस 0.28, टीसीएस 0.17 और जेएसडब्ल्यूएस स्टील ने 0.01 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख, दालें सस्ती

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव और स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि अधिकांश दालें सस्ती हो गई।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में सितंबर का पाम ऑयल वायदा 45 रिंगिट की गिरावट के साथ 3815 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.21 सेंट उतरकर 63.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 220 रुपए और मूंगफली तेल 147 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि पाम ऑयल में 134 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

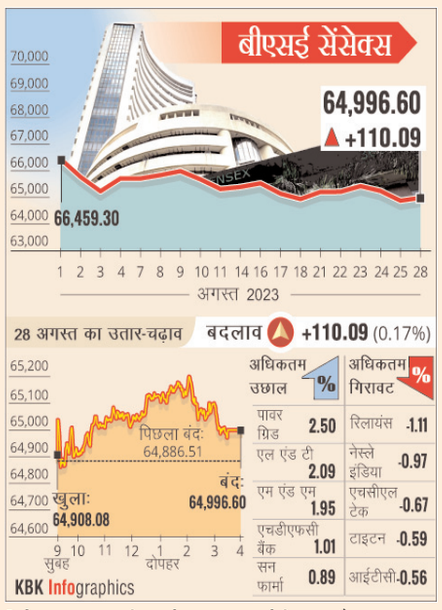

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। चना 100 रुपए, दाल चना 100 रुपए और उड़द दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल और अरहर दाल के दाम टिके रहे।

अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

सार संक्षेप

कोच्चि: बम की अफवाह के बाद रनवे से वापस लौटा विमान

कोच्चि। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को विमान में बम रखे होने की कॉल मिलने के बाद बेंगलुरु जा रहे इंडिगो के एक विमान को रनवे से वापस बुला लिया गया। जब कॉल आई तो विमान रनवे पर टैक्सी कर रहा था। यात्रियों और सामान को उतारने के बाद गहन तलाशी के बाद बम की कॉल अफवाह निकली। इसके बाद दोपहर 1 बजे से विमान को अपने गंतव्य की ओर जाने की अनुमति दे दी गई। इस बीच, स्थानीय पुलिस ने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

900 लोगों को नौकरी से निकालने वाले विशाल गर्ग की कंपनी के स्टॉक में भारी गिरावट

सैन फ्रांसिस्को। भारतीय मूल के सीईओ विशाल गर्ग द्वारा संचालित कंपनी बेटर डॉट कॉम ने पब्लिक मार्केट डेब्यू के बाद अपने स्टॉक में भारी गिरावट देखी। एक समय इसकी कीमत 7.7 बिलियन डॉलर थी। गर्ग की सॉफ्टबैंक समर्थित कंपनी के स्टॉक, जो 17.44 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे, पिछले सप्ताह 94 प्रतिशत गिरकर 1.15 डॉलर पर आ गए। कंपनी ने 24 अगस्त को पब्लिक डेब्यू किया और स्टॉक पब्लिक इंवेस्टर्स के बीच बिल्कुल भी लोकप्रिय नहीं रहा। बेटर डॉट कॉम ने दो साल पहले 7.7 बिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर पब्लिक होने का प्लान बनाया था। अब, कंपनी का मार्केट कैप केवल 19.14 मिलियन डॉलर के आसपास मंडरा रहा है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, बेटर डॉट कॉम को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) की जांच और पिछले दो सालों में 7,000 कर्मचारियों की बर्खास्तगी के बाद राजस्व में कमी और नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। एसईसी के साथ दायर एक जुलाई प्रॉस्पेक्टस में कंपनी ने लिखा था कि उसके मैनेजमेंट और अकाउंटिंग फर्म ने कंपनी की एक चालू संस्था के रूप में जारी रहने की क्षमता के बारे में संदेह व्यक्त किया था। जून में, गर्ग ने कथित तौर पर अपनी रियल एस्टेट टीम को हटा दिया और यूनिट बंद कर दी।

कंपनियों के लचीलापन अपनाने से हाइब्रिड वर्क 29 प्रतिशत बढ़ा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। अप्रैल-जून की अवधि में वैश्विक स्तर पर हाइब्रिड वर्क में 29 प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि दर्ज की गई है, क्योंकि 'दूरस्थ काम' और 'घर से काम' के विकल्पों में गिरावट आई है। एक अग्रणी डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडेटा ने खुलासा किया है कि हाइब्रिड कामकाजी भूमिकाएं जो कर्मचारियों को कार्यालय और उनके घरों के बीच अपने काम के घंटों को संतुलित करने में सक्षम बनाती हैं, उसमें वृद्धि दर्ज की गई है। दूसरी तिमाही में यात्रा और पर्यटन, खुदरा और वित्तीय सेवाओं जैसे उद्योगों में हाइब्रिड वर्क से संबंधित नौकरी पोस्टिंग में वृद्धि हुई।

जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी: सीतारमण

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। योजना के 9 साल पूरे होने के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'पीएमजेडीवाई के नेतृत्व वाले 9 सालों के हस्तक्षेप और डिजिटल परिवर्तन ने भारत में वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। यह जानकर खुशी हो रही है कि जन धन खाते खोलकर 50 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम में लाया गया है।' इनमें से लगभग 55.5 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, इन खातों में लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड बिना किसी शुल्क के जारी किए गए हैं, जो 2 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा कवर का भी प्रावधान करता है। सीतारमण ने कहा, 'हितधारकों, बैंकों, बीमा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों के सहयोगात्मक प्रयासों से, पीएमजेडीवाई देश में वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है।' पीएमजेडीवाई खातों के तहत कुल जमा शेष राशि 2,03,505 करोड़ रुपए है। पीएमजेडीवाई खाते मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से 3.4 गुना बढ़कर 16 अगस्त तक 50.09 करोड़ हो गए हैं।

63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी शुरू, 20 कलाकार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ललित कला अकादमी द्वारा शुरू की गई 63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (एनईए) के शुभारंभ के साथ ही आज यहां देश भर के 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेता मनोज जोशी ने इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष प्रो.वी.नागदास ने की। इस समारोह में मंगोलिया के राजदूत डी गनबोल्ड, इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन, इजरायल दूतावास की संस्कृति अटैचे सुश्री रेयूमा मंत्जुर, हंगरी सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली के डायरेक्टर/काउंसलर संस्कृति सुश्री डॉ मारियन एर्डो, अल्जीरिया के राजदूत डॉ अली आचोई, स्पेन के राजदूत जोसे मारिया रिडाओ डोमिंगेज़ जैसी हस्तियां मौजूद थीKसभी बीस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकारों को शॉल, प्रशस्ति प्रमाण पत्र और दो

■ अभिनेता मनोज जोशी ने इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया
■ आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष प्रो.वी.नागदास ने की

लाख रुपए से सम्मानित किया गया। सम्मानित कलाकारों में अभिप्सा प्रधान (दिल्ली), आकाश विश्वास (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), अनामिका सिंह (उत्तरप्रदेश), अनस सुल्तान (उत्तर प्रदेश), आरती पालीवाल (दिल्ली), भाऊराव बोदाडे (मध्यप्रदेश), चुगुली कुमार साहू (ओडिशा), दीपक कुमार (हरियाणा), दीपक कुमार (उत्तर प्रदेश), जान्हवी खेमका (उत्तर प्रदेश), किरण अनिला शेरखाने (कर्नाटक), कुमार जिगीशु (दिल्ली), महेंद्र प्रताप दिनकर (दिल्ली), नागेश बालाजी गाडेकर (गुजरात), नरोत्तम दास (ओडिशा), पंकज कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश), पवन कुमार (हरियाणा), प्रियोम तालुकदार(असम), समा कंथा रेड्डी (आंध्र प्रदेश) और सोमेन देबनाथ (त्रिपुरा) शामिल है।

इस अवसर पर श्री जोशी ने कहा- 'कला एक असीमित क्षेत्र है। मनुष्य की प्रत्येक अभिव्यक्ति कला है, जब यह हमारे शरीर और पहनावे के माध्यम से व्यक्त होता है तो यह अभिनय बन जाता है और जब यह अन्य सामग्रियों और माध्यमों से व्यक्त होता है तो यह दृश्य कला बन जाता है। दृश्य कला आज रचनात्मकता और सामग्रियों की विभिन्न धाराओं का मिलन बिंदु है। समकालीन कलाकार हमेशा नए माध्यमों और सामग्रियों के साथ प्रयोग करते रहते हैं। इस क्रम में आज का नवीनतम चलन एआई यानी आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस कि बदौलत तैयार कलारूपों को रखा जा रहा है। हमारे रोजमर्रा के जीवन से लेकर फिल्मों तक, विज्ञान से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, मोटर वाहनों के निर्माण से लेकर जीवन शैली तक,आज इस एआई की उपस्थिति हमारे चारों तरफ है। लेकिन इन सबके बावजूद रचनात्मकता में मानव हृदय और हाथों की भागीदारी को कोई कम नहीं कर सका और न कर सकता है। मैं इस 63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के सभी प्रतिभागियों और पुरस्कार विजेताओं की उनके योगदान के लिए सराहना करता हूं।'

प्रो नागदास ने कहा कि ललित कला अकादमी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वसुधैव कुटुंबकम के दर्शन को साकार करने की दिशा में काम करने वाली भविष्यवादी और प्रगतिशील संस्था है। श्री मोदी न केवल देश में बल्कि विश्व में शांति और सद्भाव प्राप्त करने में सांस्कृतिक कूटनीति के प्रभावों के महत्व को रेखांकित करते रहे हैं। कला नरम कूटनीति का एक सशक्त माध्यम है।

खेल जगत

ग्लेन मैक्सवेल द.अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

डरबन (दक्षिण अफ्रीका), 28 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज की शुरुआत से पहले कंगारू टीम को बड़ा झटका लगा है। टखने में चोट के चलते ग्लेन मैक्सवेल टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज का आगाज 30 अगस्त से होगा। इस बीच प्रशिक्षण सत्र के दौरान मैक्सवेल चोटिल हो गए और उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा। मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में मैथ्यू वेड की एंट्री हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को उम्मीद है कि मैक्सवेल वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह फिट होकर टीम में वापसी करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि मैक्सवेल के चोट के इतिहास को देखते हुए उनके साथ कोई जोखिम नहीं लिया जाएगा, जिसमें उनके पैर की गंभीर चोट भी शामिल है।

नीरज बने विश्व चैंपियन

मैं देर तक जागने के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह पदक पूरे भारत के लिए है। मैं ओलंपिक चैंपियन हूं, अब विश्व चैंपियन हूं। विभिन्न क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करते रहें। हमें दुनिया में नाम कमाना है : नीरज चौपड़, विश्व चैंपियन, भाला फेंक

बुडापेस्ट, 28 अगस्त (एजेंसियां)। शीर्ष भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 40 साल के इतिहास में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीत लिया है।

नेशनल एथलेटिक्स सेंटर में रविवार को हुए फाइनल में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज ने 88.17 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ विश्व चैंपियन का ताज अपने सिर सजाया। पाकिस्तान के अरशद नदीम 87.82 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि चेक गणराज्य के जाकुब वाडलेच ने 86.67 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया।

पहला थ्रो रद्द होने के बाद नीरज ने दूसरे ही प्रयास में जैवलिन को 88.17 मीटर की दूरी पर फेंक दिया। नीरज ने अपने अगले चार प्रयासों में क्रमश: 86.32, 84.64, 87.73 और 83.98 मीटर की दूरी तक भाला फैंका, लेकिन उनके दूसरे प्रयास के दम से भारत की झोली में स्वर्ण पदक आया।

नीरज विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं, जबकि पिछले साल उन्होंने यूजीन में आयोजित टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया था। नीरज के अलावा अंजू बॉबी जॉर्ज (महिला लंबी कूद कांस्य, 2003) विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिये पदक जीतने वाली एकमात्र एथलीट हैं।

गौरतलब है कि नीरज का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.94 मीटर का है, जो स्टॉकहॉम डायमंड लीग 2022 में दर्ज किया था। नीरज का रविवार रात का थ्रो उनके सर्वश्रेष्ठ पांच प्रयासों में न होने के बावजूद इतिहास के पन्नों में उनका नाम दर्ज करवाने के लिये काफी था।

नीरज ने इस जीत के बाद कहा, यह बहुत अच्छा था। ओलंपिक स्वर्ण के बाद मैं वास्तव में विश्व चैंपियनशिप जीतना चाहता था। मैं बस और आगे बढ़ना चाहता था। यह राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार है लेकिन विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना मेरा सपना था।

उन्होंने कहा, यह भारत के लिये एक शानदार चैंपियनशिप रही है और मुझे अपने देश के लिये एक और खिताब लाने पर गर्व है। मुझे नहीं लगता कि मैं यहां सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हूं। मैं आज रात और बेहतर प्रदर्शन करना चाहता था। मैं आज रात 90 मीटर का निशान पार करना चाहता था। मैं आज शाम यह सब एक साथ नहीं कर सका, शायद अगली बार। नीरज के हमवतन किशोर जेना (84.77 मीटर) ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया। डीपी मनू 84.14 मीटर की थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार तीन भारतीय शीर्ष आठ में रहे हैं।

नीरज अब भाला फेंक प्रतियोगिताओं में हर संभव बड़ा खिताब जीत चुके हैं। अपने ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण और डायमंड लीग खिताब के अलावा नीरज एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप (2017), एशियाई खेल (2018) और राष्ट्रमंडल खेल (2018) चैंपियन भी हैं। उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2016) में भी स्वर्ण जीता था।

नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ पारुल ने कटाया पेरिस का टिकट

बुडापेस्ट, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की पारुल चौधरी ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फाइनल में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर लिया है।

पारुल रविवार को नेशनल एथलेटिक्स सेंटर में हुए फाइनल में 11वें स्थान पर रहीं, लेकिन उन्होंने नौ मिनट 15.31 सेकंड में दौड़ पूरी कर ललिता बाबर (नौ मिनट 19.76 सेकंड) का रियो ओलंपिक 2016 में बनाया गया सात साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिये खिलाड़ियों को नौ मिनट 23 सेकंड में दौड़ पूरी करनी थी और अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर पारुल ने पेरिस का टिकट भी कटा लिया।

इससे पूर्व, पारुल क्वालीफिकेशन राउंड में अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (9.29.51) से पांच सेकंड तेज दौड़ीं और इससे उन्हें पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई थी। हाल के वर्षों में, अमेरिकी कोच निक सिमंस द्वारा निर्धारित कोचिंग कार्यक्रम से उन्हें काफी फायदा हुआ है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में 5000 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और इस साल एशियाई चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में स्वर्ण पदक जीता था।

4×400 मीटर रिले में पांचवें स्थान पर रहा भारत

बुडापेस्ट। मोहम्मद अनस, अमोज जेकब, मोहम्मद अजमल और राजेश रमेश की भारतीय टीम ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 की 4 गुना 400 मीटर रिले दौड़ में पांचवां स्थान हासिल किया है। क्वालीफिकेशन राउंड में एशियाई रिकॉर्ड स्थापित करने वाली भारतीय टीम रविवार को फाइनल में दो मिनट 59.92 सेकंड के समय में दौड़ पूरी कर पांचवें स्थान पर रही। अमेरिका ने दो मिनट 57.31 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि फ्रांस ने दो मिनट 58.45 सेकंड के समय के साथ चांदी हासिल की। ग्रेट ब्रिटेन (दो मिनट 58.71 सेकंड) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम चौथे स्थान पर रहने वाले जमैका (2:59.34) से कुछ सेकंड ही पीछे रही। उल्लेखनीय है कि भारत ने शनिवार को हुए क्वालीफिकेशन राउंड में दो मिनट 59.05 सेकंड के समय में दौड़ पूरी कर नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित किया था।

नसीम को पाकिस्तान के लिए मैच जीतने चाहिए : वहाब

लाहौर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी वहाब रियाज ने क्रिकेट पाकिस्तान से बातचीत में नसीम शाह के प्रदर्शन पर अपनी बातें रखी। नसीम ने हाल ही में हंबनटोटा में दूसरे वनडे में फजलहक फारूकी के खिलाफ अफगानिस्तान पर एक विकेट से जीत में पाकिस्तान के लिए विजयी रन बनाए थे। इससे पहले भी उन्होंने इसी गेंदबाज के खिलाफ पिछले साल एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाने के लिए दो छक्के लगाए थे। क्रिकेट पाकिस्तान ने वहाब के हवाले से कहा, नसीम ने कई मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है। मुझे लगता है कि उन्होंने अभी तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। उन्हें अपनी क्षमता को देखते हुए पाकिस्तान के लिए और मैच जीतने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी एशिया कप और वनडे विश्व कप की तैयारी में पाकिस्तान की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। शाहीन शाह अफरीदी नई गेंद से खतरनाक हैं। बाद में हारिस रऊफ कमान संभालते हैं। वे डेथ ओवर्स में गेंदबाजी में विशेषज्ञ हैं। विश्व कप में अफरीदी के 10 ओवर काफी अहम होंगे। टीम को उनसे बीच-बीच में विकेट की जरूरत होगी। वहाब को लगता है कि पाकिस्तान इमाम-उल-हक, फखर जमान और कप्तान बाबर आजम के शीर्ष क्रम पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वनडे मैचों में, पाकिस्तान अपने शीर्ष क्रम की तिकड़ी इमाम, फखर और बाबर पर बहुत अधिक निर्भर करता है। इसलिए पाकिस्तान अपने मध्यक्रम लाइनअप संबंधित मुद्दों से हमेशा जूझता रहता है। एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। पाकिस्तान 30 अगस्त को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में नेपाल के साथ खेलकर टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा, इसके बाद 2 सितंबर को पल्लेकेले में भारत का सामना करेगा।

मलेशिया को हराकर भारत ने विश्व कप में बनाई जगह

नई दिल्ली, 28 अगस्त (देशबन्धु)। कप्तान नवजोत कौर की शानदार हैट्रिक और मरियाना कुजूर, व ज्योति के दो दो तथा मोनिका दीपि टोपो व महिमा चौधरी के एक -एक गोल की बदौलत भारत ने मलयेशिया को सलाला (ओमान) में महिला एशियन कप हॉकी 5 क्वॉलिफायर के सेमीफाइनल में 9-5 से करारी देकर फाइनलमें स्थान बना अगले साल ओमान में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी 5 विश्व कप, 2024 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया।

भारत की महिला हॉकी टीम ने आक्रामक अंदाज में आगाज किया लेकिन खेल के रुच के उलट जती मुहम्मद ने चौथे और पांचवें मिनट में मैदानी गोल मलयेशिया को 2-0 से आगे कर दिया। कप्तान नवजोत कौर ने सातवें और मरियाना कुजूर ने नौवें मिनट में बढिया मैदानी गोल कर भारत की महिला टीम को दो-दो की बराबरी दिला दी। डियान नजरी ने दसवें मिनट में गोल कर फिर मलयेशिया को 3-2 से आगे कर दिया लेकिन अगले ही क्षण नवजोत ने गोल कर भारत को तीन तीन की बराबरी दिलाई लेकिन दो मिनट बाद मरियाना कुजुर ने मैच का अपना दूसरा गोल कर अपनी टीम को 4-3 से आगे कर दिय। महिमा चौधरी ने पहला हाफ खत्म होने से मिनट भर पहले गोल कर भारत को 5-3 से आगे कर दिया।,

मलयेशिया की अजीज जाफरिया ने दूसरे हाफ के पहले मिनट मे गोल कर स्कोर 4-5 कर दिया। नवजोत कौर ने अगले ही मिनट मैच का अपना तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की और ज्योति ने चार और मोनिका दीपि टोपो ने अगले ही मिनट गोल कर भारत की महिला टीम की बढ़त 8-5 कर दी। ज्योति ने मैच खत्म होने से चार मिनट पहले गोल कर भारत को 9-5 से आगे कर दिया और यह मैच का अंतिम गोल साबित हुआ।

सार संक्षेप

डूरंड कप : सेमीफाइनल में ईस्ट बंगाल और नॉर्थईस्ट के बीच होगी टक्कर

कोलकाता। जबरदस्त फॉर्म में चल रही ईस्ट बंगाल को 132वें डूरंड कप के सेमीफाइनल में मजबूत प्रतिद्वंद्वी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) का सामना करना होगा। हाईलेंडर्स एक आकर्षक टीम के साथ लंबे समय से अपना सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट फुटबॉल खेल रहे हैं, जिसमें युवा और अनुभव का मिश्रण है। नए स्पेनिश कोच जुआन पेड्रो बेनाली के नेतृत्व में टीम बहुत शानदार प्रदर्शन कर रही है। कोच बेनाली ने मैच से पहले कहा, यह सेमीफाइनल सिर्फ एक और मैच नहीं है। हम कोलकाता में घरेलू टीम के खिलाफ उनके प्रशंसकों के सामने खेल रहे हैं। ईस्ट बंगाल एक ऐसी टीम है, जिसके पास बेंच पर भी कई धाकड़ खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, हम अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने और अपने लोगों के लिए लड़ने के लिए आए हैं। हमारे प्रशंसक हम पर विश्वास करते हैं। हम उन्हें निराश नहीं करना चाहते हैं। हाईलेंडर्स एक सदी पुराने क्लब के खिलाफ आमने-सामने हैं, लेकिन 16 बार के डूरंड चैंपियन को घरेलू प्रशंसकों के सामने हराने के लिए उन्हें काफी मेहनत करनी होगी।

रॉबर्टो मैनसिनी बने सऊदी अरब फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच

रियाद। सऊदी अरब ने अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच रॉबर्टो मैनसिनी को नियुक्त किया है। सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बताया गया है कि 58 वर्षीय ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसकी कीमत 25 मिलियन यूरो प्रति वर्ष है। मैनसिनी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, इतनी प्रतिष्ठित भूमिका के लिए चुने जाने पर मुझे खुशी और सम्मान महसूस हो रहा है, जो इन वर्षों के दौरान किए गए सभी कार्यों की सराहना और मान्यता का प्रतीक है। मैं राष्ट्रपति यासिर अल-मिसेहाल को धन्यवाद देना चाहता हूं। लाजियो, इंटर मिलान, मैनचेस्टर सिटी और कई अन्य क्लबों को प्रशिक्षित करने के बाद, मैनसिनी ने 2018 में अजुर्री की कमान संभाली और उन्हें यूरो 2020 चैंपियनशिप जीतने में मदद की। लेकिन इटली 2022 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा। मैनसिनी सितंबर में डेब्यू करेंगे और 2026 विश्व कप क्वालीफायर और कतर एशियाई कप में भाग लेने के लिए सऊदी अरब का नेतृत्व करेंगे।

वर्ल्ड कप में खेलने के लिए बेताब हैं चोटिल तमीम इकबाल

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बाएं हाथ के अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने उम्मीद जताई है कि वो विश्व कप से पहले ठीक हो जाएंगे। इकबाल वर्तमान में पीठ की चोट के कारण पुनर्वास से गुजर रहे हैं। एशिया कप के आगाज से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम को सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल के रूप में एक बड़ा झटका लगा था, क्योंकि बल्लेबाज पीठ की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

तमीम की इंजरी को ध्यान में रखते हुए बीसीबी ने उन्हें एशिया कप से आराम दिया है। हालांकि, तमीम को पूरी उम्मीद है कि वह विश्व कप से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे और भारत की यात्रा से पहले टीम के साथ जुड़ जाएंगे। तमीम ने कहा, सब अच्छा चल रहा है, जहां तक पुनर्वास का सवाल है। मुझे लगता है कि जिस तरह से मेरी योजना बनाई गई है, हम सही रास्ते पर हैं। मैं अब तक के नतीजे से काफी खुश हूं। मैंने अभी तक पीठ दर्द के बारे में कोई शिकायत नहीं की है और न ही कोई समस्या है।

क्रिकबज ने तमीम के हवाले से आगे कहा, एक या दो दिनों से जकड़न है, अब तक मैं बहुत खुश हूं और जो भी पुनर्वास से जुड़े हैं, जैसे कि नए पुनर्वास प्रबंधक, राष्ट्रीय टीम के फिजियो और राष्ट्रीय टीम के ट्रेनर, वे सभी मेरी रिकवरी से संतुष्ट हैं। यदि हम उस स्थिति में अच्छी तरह से आगे बढ़ सकते हैं और मुझे उम्मीद है मैं जल्द टीम में वापसी करूंगा।

बताया जा रहा है कि वह विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रह सकते हैं। तमीम ने अपना नेट सत्र पहले ही शुरू कर दिया था। उम्मीद है कि वह 7 सितंबर से पूरी ट्रेनिंग करेंगे। बांग्लादेश अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा।

क्रिकेट में पहली बार रेड कार्ड, सुनील नारायण को मिली सजा

बैसेटेरे, (सेंट किट्स), 28 अगस्त (एजेंसियां)। अनुभवी ऑफ स्पिनर सुनील नरेन अपनी टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सीपीएल मैच में ओवर-रेट उल्लंघन के लिए लाल कार्ड दिखाए जाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए। क्रिकेट में रेड कार्ड! जी, हां आपने सही पढ़ा... क्रिकेट में स्लो ओवर रेट की वजह से पहली बार रेड कार्ड दिखाया गया। यह कार्ड सीपीएल टी-20 लीग में आया। सीपीएल-2023 में आयोजकों ने धीमी ओवर गति से निपटने के लिए नए नियम लागू किए, जिसके कारण खेल बहुत देर से समाप्त हुए। इसमें कहा गया है, अगर कोई फील्डिंग टीम अपना 18वां ओवर निर्धारित समय से ज्यादा देर तक शुरू करती है तो उन्हें तीस गज के घेरे के अंदर एक अतिरिक्त फील्डर लाना होगा। राइडर्स ने आखिरी तीन ओवर्स में स्लो बॉलिंग की थी और टीम जरूरी ओवर रेट से पीछे थी। इस वजह से अंपायर ने टीम को 19वें ओवर के बाद रेड कार्ड दिखाया। राइडर्स के कप्तान पोलार्ड ने स्पिनर सुनील नरेन को आखिरी ओवर में मैदान से बाहर भेज दिया। आखिरी ओवर में टीम ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही फील्डिंग की। इस तरह नरेन क्रिकेट में रेड कॉर्ड मिलने वाले पहले खिलाड़ी बने। पैट्रियट्स ने सीमित 20 ओवर में 178 रन बनाए। ट्रिनबागो ने 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट से जीत हासिल की लेकिन पोलार्ड रेड कार्ड के फैसले से प्रभावित नहीं हुए।

पोलार्ड ने रेड कार्ड रूल को कहा- हास्यास्पद

पोलार्ड ने मैच खत्म होने के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो, यह हर किसी द्वारा की गई कड़ी मेहनत को बर्बाद कर देगा। हम प्यादों की तरह हैं और हम वही करेंगे जो हमसे कहा जाएगा। हम जितनी तेजी से खेल सकते हैं खेलेंगे। अगर आपको इस तरह के टूर्नामेंट में 30-45 सेकंड के लिए दंडित किया जाता है, तो यह बिल्कुल हास्यास्पद है।

विलियमसन के वर्ल्ड कप खेलने पर सस्पेंस, 2 हफ्ते में साबित करनी होगी फिटनेस

डरहम (इंग्लैंड), 28 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अपने कप्तान केन विलियमसन को भरपूर समय देना चाहती है। टीम ने विलियमसन को फिटनेस साबित करने के लिए दो सप्ताह का और समय दिया है। भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप-2023 की शुरुआत 5 अक्टूबर से होगी। इसके लिए सभी टीमों को 5 सितंबर तक अपनी प्रारंभिक टीम का ऐलान करना होगा। ऐसे में न्यूजीलैंड की टीम अपने कप्तान केन विलियमसन को लेकर काफी परेशान है, जो इस साल आईपीएल में लगी चोट के कारण काफी समय से खेल से दूर हैं और अब भी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं। केन विलियमसन के पास अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो सप्ताह का समय है, जिसके बाद ब्लैककैप्स, वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम की घोषणा करेगी। 33 वर्षीय खिलाड़ी के इस साल के विश्व कप में भाग लेने की संभावना शुरू में कम मानी जा रही थी। इस साल की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ गुजरात टाइटन्स का प्रतिनिधित्व करते समय आईपीएल-2023 के शुरुआती मैच के दौरान उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी। लेकिन, उन्होंने वर्ल्ड कप में वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत की है। हाल ही में अपने साथियों के साथ नेट्स में बल्लेबाजी करने के लिए लौटे थे। अब तक उन्होंने टीम में वापसी नहीं की है क्योंकि उनकी फिटनेस को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा कि विलियमसन फिटनेस पर लौटने के लिए अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होगा भारत का विश्व कप क्वालीफायर अभियान

सलालाह, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां बंगलादेश के खिलाफ पुरुष एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत को 29 अगस्त से दो सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के एलीट पूल में मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, ओमान और बंगलादेश के साथ रखा गया है, जबकि चैलेंजर्स पूल में हांगकांग चीन, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और ईरान शामिल हैं। बंगलादेश के खिलाफ अपनी शुरुआती मुकाबले के बाद भारतीय पुरुष बुधवार को ओमान और पाकिस्तान के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगे, जबकि गुरुवार को उनका सामना मलेशिया और जापान से होगा। भारतीय टीम 2024 एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप में जगह पक्की करने के लिये शीर्ष तीन में जगह बनाने की उम्मीद के साथ क्वालीफायर में उतरेगी।

उल्लेखनीय है कि 2024 एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप में कुल 16 देश हिस्सा लेंगे। मेजबान देश होने के नाते ओमान ने पहले ही टूर्नामेंट में जगह बना ली है। एशियाई क्वालीफायर में शीर्ष तीन स्थानों पर रहने वाले देशों के अलावा अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया में महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के शीर्ष तीन देश भी 2024 5एस विश्व कप में हिस्सा लेंगे। आखिरी बार, भारत और बंगलादेश एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ढाका 2021 में आमने-सामने आये थे, जहां भारत ने 9-0 की जीत अर्जित की थी। ओमान के खिलाफ भारत की आखिरी भिड़ंत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में हुई थी, जिसे भारत ने 11-0 से जीता था।

पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने हालिया एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 में 4-0 से ठोस जीत हासिल की थी। मलेशिया के खिलाफ भारत की आखिरी भिड़ंत उसी प्रतियोगिता के फाइनल में हुई थी जहां हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने रोमांचक मुकाबले के बाद मलेशिया को 4-3 से हराया था। उस टूर्नामेंट में भारत ने जापान को भी 5-0 से मात दी थी। अपनी प्रतिभा के दम पर भारत यह टूर्नामेंट जीतने का प्रबल दावेदार है और कप्तान मनदीप मोर भी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। मनदीप ने मैच से पहले कहा,हर खिलाड़ी का सबसे बड़ा सपना हमेशा विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करना होता है। यह हमारे लिये एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम 2024 एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप के लिये सीधी योग्यता हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा,हमने आगामी प्रतियोगिता के लिये खुद को अच्छी तरह से तैयार किया है। हमें विश्वास है कि हम टूर्नामेंट में सकारात्मक नतीजे प्राप्त करने और शीर्ष-तीन में स्थान हासिल करने में सक्षम होंगे।

भारत के उप-कप्तान मोहम्मद राहील मौसीन ने कहा,2024 एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप के लिये क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम अच्छी स्थिति में हैं और कई अच्छे प्रशिक्षण सत्रों से गुजरे हैं। हमारे सामने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद हम सभी उत्सुकता से टूर्नामेंट की शुरुआत का इंतजार कर रहे हैं। हम अपनी योजनाओं पर कायम रहेंगे और अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिये टूर्नामेंट में जल्दी जीत हासिल करने की उम्मीद करेंगे।